RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 360 ■ मुंबई, सोमवार 21 जुलाई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

I.N.D.I.A. में सबकुछ ठीक नहीं...
पेज-4

उफान पर प्रदेश की नदियां, मैदानी क्षेत्रों से पलायन शुरू
पेज-6

चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मैनचेस्टर पहुंची
पेज-9

अगस्त से शुरू हो रही है फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग
पेज-10

Short News एक नजर

आतंकवादियों-सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, डाचन इलाके में जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के आतंकियों के इलाके में छिपे होने की संभावना है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। ऑपरेशन जारी है। कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। इससे पहले 26 जून को उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी मारा गया था।

BJP में अन्नामलाई को मिलने जा रही बड़ी जिम्मेदारी

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई को जल्द ही पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उन्हें बीजेपी के महासचिव पद पर प्रमोट किया जा सकता है। पार्टी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अगले महीने बीजेपी अध्यक्ष के चयन के बाद अन्नामलाई से जुड़ा ऐलान किया जाएगा।

दुनियाभर में फिर बजी खतरे की घंटी!

नई दिल्ली। चीन जहां से कोरोना वायरस फैला था अब एक और नए वायरस के प्रकोप से जूझ रहा है। इस बार मच्छर से फैलने वाले 'CHIKV वायरस' (चिकनगुनिया) ने चीन के कई जिलों में हजारों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है जिसके बाद चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय को आपातकालीन अभियान जारी करना पड़ा है। इस वायरस के कारण तेज बुखार और जोड़ों में दर्द जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं।

'चीन के बाद भारत आ रहे नेपाल के पीएम ओली

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सितंबर में दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आएंगे। सूत्रों के अनुसार दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए भारत से उन्हें निमंत्रण मिला है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें 16 सितंबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे का निमंत्रण मिला है।

'हर महीने 50 से 60 करोड़ की रिश्वत लेते थे जगन'

अमरावती। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के मामले में एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। इस आरोपपत्र में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने वाला बताया गया है। शनिवार को 305 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया गया है, लेकिन इसमें जगन को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया है।

ट्रंप की धमकी का दिखने लगा असर

रूस-यूक्रेन में होगी सुलह!

महानगर नेटवर्क
मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चौथे साल में प्रवेश कर चुका है और अभी तक दोनों देशों के बीच युद्धविराम नहीं हो पाया है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को 50 दिन का अल्टीमेटम दिया था। रूस ने पहले तो बयान देकर ट्रंप की धमकियों की परवाह न करने का संकेत दिया, लेकिन अब वो दबाव में है। रूस ने कहा है कि पुतिन यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं और शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लामीर पुतिन के कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, "राष्ट्रपति पुतिन ने कई बार यह इच्छा जताई है कि यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान जल्द से जल्द निकले। लेकिन यह एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है, जिसमें निरंतर प्रयास की आवश्यकता है।"

क्रेमलिन प्रवक्ता ने यह भी कहा कि दुनिया अब ट्रंप की कभी-कभार 'कठोर' बयानबाज़ी की अभ्यस्त हो चुकी है, लेकिन यह भी सच है कि ट्रंप ने रूस को लेकर हालिया बयानों में शांति समझौते की संभावनाओं को खुला रखा है।

यूक्रेन को अमेरिकी मदद

हालांकि, ट्रंप ने रूस के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए यूक्रेन को नई सैन्य मदद देने की घोषणा की, जिसमें पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी शामिल है। साथ ही उन्होंने रूस को 50 दिन की डेडलाइन दी है कि अगर वह इस दौरान युद्धविराम पर सहमत नहीं हुआ, तो अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस बीच, पेसकोव ने दोहराया कि रूस की प्राथमिकता युद्ध खत्म करना नहीं, बल्कि अपने स्पष्ट घोषित लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

यूक्रेनी सेना का मॉस्को पर हमला

रूस की राजधानी मॉस्को समेत कई शहरों पर यूक्रेन ने बड़ा हमला बोला है। इसकी वजह से राजधानी मॉस्को में हवाई सेवा बाधित हो गई है। करीब 134 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया है। यूक्रेन ने मॉस्को पर 19 कामिकेज ड्रोन दागे हैं। इनमें से कुछ ड्रोन ऊंची इमारतों से टकराए हैं। यूक्रेन ने रूस पर कुल 93 कामिकेज ड्रोन से हमले बोले थे। अब रूस यूक्रेन पर 2000 ड्रोनों से हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में शांति समझौते की संभावना को कमजोरी मिलती दिख रही है।

संसद का मानसून सत्र

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने दिखाया आक्रामक रुख

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार-विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। हम मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर सांसदों के हस्ताक्षरों की संख्या पहले ही 100 को पार कर चुकी है।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के नेताओं की एक बैठक हुई। इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और स्वतंत्र सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 सांसदों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। यह बहुत रचनात्मक थी। सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों को बताया जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया है। हमने अनुरोध किया है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अच्छे समन्वय के साथ मिलकर काम करना चाहिए। हम अलग-अलग विचारधाराओं वाले राजनीतिक दल हो सकते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है कि संसद सुचारू रूप से चले। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के मुद्दे पर सरकार संसद में उचित जवाब देगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार चर्चा को तैयार

बैठक में कौन-कौन रहा शामिल?

बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और किरण रिजिजू समेत समेत कांग्रेस सांसद सुरेश, जयराम रमेश, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले, बीजेपी सांसद रवि किशन समेत समाजवादी पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस, जेडीयू, एआईएडीएमके, सीपीआई(एम) और डीएमके के नेता भी शामिल रहे।

> "इस सत्र में हम पहलगाम हमले, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रम्प का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) जैसे मुद्दों को उठाएंगे। प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख होते हैं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिए इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें।
> - कांग्रेस

विस्तृत पेज 7 पर

कांवड़ यात्रा को बदनाम करने वालों की खैर नहीं

CM योगी ने कहा- उपद्रवियों के लगेंगे पोस्टर, करेंगे बेनकाब

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा के दौरान उपद्रव और तोड़फोड़ की घटनाओं को लेकर सख्त तेवर दिखाए हैं। मेरठ में शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने उपद्रवियों को चेतावनी देते हुए कहा कि धार्मिक यात्रा की आड़ में अराजकता फैलाने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम योगी ने ऐलान किया कि कांवड़ यात्रा खत्म होते ही उपद्रवियों की पहचान कर उनके पोस्टर सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे। उपद्रवियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से यात्रा की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि हर मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके पोस्टर चस्पा किए जाएंगे और उन्हें बेनकाब किया जाएगा। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल शिव भक्तों से शांति पूर्वक यात्रा करने की अपील की।

लोगों से की अपील, कानून हाथ में न लें

सीएम योगी ने शिवभक्तों से भी अपील की कि अगर कोई उपद्रवी तत्व नजर आए, तो वे खुद कानून हाथ में न लें बल्कि तत्काल प्रशासन को सूचना दें। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व यात्रा में शामिल होकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे लोगों को समुदाय से अलग करें और प्रशासन के साथ सहयोग करें।

सीएम योगी ने इस अवसर पर पिछली सरकारों पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले ऐसी धार्मिक यात्राओं को समर्थन नहीं मिलता था, बल्कि उन्हें रोका जाता था। उन्होंने कहा – आज जब सरकार श्रद्धा को सम्मान दे रही है, तो हर शिवभक्त का भी दायित्व है कि वह इस परंपरा को गरिमा और शांति के साथ आगे बढ़ाए।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सरकार बोली

जल्दबाजी में नतीजे न निकालें

- विदेशी मीडिया की खबरों में स्वार्थ छिपा है
- फाइनल जांच रिपोर्ट का इंतजार करें

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली/अहमदाबाद

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया प्लेन हादसे में पायलट की गलती की खबरों को सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू ने गलत बताया है। नायडू ने विदेशी मीडिया से भी संयम बरतने की अपील की है। साथ ही जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा- AAIB की जांच जारी है। फाइनल जांच रिपोर्ट जारी होने तक कोई कमेंट न करें। अहमदाबाद प्लेन हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी।

नायडू की यह टिप्पणी विदेशी मीडिया की उन खबरों के बीच आई, जिनमें कहा गया कि हादसे की वजह पायलट की एक गलती थी। बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 को कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। दरअसल, अमेरिकी मीडिया हाउस वॉल स्ट्रीट जनरल ने 17 जुलाई को पब्लिश एक रिपोर्ट में आशंका जताई कि विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल ने दोनों इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी।

नायडू बोले- 'मुझे AAIB और उसके काम पर भरोसा है। प्लेन के पिछले हिस्से में इलेक्ट्रिक सप्लाई की खराबी की खबरों के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने धीरज रखने को कहा।

नायडू बोले- 'जो कहा जा रहा है, हम उसके आधार पर आगे नहीं बढ़ सकते। हमें रिपोर्ट पर अड़े रहना होगा। रिपोर्ट जो भी कहेगी, वही फाइनल होगा। इसलिए, हमें AAIB को वह दायरा, समय और विश्वास देना होगा। इसकी बहुत जरूरत है।'

अस्पताल हत्याकांड: शूटर समेत 8 गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क
पटना

पटना के पारस अस्पताल में 17 जुलाई को हुई गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या के मामले में पटना पुलिस और पश्चिम बंगाल STF की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। कोलकाता से शूटर तौसीफ उर्फ बादशाह, उसके मौसेरे भाई निशु खान समेत 8 को गिरफ्तार किया गया है।

इन दोनों के अलावा सचिन सिंह, हर्ष उर्फ हरीश कुमार, भीम कुमार और एक महिला अल्पना दास को भी दबोचा गया है। एसटीएफ और पटना पुलिस टीम ने शनिवार की शाम को कोलकाता की अलग-अलग जगहों पर छापा मारा।

कोलकाता से पकड़े गए आरोपियों पर चंदन मिश्रा की हत्या करने के बाद पटना से कोलकाता भगाने,

इनमें एक महिला भी; नीतीश ने SSP को किया तलब

हथियार देने और साजिश में शामिल होने का आरोप है। बादशाह के परिजन ने ही इन पांचों शूटरों के कोलकाता भागने का सुराग दिया था। जिन पांच शूटरों ने वारदात को अंजाम दिया, उनमें तौसीफ उर्फ बादशाह, मोनू, बलवंत, अभिषेक और नीलेश शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार कोलकाता में गिरफ्तार 8 आरोपियों को कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया है।

इधर रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना SSP कार्तिकेय शर्मा को तलब किया। CM ने केस की पूरी जानकारी ली।

पटना SSP के मुताबिक, तौसीफ के भाई निशु खान के आवास पर हत्या की साजिश रची गई थी। वारदात को मुख्य अपराधी तौसीफ उर्फ बादशाह लीड कर रहा था।

6 अन्य को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। पटना पुलिस चंदन मिश्रा हत्याकांड का खुलासा कर सकती है। वहीं, पटना में लापरवाही बरतने वाले 1 दारोगा, 2 ASI और 2 सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है। बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर अब नीतीश सरकार अलर्ट मोड में आ गई है।

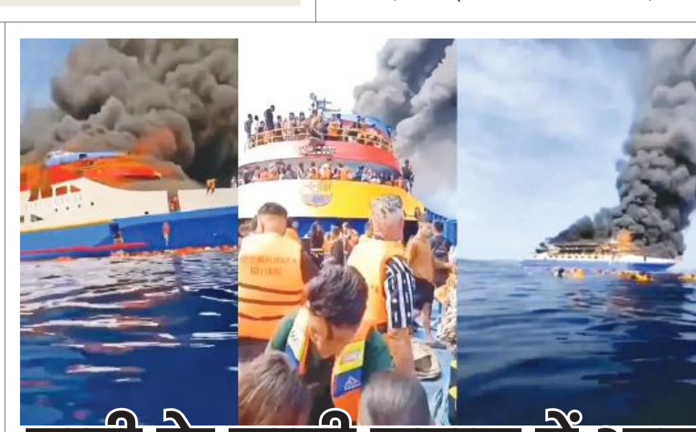

पानी के यात्री जहाज में आग

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में रविवार दोपहर केएम बार्सिलोना वीए नाम के यात्री जहाज में तालिसे द्वीप के पास भीषण आग लग गई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई।

जहाज में 280 यात्री सवार थे, जिनमें से लगभग 150 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। जबकि 100 से ज्यादा लोग लापता हैं, इनकी तलाश जारी है। आग के तेजी से फैलने के कारण अपनी जान बचाने के लिए कई यात्री समुद्र में कूद गए थे। यह तालौद द्वीपों से मनाडो पोर्ट की ओर जा रहा था। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने स्थानीय मीडिया को बताया कि आग दोपहर करीब 1:30 बजे शुरू हुई और तेजी से पूरे जहाज में फैल गई।

सामूहिक आत्महत्या से हड़कंप

परिवार के पांच लोगों ने एक साथ दी जान

अहमदाबाद। जिले के बगोदरा गांव में रविवार को एक दंपत्ति और उनके तीन बच्चे अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सामूहिक आत्महत्या का मामला लग रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बगोदरा पुलिस ने मृतकों की पहचान 34 वर्षीय विपुल वाघेला, उनकी पत्नी सोनल (26) और उनके बच्चों करीना (11), मयूर (8) और प्रिंसी (5) के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, वाघेला परिवार बगोदरा बस स्टैंड के पास रहता था और यह घटना शनिवार रात 1:30 बजे से पहले हुई। मामले की जांच कर रहे पुलिस उप-निरीक्षक पी.एन. गोहिल ने कहा, "प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला है। उनका पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया गया है और हम घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।"रिपोर्ट के अनुसार विपुल वाघेला मज़दूरी करते थे और लोडिंग रिक्शा चलाते थे। यह परिवार मूल रूप से अहमदाबाद ज़िले के ढोलका कस्बे के बड़ा कोठा इलाके का रहने वाला था।

थरूर बोले-पहली वफादारी देश के लिए, पार्टी के लिए नहीं

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। थरूर शनिवार को कोच्चि में 'शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास' पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। थरूर ने कहा कि पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा-जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। यही सबसे बड़ी दिक्कत है। राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए।

थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की तारीफ की थी और ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार व सेना का समर्थन किया था। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में उनके बयान को लेकर नाराजगी दिखी थी।

भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर-1

UPI से हर महीने 1800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत ने फास्ट और सिक्योर डिजिटल पेमेंट सेक्टर में दुनिया में पहला स्थान हासिल कर लिया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) की बदौलत भारत ने डिजिटल ट्रांजैक्शन में यह मुकाम हासिल किया है।

2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा शुरू किया गया UPI आज देश में पैसे के लेन-देन का सबसे आसान और पॉपुलर तरीका बन चुका है। UPI की मदद से लोग एक ही मोबाइल एप से अपने कई बैंक अकाउंट को जोड़ सकते हैं

जून में 24.03 लाख करोड़ का कारोबार हुआ

और कुछ ही सेकेंड में सुरक्षित, कम लागत वाले लेनदेन कर सकते हैं। NPCI के अनुसार, UPI से हर महीने 1,800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन होते हैं। जून 2025 में UPI ने 1,839 करोड़ ट्रांजैक्शन के साथ 24.03 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो पिछले साल जून 2024 के 1,388 करोड़ ट्रांजैक्शन की तुलना में 32% की ग्रोथ को दर्शाता है।

UPI ने डिजिटल-डोमिनेटेड इकोनॉमी की ओर बढ़ाया

PIB ने कहा, 'UPI ने भारत को कैश और कार्ड बेस्ड पेमेंट से दूर ले जाकर डिजिटल-डोमिनेटेड इकोनॉमी की ओर बढ़ाया है।' यह मंच न केवल बड़े बिजनेस के लिए, बल्कि छोटे दुकानदारों और आम लोगों के लिए फाइनेंशियल इंक्लूजन का एक मजबूत साधन बन गया है।

भारत में 85% डिजिटल पेमेंट UPI से हो रहे

आज भारत में 85% डिजिटल पेमेंट UPI के जरिए हो रहे हैं, जिसमें 49.1 करोड़ यूजर्स, 6.5 करोड़ बिजनेसमैन और 675 बैंक एक ही प्लेटफॉर्म पर जुड़े हैं। इतना ही नहीं, UPI अब ग्लोबल लेवल पर भी लगभग 50% रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स को संभाल रहा है। भारत की इस उपलब्धि से यूरोपीय देश आश्चर्यचकित हैं।

रूस में सुनामी का अलर्ट

घंटेभर के भीतर 5 बार हिली धरती

महानगर नेटवर्क
मॉस्को

रूस के सुदूर पूर्वी इलाके कामचाटका में रविवार को महज़ एक घंटे के अंदर धरती पांच बार कांपी। इन भूकंपों की तीव्रता 6.6 से 7.4 के बीच रही। सबसे बड़ा झटका 7.4 तीव्रता का था, जिसके बाद अमेरिका और रूस के तटीय इलाकों के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को ऊंचाई वाले इलाकों में जाने की सलाह दी गई है। सभी भूकंपों का केंद्र पेत्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की शहर के पूर्व में था और इनकी गहराई केवल 10 किलोमीटर रही, जिससे झटकों का असर ज़मीन पर काफी ज्यादा महसूस हुआ। भूकंप से किसी प्रकार के जाल-माल के नुकसान

की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

सुनामी की चेतावनी

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग (USGS) ने बताया कि 7.4 तीव्रता वाले भूकंप के बाद समुद्र में खतरनाक लहरें उठने की आशंका है। अलर्ट के मुताबिक, भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में सुनामी लहरें आ सकती हैं। हवाई और रूस के तटीय इलाकों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

‘नागरिकों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने को मनपा कटिबद्ध’

मुंबई। अंधेरी (पूर्व) मरोल क्षेत्र में मनपा की मार्केट और दवाखाने की दो नई इमारतों का भूमि पूजन राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों रविवार को किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और एक वैश्विक स्तर के महानगर के रूप में विकसित होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। गड्ढा मुक्त सड़कों, सौंदर्यीकृत मुंबई और ‘आपला दवाखाना’ जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक मुरजी पटेल, मनपा परिमंडल 3 के उप आयुक्त विश्वास मोटे,बाजार विभाग के सहायक आयुक्त मनीष वलंजू और पूर्व के विभाग के सहायक आयुक्त

नितिन शुक्ला समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मरोल मार्केट परियोजना: अंधेरी (पूर्व) के मरोल चर्च मार्ग क्षेत्र में स्थित महानगरपालिका की मार्केट का पुनर्विकास कार्य मनपा द्वारा हाथ में लिया गया है। इस परियोजना के लिए वास्तु सलाहकार के रूप में बी. जे. मेहता को नियुक्त किया गया है। इस मार्केट में कुल 94 अधिकृत लाइसेंसधारी व्यापारी हैं, जहां पर सब्जियां और मछली बेचने की दुकानें मौजूद हैं। 1,061.60 वर्ग मीटर के भूखंड पर प्रस्तावित योजना के अनुसार तहखाना, भूतल और 5 मंजिला इमारत का निर्माण किया जाएगा। तीन एफएसआई (चटाई क्षेत्र निर्देशांक) के अनुसार कुल 3,185.80 वर्ग मीटर निर्माण की अनुमति है। नई इमारत में भूतल और प्रथम तल पर वर्तमान लाइसेंसधारी व्यवसायियों का पुनर्वसन किया जाएगा। द्वितीय तल परियोजना प्रभावितों के लिए आरक्षित रहेगा। तृतीय, चतुर्थ और पंचम मंजिल पर बाजार हॉल बनाया जाएगा। ग्राहकों की सुविधा के अनुसार शाकाहारी और मांसाहारी दुकानों को अलग-अलग मंजिलों पर रखा जाएगा। प्रशासन से योजना को मंजूरी मिल चुकी है। इमारत में आधुनिक सुविधाएं जैसे माल ढोने के लिए धक्का, सामान लाने-ले जाने के लिए लिफ्ट, पार्किंग, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, दिव्यांगों के लिए रैंप, शौचालय, मंडी के लिए अलग सीढ़ियाँ व लिफ्ट आदि का समावेश होगा। व्यवसायियों की आवश्यकता के अनुसार आंतरिक साज-सज्जा की जाएगी और परिसर में हरित क्षेत्र भी विकसित किया जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में लगभग दो वर्षों का समय लगेगा।

मरोल दवाखाना का पुनर्निर्माण

मनपा की ओर से मरोल दवाखाने का भी पुनर्निर्माण किया जाएगा । इस दवाखाने की भूतल सहित दो मंजिला इमारत को वर्ष 2022 में पुनर्निर्माण की मंजूरी मिली थी। उप प्रमुख अभियंता (स्वास्थ्य अधोसंरचना प्रकोष्ठ) द्वारा इसका अनुमान व निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है। मुंबई अग्निशमन दल, एयरपोर्ट अथॉरिटी और इमारत प्रस्ताव विभाग से भी निर्माण की मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। दवाखाने का कुल क्षेत्रफल 8,740.94 वर्ग फीट है। प्रस्तावित नई इमारत जी+5 मंजिला होगी। भूतल पर प्रवेश लॉबी, DOT रूम, टीकाकरण कक्ष, पार्किंग की सुविधा होगी। पहले और दूसरे तल पर ‘आपला दवाखाना’ तथा तीसरे तल पर ‘हेल्थ पोस्ट’ होगी। चौथे और पांचवें तल पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के आधार पर डायलिसिस केंद्र की स्थापना की जाएगी। यह दोनों इमारतें पूर्व विभाग में आती हैं, जिसकी कुल आबादी लगभग 8.85 लाख है और मरोल क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या 1.75 लाख है।

सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान और सहयोग के लिए हस्ताक्षर किए

मुंबई। राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान और सहयोग के लिए कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में विधान भवन के कैबिनेट सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इससे ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

इस वक्त ऊर्जा राज्य मंत्री मेघना बोर्डिकर, ऊर्जा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव आभा शुक्ला, महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र, महानिर्मिति के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राधाकृष्ण बी,महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजीव कुमार उपस्थित थे। समझौता ज्ञापन पर शुक्ला और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ सलाहकार मोहित भार्गव ने हस्ताक्षर किए।

अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नीतिगत सहयोग को गति

इस समझौते से महाराष्ट्र में ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नीतिगत सहयोग को गति मिलेगी। स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा आपूर्ति, ऊर्जा भंडारण समाधान, बिजली बाजार डिजाइन, ग्रिड ट्रांसमिशन प्रणाली में सुधार, जलवायु अनुकूलन नीतियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्रों में संयुक्त कार्य किया जाएगा।

पर्यावरण-अनुकूल

यह समझौता लचीला है, जिससे भविष्य की परियोजनाओं के आधार पर भविष्य में सहयोग के द्वार खुले रहते हैं। ऊर्जा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव आभा शुक्ला ने कहा कि यह समझौता महाराष्ट्र के शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों और प्रशासन को नवाचार, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करेगा। इससे पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में राज्य की सफर और तेज़ होगी।

बीच पर लुत्फ लेने पहुंचे 4 टूरिस्ट, तेज लहरों में बहे, मौत

मुंबई/रत्नागिरी। रत्नागिरी के प्रसिद्ध आरे-वारे समुद्री बीच पर शनिवार शाम एक भीषण हादसा हो गया। जहां ठाणे-मुंब्रा से आए चार पर्यटकों की समुद्र में डूबकर मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। हादसा शाम करीब 6:30 बजे हुआ जब ये पर्यटक बीच पर नहाने के दौरान समुद्र की तेज लहरों की चपेट में आ गए। मृतकों की पहचान उज़मा शेख उम्र 18 वर्ष, उमेरा शेख उम्र 29 वर्ष, जैनब काज़ी उम्र 26 वर्ष और जुनैद काज़ी उम्र 30 वर्ष के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह सभी रत्नागिरी में अपने रिश्तेदारों से मिलने आए थे और शनिवार को समुद्र तट पर घूमने निकले थे। मौसम विभाग की चेतावनी और स्थानीय मछुआरों की हिदायतों के बावजूद सभी पर्यटक रफ सी यानी खारे और उग्र समुद्र में उतर गए. बारिश और खराब मौसम के चलते समुद्र में लहरें बहुत उग्र थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चारों लोग समुद्र में मस्ती कर रहे थे तभी अचानक एक तेज लहर आई और उन्हें खींच ले गई. स्थानीय ग्रामीण और मछुआरे तुरंत बचाव के लिए समुद्र में कूदे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. लगभग 30 मिनट के भीतर सभी चार शव बरामद कर लिए गए।

ठाणे में मेट्रो 4 का काम रफ्तार पर

कापुरबावड़ी जंक्शन पर 48 मीटर का स्टील स्पैन किया गया स्थापित

ठाणे। मुंबई मेट्रो 4 परियोजना को लेकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर लिया गया है। वडाला से कासारवडवली तक प्रस्तावित इस 32.3 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर के तहत ठाणे के कापुरबावड़ी जंक्शन पर बीती रात 48 मीटर लंबे स्टील स्पैन का सफलतापूर्वक इंस्टॉलेशन किया गया। यह निर्माण तकनीकी रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण था,क्योंकि घोड़बंदर रोड जैसे व्यस्त मार्ग पर ट्रैफिक को बिना बाधित किए यह कार्य संपन्न किया गया। बता दें कि मेट्रो 4 परियोजना की कुल

प्रगति अब तक लगभग 84% तक पहुँच चुकी है। माझीवाडा से कासारवडवली तक के सेक्शन में आवश्यक सभी स्टील स्पैन अब स्थापित हो चुके हैं। खास बात यह है कि इस रूट पर संचालन के लिए अब तक कोई स्थायी डिपो नहीं बना है। ऐसे में शुरुआती मेट्रो ट्रायल रन के लिए मेट्रो लाइन 2B के मंडाले डिपो से अस्थायी रूप से मेट्रो रेक लाए जाएंगे। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) के अनुसार, मेट्रो 4 का कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। परियोजना की अनुमानित लागत 14,500 करोड़ से अधिक है और इसे पूरी तरह एलिवेटेड बनाया जा रहा है, जिसमें कुल 32 स्टेशन प्रस्तावित हैं। वडाला, घाटकोपर, मुलुंड और ठाणे को जोड़ने वाली यह मेट्रो लाइन आने वाले वर्षों में लाखों यात्रियों को एक नया और तेज़ विकल्प देगी।

वर्तमान गति को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि 2025 के अंत तक ट्रायल रन शुरू हो सकता है और 2026 में इसका संचालन जनता के लिए शुरू हो जाएगा। मेट्रो 4 ठाणे और मुंबई के बीच बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

लिफ्ट में 10 मिनट तक फंसे रहे तीन विधायक

वसई। महाराष्ट्र विधान परिषद में भाजपा के नेता और मुंबई बैंक के अध्यक्ष प्रवीण दरेकर आज वसई में एक लिफ्ट में 10 मिनट तक फंसे रहे। दरेकर वसई पश्चिम स्थित कौल हेरिटेज सिटी के अपुलंद ग्रैंड बैंक्वेट हॉल में पुरानी और जर्जर इमारतों के स्व-पुनर्विकास के लिए आयोजित एक मार्गदर्शन शिविर में शामिल होने आए थे। वसई विधायक स्नेहा दुबे-पंडित और नालासोपारा विधायक राजन नाइक उन गणमान्य लोगों में शामिल थे जो दरेकर के साथ इस शिविर में आए थे। इस बीच, दरेकर के पास लिफ्ट में फंसने के बाद, भाजपा कार्यकर्ताओं ने दरवाजा तोड़कर उन्हें बचाया।

छमता से अधिक लोग थे सवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिफ्ट की क्षमता केवल 10 लोगों की है, लेकिन 17 लोग उसमें सवार हुए और तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट अचानक बंद हो गई। परिणामस्वरूप, लिफ्ट में फंसे सभी लोग चिंतित हो गए। लेकिन आखिरकार, 10 मिनट बाद सभी को बचा लिया गया। घटना के बाद, कार्यकर्ता और सुरक्षा गार्ड तुरंत मदद के लिए दौड़े।

बीमा अस्पतालों की हालत दयनीय

डॉक्टरों के सैकड़ों पद रिक्त

मुंबई। स्वास्थ्य विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों के अनुसार महाराष्ट्र के राज्य कर्मचारी बीमा योजना (ईएसआईसी) अस्पताल बदहाल हैं और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया इन अस्पतालों की स्थिति सुधारने के लिए केवल वादे करने के अलावा कोई ठोस मदद नहीं कर रहे हैं। हाल ही में, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने दिल्ली जाकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया को राज्य के बीमा अस्पतालों की स्थिति से अवगत कराया और उन्हें अस्पतालों की स्थिति देखने के लिए आमंत्रित किया। राज्य में कर्मचारी बीमा सोसाइटी के पंद्रह अस्पताल हैं और योजना से संबद्ध 450 निजी अस्पतालों और 134 सेवा क्लीनिकों के माध्यम से श्रमिकों और आम नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

48 लाख 70 हज़ार 460 बीमित श्रमिक : वर्तमान में, राज्य में 48 लाख 70 हज़ार 460 बीमित श्रमिक हैं और श्रमिकों और उनके परिवारों को मिलाकर लगभग दो करोड़ नागरिक बीमा योजना से लाभान्वित होते हैं। जबकि राज्य में दो करोड़ श्रमिक और उनके परिवार बीमा अस्पतालों से जुड़े हैं, 2024-25 में, राज्य में श्रमिक बीमा योजना के 15 अस्पतालों में केवल 15 लाख 85 हजार 677 रोगियों ने बाह्य रोगी विभाग में उपचार प्राप्त किया और 1 लाख 67 हजार 410 रोगियों को भर्ती कर उपचार दिया गया। 15 अस्पतालों में केवल 16 हजार 800 छोटी और बड़ी सर्जरी की गईं। वहां के डॉक्टरों के अनुसार,अस्पतालों में 36.84 प्रतिशत बिस्तर ही रोगियों के लिए उपयोग किए जा रहे हैं। यह एक बहुत ही गंभीर मामला है और बीमा योजना के वरिष्ठ डॉक्टरों का कहना है कि यह स्थिति पिछले कई वर्षों से चली आ रही है। अधिकांश अस्पतालों की स्थिति दयनीय है और बड़ी संख्या में डॉक्टरों के पद रिक्त होने के कारण, श्रमिक और उनके परिवार इलाज के लिए बीमा योजना के अस्पतालों में आने को तैयार नहीं हैं।

बकाया रुपयों के कारण ठेकेदार ने तोड़ा शौचालय

भायंदर। भायंदर (पश्चिम) स्थित गणेश देवल नगर में कल एक अजीब घटना के कारण परिसर का माहौल गड़बड़ा गया। मिली जानकारी के अनुसार गणेश देवोल नगर में नवनिर्मित शौचालय को सब ठेकेदार द्वारा तोड़ दिया गया । इस ठेकेदार का कहना है कि इस शौचालय को बनाने का काम नितिन भंसाली नामक ठेकेदार ने 1.15 करोड़ रुपए में लिया था। यहां पर नीचे एवं पहली मंजिल को मिला कर कुल 28 शौचालय बनाएं गए थे। नितिन भंसाली से राजेश खड़गकर नामक ठेकेदार ने मजदूरी पर इस शौचालय को बनाने का काम 32 लाख रुपए में लिया था। सब ठेकेदार राजेश ने बताया की मैंने इस

शौचालय का पुरा काम कर दिया हैं सिर्फ कलर , पानी की टंकी जैसे छोटे काम बाकी हैं। सब ठेकेदार राजेश का आरोप है की उसको 32 लाख में से सिर्फ 16 लाख रुपए नितिन भंसाली ने दिया हैं। ठेकेदार राजेश ने बताया की इस काम के लिए मैंने ब्याज पर रुपए लाकर इस शौचालय का काम किया था। मेरे द्वारा मुख्य ठेकेदार से बार-बार बकाया रकम मागने पर भी ठेकेदार मेरी बकाया रकम नही दे रहा था।

खदान में डूबने से युवक की मौत

पिकनिक मनाने गए छह दोस्तों में से एक की गई जान

भिवंडी। भिवंडी के लामाज ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक पत्थर की खदान में नहाने के दौरान 22 वर्षीय युवक की डूबकर मौत हो गई। मृतक युवक अपने पांच दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर के छह युवक लामाज गांव के पास स्थित एक परित्यक्त पत्थर की खदान में पिकनिक मनाने और तैरने गए थे। बारिश के कारण खदान में पानी भर चुका था और वह तालाब जैसा दिख रहा था।

जब युवक पानी में नहाने के लिए उतरे, तो गहराई का सही अंदाजा न लग पाने के कारण शफीक नाम का युवक डूबने लगा। उसके एक साथी ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। करीब छह घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद रात लगभग 12 बजे शफीक का शव पानी से बाहर निकाला गया। भिवंडी तालुका पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि भिवंडी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में दर्जनों परित्यक्त पत्थर खदानें हैं। पत्थर निकालने के बाद बने गड्ढों में बरसात के दौरान पानी भर जाता है, जिससे वे कृत्रिम तालाब बन जाते हैं। सुरक्षा उपायों की भारी कमी के कारण इन स्थानों पर हर वर्ष डूबने की घटनाएं होती रहती हैं।

फर्जी शेयर ट्रेडिंग स्कीम के तहत 4.21 करोड़ की ठगी

मुंबई। पेडर रोड निवासी 57 वर्षीय व्यवसायी से कथित तौर पर एक प्रतिष्ठित निवेश फर्म के अधिकारी बनकर फर्जी शेयर ट्रेडिंग स्कीम के तहत 4.21 करोड़ रुपये ठगे गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भवन निर्माण ठेकेदारी का व्यवसाय चलाने वाले शिकायतकर्ता को 16 मई को एक भ्रामक इंस्टाग्राम विज्ञापन के ज़रिए निशाना बनाया गया. विज्ञापन में शेयर निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा किया गया था और उसे सरोज गुप्ता नाम के एक व्हाट्सएप संपर्क के लिए निर्देशित किया गया था। इसके बाद उसे SBICAP सिक्योरिटीज VIP (G2) नामक एक ग्रुप में जोड़ दिया गया,जिसका प्रबंधन एसबीआई कैप्स सिक्योरिटीज के अधिकारी बनकर काम करने वाले व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था। शिकायतकर्ता के एक कर्मचारी, जो इस घोटाले से वाकिफ है, ने कहा, ₹समूह ने उन्हें रोज़ाना स्टॉक टिप्स दिए और एक आधिकारिक ट्रेडिंग पोर्टल जैसे लिंक का इस्तेमाल करके `संस्थागत निवेश खाता` खोलने के लिए कहा. शुरुआत में, उन्होंने 1 लाख रुपए का निवेश किया, जिस पर उन्हें दूसरे दिन 10 प्रतिशत या 10,000 रुपए का मुनाफ़ा हुआ। उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने 20 मई से 8 जुलाई के बीच 4.21 करोड़ रुपये तक का निवेश कर दिया।

गोरेगांव में प्रेम के अंधे जुनून में पति की हत्या

तीन महीने बाद फरार प्रेमी यूपी से गिरफ्तार

मुंबई। गोरेगांव के बंजारी पाड़ा इलाके में मार्च में हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड में दिंडोशी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पति की हत्या में शामिल फरार पत्नी के प्रेमी शाहरुख खान को तीन महीने बाद उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

हत्या का कारण प्रेम संबंध

मृतक की पहचान चंद्रशेखर चौहान के रूप में हुई थी,जिसकी हत्या सोते समय गला दबाकर की गई थी। इस खौफनाक साजिश को उसकी पत्नी रंजना चौहान उर्फ रंजू ने अपने

प्रेमी शाहरुख खान और उसके दो साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया। हत्या का कारण प्रेम संबंध बताया जा रहा है। रंजू शाहरुख से शादी करना चाहती थी और उसके रास्ते में उसका पति सबसे बड़ी बाधा था।

रंजू और शाहरुख की बात सोशल मीडिया पर हुई

हत्या की शुरुआती जांच में रंजू, मोईनुद्दीन लतीफ खान और शिवदास को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन इस साजिश का मुख्य किरदार शाहरुख खान तब से फरार था। पुलिस की एक विशेष टीम उसकी तलाश में लगी थी और आखिरकार उसे यूपी से गिरफ्तार कर लिया गया।

रंजू और शाहरुख की बात सोशल मीडिया पर हुई थी और जल्द ही दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। शाहरुख अक्सर चंद्रशेखर की गैरमौजूदगी में उसके घर आता और उसके बच्चों से भी घुलमिल गया था। दोनों के बीच घंटों फोन पर बातें होती थीं, जो बाद में रंजू के कॉल डिटेल्स के जरिए पुलिस को मिलीं और पूरे मामले का खुलासा हुआ। शादी की चाह में एक महिला ने अपने पति की हत्या कर अपने ही घर को तबाह कर दिया और अब पुलिस की पकड़ में आते ही यह खूनी मोहब्बत पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है।

चोरी का मोबाइल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कल्याण। बाजारपेठ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एपीएमसी मार्केट के पास वजन काटा गेट के नजदीक एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की सूचना पुलिस को मिली थी। जानकारी के आधार पर पुलिस हवलदार प्रेम बागुल, परमेश्वर बाविस्कर, रविंद्र भालेराव और सिपाही सूरज झगी ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को सतर्कता से हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान उसके पास से एक चोरी किया हुआ मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम श्रीकृष्ण आसाराम ताठे (42) बताया, जो दादर पश्चिम स्थित वीर भाई कोतवाल उद्यान क्षेत्र में रहता है, जबकि उसका मूल निवास मलेटकली, पोस्ट ठासला, तालुका शेलू, जिला परभणी है।

दिव्यांगजनों के लिए ठाणे मनपा की अनोखी पहल

'आनंद दिव्यांग फाउंडेशन' नाम से बनेगी स्वतंत्र संस्था

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका ने दिव्यांगजनों के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास को गति देने के लिए एक स्वतंत्र कंपनी स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस कंपनी का नाम ‘आनंद दिव्यांग फाउंडेशन’ होगा, जिसे कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के अंतर्गत ‘न लाभ, न हानि’ के सिद्धांत पर पंजीकृत किया जाएगा। यह प्रस्ताव हाल ही में आयोजित ठाणे मनपा की प्रशासनिक आम सभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस संस्था की तर्ज पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका की ‘दिव्यांग भवन फाउंडेशन’ से ली गई है, जो वहां पहले से कार्यरत है।

बता दें कि ठाणे मनपा क्षेत्र में दिव्यांगजनों की संख्या काफी अधिक है। हालांकि, मनपा उनके लिए कई

सुविधाएं और योजनाएं चला रही है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण कई बार समय पर सेवाएं पहुंचाना संभव नहीं हो पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए एक स्वतंत्र संस्था के रूप में 'आनंद दिव्यांग फाउंडेशन' की नींव रखी जा रही है। यह संस्था दिव्यांगों को समय पर सुविधा, उपचार, अनुदान, सामाजिक सहयोग और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करने का काम करेगी। इस संस्था का संचालन आठ सदस्यीय निदेशक मंडल करेगा। इसमें मनपा आयुक्त अध्यक्ष, अतिरिक्त आयुक्त-2 उपाध्यक्ष होंगे, जबकि महापौर, उपमहापौर, स्थायी समिति के अध्यक्ष, विरोधी पक्षनेता, सामाजिक विकास अधिकारी और उपायुक्त सदस्य के रूप में शामिल होंगे। संस्था के कामकाज को दिशा देने के लिए एक सलाहकार समिति भी गठित की जाएगी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

संस्था को स्वतंत्र कार्य करने का अधिकार होगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया सरल होगी और ठाणे मनपा का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं रहेगा। साथ ही, इस संस्था को आयकर अधिनियम के अंतर्गत कर में छूट मिलने की संभावना है। इसके अलावा, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) निधि प्राप्त करना भी आसान होगा।

एयर होस्टेस ने पायलट पर रेप का आरोप लगाया

मीरारोड। मीरा रोड इलाके में रहने वाली एक एयर होस्टेस ने पायलट पर रेप का मामला दर्ज करवाया है. 23 साल की एयर होस्टेस ने अपने सहकर्मी पायलट पर रेप का गंभीर आरोप लगाया है. जानकारी के मुताबिक लंदन से लौटने के बाद उस वक्त इस वारदात को अंजाम दिया गया, जब आरोपी पायलट ने पीड़िता को अपने घर रुकने को कहा. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी पायलट का नाम देवाशीष शर्मा बताया गया है. पीड़िता और आरोपी दोनों मीरा रोड इलाके के रहने वाले हैं. कुछ दिनों पहले ही दोनों ने एक साथ लंदन जाने वाली फ्लाइट में यात्रा की थी.

पायलट ने अपने घर में की एयर होस्टेस से जबरदस्ती

लंदन से लौटने के बाद, पायलट देवाशीष शर्मा ने कथित तौर पर पीड़िता से कहा कि वह सीधे अपने घर जाने की बजाय पहले उसके घर रुक जाए. पीड़िता का आरोप है कि जब वह पायलट के घर पहुंची, तो वहां कोई और मौजूद नहीं था. इस मौके का फायदा उठाकर आरोपी पायलट ने अपने घर में ही उसके साथ जबरदस्ती की।

शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार पर FIR

पुलिस से दुर्व्यवहार का आरोप

मुंबई। राजनीति में इन दिनों माहौल गरमाया हुआ है. इस बीच शरद पवार गुट के एनसीपी (NCP) के एक नेता पर FIR होने की खबर भी सामने आ रही है. विधायक रोहित पवार के खिलाफ मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। रोहित पवार पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और पुलिस अधिकारी से दुर्व्यवहार करने का आरोप है. यह विवाद तब बढ़ा जब रोहित पवार ने अपने सहयोगी विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक नितीन देशमुख की गिरफ्तारी पर सवाल

उठाते हुए पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों से तीखी बहस कर ली.

कैसे शुरू हुआ विवाद?

विवाद की शुरुआत नितीन देशमुख और बीजेपी गुट के कार्यकर्ता सर्जेराव टकले के बीच एक कहासुनी से हुई थी. मामूली बहस ने देखते ही देखते झगड़े का रूप ले लिया. पुलिस को संदेह है कि यह झड़प पूर्व नियोजित थी क्योंकि पहले भी इन दोनों के बीच तनातनी हो चुकी थी।

प्रति वर्ष 5000 बसों की होगी खरीदी

पांच वर्षों में शामिल होंगी 25000 बसें:परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

■ पंकज तिवारी

परिवहन सिर्फ मंजिल तक पहुंचने का माध्यम नहीं,बल्कि विकास की राह का आधार होता है। आज हमारे साथ हैं महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक,जो न केवल परिवहन व्यवस्था को आधुनिक रूप देने में जुटे हैं,बल्कि हर नागरिक की यात्रा को सुरक्षित, सुलभ और सुगम बनाने का सपना भी साकार कर रहे हैं। आइए, हम 'हमारा महानगर' के माध्यम से उनसे राज्य की परिवहन योजनाओं,नवाचारों और आने वाले परिवर्तनों के बारे में एक शांत और सरल बातचीत करते हैं।

■ राज्य में सार्वजनिक परिवहन की स्थिति सुधारने के लिए आपकी सरकार ने अब तक कौन से ठोस कदम उठाए हैं?

प्रमुख रूप से हम पंचवर्षीय योजना के तहत प्रति वर्ष 5000 बसों की खरीदी कर रहे हैं और इस प्रकार अगले 5 वर्षों में करीब 25000 बसें खरीदी जाएंगीं और परिवहन बेड़े में शामिल होंगी। इन बसों में 5000 बसें इलेक्ट्रिक होंगीं। अगले पांच वर्षों में इन बसों के परिवहन में शामिल होने स्थिती बेहतर होगी। वहीं महाराष्ट्र परिवहन प्रशासन लगातार आय बढ़ाने के लिए विज्ञापन, स्क्रैप, पीपीपी तत्व पर जगहों को देकर विकसित भूखंड लेकर उनसे अपनी आमदनी बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं।

■ एमएसआरटीसी (ST महामंडल) की बसों की संख्या घटती जा रही है, इसे बढ़ाने और यात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए क्या योजना है?

वर्तमान में एमएसआरटीसी (ST महामंडल) के बेड़े में 15000 बसें चल रही है। जिसमें से 7000 से 8000 बसें आने वाले वर्षों में भंगार हो जाएंगी। बसों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष बसों की खरीदी की जा रही है,आगले 5 वर्षों में परिवहन सेवा में 25000 से 30000 बसें महाराष्ट्र की सड़कों पर दौड़तीं नजर आएंगी।

■ मुंबई, ठाणे जैसे शहरी इलाकों में लगातार बढ़ती ट्रॅफिक समस्या को सुलझाने के लिए क्या रणनीति अपनाई जा रही है?

मुंबई और ठाणे में तेजी से नागरिककरण हो रहा है। वहीं आम जनता अपनी सुविधा अनुसार वाहनों की खरीदी कर रही है। मेट्रो परियोजनाओं के चलते ट्रैफिक की समस्या हो रही है, लेकिन एक बार मेट्रो परियोजना और अन्य परियोजनाओं के पूर्ण होने से ट्रैफिक की समस्या समाप्त हो जाएगी।

■ ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए राज्य परिवहन विभाग कौन सी सब्सिडी या सुविधा दे रहा है?

ई वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निरंतर भारी छूट और सब्सिडी देने का कार्य कर रही है,जिससे आम जनता पर्यावरण को ध्यान में रखकर वाहनों की खरीदी करे। इतना ही नहीं इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने पर फ्री रजिस्ट्रेशन करने की सहुलियत भी दी जा रही है। ई वाहनों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सरकार उचित और ठोस कदम उठा रही है।

■ महाराष्ट्र में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, इसे रोकने के लिए क्या नीति बन रही है?

दुर्घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। जिस प्रकार यूरोप, गल्फ देशों में सड़क सुरक्षा को लेकर जो उपाय किए गए हैं,उन्हीं सड़क सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल कर दुर्घटनाओं को काबू में करने की कोशिश की जा रही है। हम जल्द ही एक कर्यक्रम के तहत पूरे महाराष्ट्र की सड़कों पर रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर और सिग्नल यंत्रों को लगाकर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने की कोशिश करने वाले हैं। इन सड़क सुरक्षा उपायों के जरिए दुर्घर्टनाओं में भारी संख्या में कमी आना तय है।

■ ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के बढ़ते किराए और विवादों को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों द्वारा यदि आम यात्रियों से अधिक भाड़ा वसूला जाता है, तो बिल्कुल गलत है। आरटीओ को इन ऑटो रिक्शाचालक और टॉक्सिचालकों दंडात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। इतना ही नहीं जरूरत पड़ने पर एफआईआर तक दर्ज की जाएगी।

■ गांवों में अब भी परिवहन की कमी महसूस की जा रही है। ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को बेहतर करने के लिए आपकी योजना क्या है?

ग्रामीण इलाकों में परिवहन की कमी का मुख्य कारण बसों की कमी है। इसी के तहत बसों की संख्या बढ़ाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। आनेवाले कुछ वर्षों में हमारी सरकार परिवहन को बेहतरीन बनाते हुए शहरों सहित ग्रामीण भागों में बेहतर परिवहन सेवा प्रदान करेगी।

■ डिजिटल टिकटिंग,स्मार्ट कार्ड और मोबाईल एप्स जैसे तकनीकी सुधारों को सार्वजनिक परिवहन में लागू करने का स्टेटस क्या है?

तकनीकी सुधार सार्वजनिक परिवहन में धीरे- धीरे लागू किए जा रहे हैं। धीरे- धीरे बसों की सेवा में डिजिटल टिकटिंग, स्मार्ट कार्ड और मोबाइल एप्प का इस्तेमाल किया जा रहा हैं। आम जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा हैं। आनेवाले दिनों डिजिटल को और भी बेहतर बनाया जाएगा।

■ अवैध वाहन संचालन और बिना परमिट चलने वाले ट्रान्सपोर्टरों पर विभाग क्या कार्रवाई कर रहा है?

परिवहन प्रशासन ने अवैध संचालन और बिना परमिटवाले वाहनचालकों पर कठोर कार्रवाई करने का काम कर रहा हैं। सभी आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस को अवैध वाहन संचालन और बिना परमिट चलने वाले वाहनचालकों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया हैं।

■ महाराष्ट्र में मेट्रो रेल परियोजनाओं की स्थिति क्या है और ग्रामीण जिलों में ऐसी सुविधा लाने की कोई योजना है क्या?

मेट्रो रेल परियोजना सरकार का अलग ही विभाग हैं फिर भी हमारी सरकार मेट्रो रेल परियोजना का विस्तार तेजी से कर रही हैं। मेट्रो रेल परियोजना को कल्याण, भिवंडी, भाईंदर तक बढाया जा रहा हैं। मेट्रो रेल परियोजना पूर्ण होने से कुछ हद तक बसों पर पड़ने वाला भार कम हो जाएगा।

ठाणे में डेंगू-मलेरिया का प्रकोप बढ़ा

15 दिन में 146 मरीज

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

ठाणे। मानसून की रफ्तार के साथ-साथ ठाणे शहर में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का प्रकोप भी तेजी से फैल रहा है। बीते 15 दिनों के भीतर डेंगू के 88 और मलेरिया के 58 मरीज सामने आए हैं। यही नहीं,हैजा, पीलिया, टाइफाइड,लेप्टोस्पायरोसिस और स्वाइन फ्लू जैसे अन्य संक्रमणों में भी वृद्धि हुई है। तेजी से फैल रहे इन रोगों की वजह से शहर के निजी अस्पतालों में बेड की कमी महसूस की जा रही है, जिससे मरीजों को इलाज में परेशानी हो रही है। बता दें कि ठाणे सिविल अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में मलेरिया के 185 और डेंगू के 143 मरीज दर्ज किए गए थे। वहीं जुलाई के पहले 16 दिनों में मलेरिया के 115 और डेंगू के 84 नए मरीज सामने आ चुके हैं। वायरल बुखार के भी जून में 269 और जुलाई में अब तक 221 मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार,लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए ठाणे महानगरपालिका ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। शहर में फिलहाल 33 स्वास्थ्य केंद्र, 6 प्रसूति गृह और 1 प्रमुख अस्पताल छत्रपती शिवाजी महाराज अस्पताल बीमारी नियंत्रण में जुटे हुए हैं। साथ ही ठाणे मनपा ने 250 कर्मियों की विशेष टीम गठित की है,जो रोज़ाना विभिन्न सोसायटियों का निरीक्षण कर रही है। इन टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां भी पानी जमा हो रहा हो, वहां तत्काल कार्रवाई की जाए। निर्माण स्थलों पर काम करने वाले डेवलपर्स को भी चेताया गया है कि वे पानी जमा न होने दें,क्योंकि यही मच्छरों के पनपने का प्रमुख कारण बनता है। वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. उदय कुलकर्णी ने सुझाव दिया है कि मानसून में हल्का, सुपाच्य और गर्म खाना खाएं, मूंग दाल, सूप, दही और हल्दी का सेवन करें। इसके साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए तुलसी और गुडुची का काढ़ा नियमित रूप से पीना चाहिए। मच्छरों से बचाव के लिए नीम के पत्ते जलाने की सलाह भी दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारी प्रसाद पाटिल ने बताया कि मलेरिया और डेंगू की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

क्यूआर कोड की अदला-बदली...

सब्जी विक्रेताओं के साथ ठगी

मुंबई। ग्राहक दुकान के बाहर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करके भुगतान करते हैं। ग्राहक 5-10 रुपए से भी कम में भुगतान कर देते हैं। इससे लेन-देन आसान हो गया है। लेकिन एक युवक ने उसी क्यूआर कोड का आदान-प्रदान करके ठगी करने की कोशिश की। खार पुलिस ने इस मामले में युवक को गिरफ्तार कर लिया है। खार रेलवे स्टेशन के पास सब्जी गली में कई छोटे-बड़े सब्जी विक्रेता अपना कारोबार करते हैं। विक्रेताओं ने दुकान के बाहर क्यूआर कोड स्टिकर चिपका रखे हैं। सब्जी खरीदने वाले ग्राहक इन्हें स्कैन करके भुगतान करते हैं। यह पैसा सीधे बैंक खाते में जमा हो जाता है। यह पिछले कुछ सालों से हो रहा है। दिनेश गुप्ता यहाँ सब्जी बेचने का व्यवसाय करते हैं। पिछले कुछ दिनों से उनके खाते में पैसे आना बंद हो गए थे। सब्जी खरीदने के बाद ग्राहक क्यूआर कोड स्कैन करके भुगतान करते थे। लेकिन उन्होंने देखा कि पैसे खाते में नहीं आ रहे थे। यह लगभग एक महीने से चल रहा था। गुप्ता ने आस-पास के विक्रेताओं से पूछताछ की। उन्होंने भी कहा कि पैसे नहीं आ रहे हैं। उन्हें लगा कि कोई तकनीकी समस्या होगी। इसके बाद जब उन्होंने क्यूआर कोड स्कैन किया तो गुप्ता की जगह दुबे नाम आया।

अवैध मेडिकल स्टोर पर एफडीए ने मारा छापा

85,000 की दवाइयां जब्त

वसई। वसई में खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अस्पताल के एक कमरे में अवैध रूप से चल रहे दवा की दुकान का भंडाफोड़ किया है। एफडीए की टीम ने इस गैरकानूनी मेडिकल स्टोर पर छापा मारा और करीब 85,000 की दवाइयां जब्त कीं। यह अवैध मेडिकल स्टोर एक बारहवीं पास व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह व्यक्ति पिछले 7–8 महीनों से बिना किसी वैध लाइसेंस के दवाइयों की बिक्री कर रहा था। पहले इस व्यक्ति के पास मेडिकल स्टोर का लाइसेंस था, लेकिन बाद में उसने लाइसेंस रद्द करवा दिया था। इसके बावजूद उसने एक अस्पताल में एक कमरा किराए पर लेकर वहीं से दवाओं की अवैध बिक्री शुरू कर दी। एफडीए को जब इस अवैध गतिविधि की जानकारी मिली तो उन्होंने पहले गुप्त जांच की।

उद्धव ठाकरे के वॉर पर एकनाथ शिंदे का पलटवार

जिसके घर शीशे के होते हैं उसे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं मारना चाहिए : शिंदे

महानगर संवाददाता
मुंबई

रविवार को शिवतेज स्वास्थ्य सेवा संस्थान और शिवसेना सचिव सिद्धेश कदम द्वारा गोरेगांव पूर्व स्थित नेस्को हॉल में 'शासन अपा दारी' नामक एक जनसेवा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गायकों के मधुर गायन से हुई और पूरा वातावरण मधुर और प्रेरणादायक हो गया। कार्यक्रम में शिवसेना प्रमुख नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद रवींद्र वायकर, वरिष्ठ शिवसेना नेता, पूर्व मंत्री रामदासभाई कदम, शिवसेना नेता और पूर्व सांसद गजानन

कीर्तिकर,पूर्व मंत्री आनंदराव अडसुल, शिवसेना उपनेता और प्रवक्ता शीतल म्हात्रे, व्याख्याता विठ्ठल कंगने, और कई गणमान्य व्यक्ति, अन्य शिवसेना नेता, नगरसेवक, पदाधिकारी, छात्र और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर एकनाथ शिंदे ने ठाकरे पर पलटवार किया। शिंदे ने उद्धव ठाकरे का बिना नाम लिए कहा कि जिसके घर शीशे के होते हैं,वो दुसरों के घर पर पत्थर नहीं मारते। गृहराज्य मंत्री योगेश कदम की मां के नाम डांस बार है विधान परिषद में ऐसा आरोप यूबीटी के विधायक अनिल परब ने लगाया था,इस आरोप पर शिंदे ने कहा कि मैं रामदास कदम को जानता हूं, इसलिए चिंता की बात नहीं है। रामदास कदम के काम की तारीफ करते हुए शिंदे ने कहा कि शाखा प्रमुख से राजनीति की शुरुआत की है। शिवसैनिक सालों से वहां लोगों के लिए काम करके यहां पहुंचे हैं हम लोग सोने का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए हैं। जब चुनाव आते हैं,तो कुछ लोग बदनामी का खेल खेलते हैं। चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि जिनके घर शीशे के होते हैं, उन्हें दूसरों के घर में पत्थर नहीं फेंकने चाहिए।

विधानसभा में मंत्री पर रमी खेलने का आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान प्रदेश की राजनीति उस वक्त गर्मा गई जब एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने कृषि मंत्री माणिक राव कोकाटे पर गंभीर आरोप लगाए,उन्होंने कहा कि एक तरफ राज्य में पिछले तीन महीनों में 750 किसानों ने आत्महत्या कर ली,वहीं दूसरी तरफ विधानसभा की कार्यवाही के दौरान कृषि मंत्री सदन में बैठकर रमी जैसे खेल खेलते नजर आए। सुले ने इस घटना को शर्मनाक बताया और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मांग की कि ऐसे मंत्री को तत्काल पद से हटाया जाए. सुले ने कहा, "अगर मंत्री खुद इस्तीफा नहीं देते तो मुख्यमंत्री को उन्हें हटाना चाहिए। यह सिर्फ सदन का अपमान नहीं है,बल्कि उन किसानों के साथ अन्याय है,

जिन्होंने निराशा में अपनी जान गंवा दी। " अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देते हुए कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने सफाई दी है,उन्होंने कहा कि "मैं रम्मी नहीं खेल रहा था, मैं यूट्यूब खोल रहा था। तभी विज्ञापन आ गया था।"

सरकार पर सवाल उठाए

सुप्रिया सुले ने देश की सुरक्षा स्थिति को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए,उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए कि आतंकी आखिर हैं कहां? उनकी संख्या कितनी थी? पीड़ित परिवार जवाब मांग रहे हैं, देश जवाब मांग रहा है।"उन्होंने कहा कि केवल बयानबाजी से जनता का भरोसा नहीं जीता जा सकता, अब सच्चाई सामने आनी चाहिए। देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच हुई बैठक को लेकर पूछे गए सवाल पर सुले ने कहा, "मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। वे दोनों हमारे राज्य के वरिष्ठ नेता हैं,लेकिन यह सवाल केवल हमसे नहीं,एनडीए से भी पूछा जाना चाहिए।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया विदेश यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्होंने पार्टी की ओर से बैठक में अपनी बात रख दी है। अब देखना है कि उस पर सरकार क्या फैसला लेती है. सुप्रिया सुले के बयानों से साफ है कि विपक्ष विधानसभा सत्र के दौरान सरकार को चौतरफा घेरने की रणनीति पर काम कर रहा है।

युवक ने बच्चे को कुत्ते से कटवाया

मुंबई। मानखुर्द से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है। सोशल मीडिया पर मानखुर्द के पीएमजीपी म्हाडा कॉलोनी से चौंकाने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। यहां एक शख्स ने अपने पालतू कुत्ते से मासूम बच्चे को जानबूझकर कटवाया। इस घटना में बच्चा घायल हो गया। वहीं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मानखुर्द के पीएमजीपी म्हाडा कॉलोनी का यह वीडियो 17 जुलाई रात करीब 10 बजे का बताया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक पालतू पिटबुल कुत्ते ने एक नाबालिग बच्चे को काट कर घायल कर दिया। इस मामले में मानखुर्द पुलिस ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 291, 125 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता का नाबालिग बेटा

बिल्डिंग नंबर 91ए के सामने एक खड़े ऑटो रिक्शा में खेल रहा था। उसी दौरान इलाके का परिचित मोहम्मद सोहेल हसन खान (43) ने जानबूझकर अपने भूरे रंग के पालतू कुत्ते को खुला छोड़ दिया। यही नहीं वह कुत्ते के साथ ऑटो में बैठ जाता है। मासूम बच्चा कुत्ते से डरता है और रोने लगता है। वहीं सोहेल और वीडियो बना रहा शख्स हंसता रहता है और बच्चे का मजाक बनाता है। थोड़ी देर बाद कुत्ता अचानक बच्चे पर हमला कर देता है और ऑटो में बैठा सोहेल उसे देखते रहता है। कुत्ता आक्रामक हो जाता है और बच्चे की ठोड़ी पर काट लेता है। इस हमले से घबराकर बच्चा रो-रो कर कुत्ते से बचाने की गुहार लगाता है।

चिंचोटी और देवकुंडी में पर्यटकों की एंट्री पर रोक

पुलिस ने दी चेतावनी

नायगांव। नायगांव पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कामन,चिंचोटी और आसपास के क्षेत्रों में कुछ उत्साही पर्यटक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो देखकर बिना किसी जांच-पड़ताल के भ्रमण के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि,यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए पूरी तरह असुरक्षित है। हर वर्ष इन स्थानों पर पानी में डूबने की घटनाएं सामने आती हैं,जिनमें कई पर्यटक अपनी जान गंवा चुके हैं। इन घटनाओं को रोकने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से इन क्षेत्रों में प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा इन इलाकों में प्रतिदिन बंदोबस्त तैनात किया गया है और जगह-जगह चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। फिलहाल ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने चिंचोटी, देवकुंडी और अन्य झरनों या जल स्रोतों की ओर जा रहे पर्यटकों को रोक दिया है।नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कदम ने आम जनता से अपील की है कि वे इन असुरक्षित पर्यटन स्थलों की ओर न जाएं और अपने जीवन को जोखिम में न डालें।

शुद्धिपत्र

कृपया, विमला रामकृष्ण शेट्टी ऊर्फ विमला आर. शेट्टी ऊर्फ विमला रामकृष्णा शेट्टी के अंतिम इच्छापत्र तथा वसीयत दिनांक 11 नवंबर 2021 की प्रोबेट हेतु याचिका, याचिका क्र. 6004, वर्ष 2024 के संबंध में दि. 12.07.2025 को प्रकाशित विज्ञापन देखें जिसमें प्रोथोनोटरी एवं सीनियर मास्टर एवं सीलर की हस्ताक्षरित तिथि को 11 जुलाई 2025 के बजाए 2 जुलाई 2025 पढ़ें.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग

क्र. असि.सी./ए./0915/व्यय, दि. 18.07.2025

निविदा सूचना

बोली क्रमांक : 2025_एमसीजीएम_1200177_1

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा नीचे दर्शाए गए कार्य के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं. आरएफपी दस्तावेज महा-टेंडर पोर्टल (https://mahatenders.gov.in) अथवा बीएमसी पोर्टल (https://portal.mcgm.gov.in) से डाउनलोड किए जा सकते हैं.

बोलीदाताओं के पास किसी भी अधिकृत प्रमाणन संस्था (सीए) से प्राप्त वैध क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना आवश्यक है. इच्छुक बोलीदाताओं को महा-टेंडर पोर्टल (https://mahatenders.gov.in) पर उपलब्ध मार्गदर्शिका का पालन करना अनिवार्य है. पूर्व-अर्हता, तकनीकी व वाणिज्यिक बोली केवल ऑनलाइन माध्यम से नीचे दी गई अंतिम तिथि व समय तक जमा करनी होगी.

अ. क्र.	विवरण	निविदा शुल्क	ईएमडी	ऑनलाइन बोली डाउनलोड आरंभ तिथि व समय	ऑनलाइन बोली जमा अंतिम तिथि व समय
1	"ए" वार्ड अंतर्गत आयुर्वेदिक औषधालय के लिए आयुर्वेदिक औषधियों की खरीदी	रु. 1452/- + 18% जीएसटी = रु. 1714/-	रु. 18,000/-	21.07.2025, प्रातः 09:00 बजे	04.08.2025, सायं 16:00 बजे
टिप्पणी: बयाना रकम जमा (ईएमडी) का ऑनलाइन भुगतान नियत तिथि व समय से पूर्व करना अनिवार्य है.					

आरएफपी दस्तावेज बीएमसी पोर्टल (https://portal.mcgm.gov.in) पर इस बोली सूचना के साथ उपलब्ध है, परंतु बोली केवल महा-टेंडर पोर्टल (https://mahatenders.gov.in) के माध्यम से ही आमंत्रित की जाएगी. प्राधिकरण (बीएमसी) उपरोक्त किसी भी विवरण, त्रुटि, चूक अथवा निविदा प्रक्रिया व प्राधिकरण द्वारा दी गई संबंधित जानकारी या आंकड़ों में हुई किसी गलती के लिए जिम्मेदार नहीं होगा.

महानगरपालिका आयुक्त के पास किसी भी समय बिना कोई कारण दर्शाए किसी भी अथवा सभी बोली (बोलियों) को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. बोलीकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि इस बोली सूचना/आरएफपी से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन केवल बीएमसी पोर्टल व महा-टेंडर पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा। स्थानीय समाचारपत्रों में कोई संशोधन प्रकाशित नहीं किया जाएगा.

हस्ता./-
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी,
"ए" वार्ड

पीआरओ/1059/विज्ञा. /2025-26

जहां तक संभव हो घर पर तैयार ताजे खाद्य पदार्थ ही खायें

उद्धव और एकनाथ शिंदे आएं एक साथ

यूबीटी नेता अंबादास दानवे का बयान

मुंबई। शिवसेना में पड़ी भारी फूट के बाद एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे मौका आने पर एक दूसरे पर हमला बोलने से नहीं चूकते। यहां तक की दोनों नेता आमने -सामने मिलने पर एक दूसरे से बात नहीं करते। इसके बावजूद उद्धव सेना यूबीटी के नेता और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे को एक बार फिर साथ आने की बात कही है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में दानवे ने कहा कहा कि उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे को साथ आना चाहिए। शिवसेना में पड़ी फूट पर दानवे ने चिंता व्यक्त की कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मजबूत पार्टी इसलिए कमजोर बन गई है, क्योंकि उस पार्टी में फूट पड़ गई है। दोनों गुटों को एक बार फिर साथ आना चाहिए। उद्धव और शिंदे के एक साथ आने पर शिवसेना का संगठन मजबूत हो जाएगा। दानवे ने कहा कि हम सत्ता के लिए पैदा नहीं हुए थे। सत्ता आती है और जाती है। लेकिन संगठन की एकता सबसे बड़ी ताकत है। शिवसेना पर किसी की नजर लग गई इसलिए शिवसेना में फूट पड़ गई। उन्होंने कहा कि शिवसेना में फूट के बाद दोनों पार्टी के नेताओं के बीच जो घाव है उसे भरना चाहिए।

'मुश्किल दौर से गुजर रही पार्टी, लेकिन हम...'

शरद पवार गुट का कार्यकर्ताओं को खास संदेश

मुंबई। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सियासी दलों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इस बीच शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) के महाराष्ट्र इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने बड़ा बयान दिया है,उन्होंने रविवार को कहा कि NCP (SP) एक मुश्किल दौर से गुजर रही है और स्थानीय निकायों के आगामी चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं के संकल्प की परीक्षा लेंगे। शिंदे की यह टिप्पणी शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच संभावित विलय की बार-बार लग रही अटकलों की पृष्ठभूमि में आई है, पूर्व मंत्री और एमएलसी शिंदे ने हाल ही में जयंत पाटिल की जगह एनसीपी (एसपी) की राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के कुछ महीने बाद यह बदलाव हुआ। उन्होंने कहा, "एनसीपी (एसपी) एक कठिन दौर से गुजर रही है। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ाने को प्राथमिकता दूंगा,पार्टी महायुति सरकार की अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ लोगों की आवाज उठाएगी। " पार्टी में गुटबाजी को लेकर सचेत शिंदे ने कहा कि वह शरद पवार, NCP (SP) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले और जयंत पाटिल के साथ विचार-विमर्श करके काम करेंगे।

सौ वर्ष बाद भी संघ आत्ममुग्ध नहीं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की दहलीज पर खड़ा है। यह केवल किसी संस्था के 100 वर्ष पूरे होने की औपचारिकता नहीं है बल्कि भारत के आधुनिक इतिहास, समाज और विचारधारा की उस यात्रा की समीक्षा का अवसर है जिसमें संघ की भूमिका निर्णायक, विवादास्पद, किंतु निर्विवाद रूप से प्रभावशाली रही है। सौ वर्षों की यात्रा में संघ चाहे जितना बड़ा, शक्तिशाली और विस्तृत हुआ हो, वह आत्ममुग्ध नहीं हुआ है। यह वाक्य एक प्रशंसा नहीं, बल्कि एक वैचारिक अवलोकन है। संघ की मूल प्रवृत्ति आत्मप्रशंसा या आत्ममुग्धता नहीं, आत्मसाधना है। आज की दुनिया में जहां संस्थाएं कुछ दशकों के भीतर ही 'इमेज ब्रांडिंग', 'स्मार्ट मैसेजिंग' और 'गौरवोत्सव' के चक्कर में अपना आत्मावलोकन खो बैठती हैं, वहीं संघ अपने आलोचकों को भी उतनी ही सावधानी से सुनता है जितनी श्रद्धा से स्वयंसेवकों की बात करता है। यह गुण उसे 'संगठन' से 'संघ' बनाता है। 1930 के दशक में जब यह 'आंदोलन' ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के समय में पनपा, तब इसके सामने राष्ट्रवाद को व्यावहारिक सामाजिक जीवन में उतारने की चुनौती थी। आज, जब वह राष्ट्र के नीति-निर्धारकों, शैक्षणिक परिसरों, मीडिया विमर्शों और वैश्विक मंचों पर प्रभावी भूमिका में है, तब भी वह सतत आत्मसमीक्षा करता रहा है। संघ ने कभी अपने सौ साल के संघर्ष को 'विजय यात्रा' की तरह प्रस्तुत नहीं किया। उसका कार्यकर्ता आज भी स्वयं को 'स्वयंसेवक' ही मानता है, नायक नहीं। यह आत्ममुग्ध न होने का भाव उसकी कार्यपद्धति में स्पष्ट झलकता है। संघ कार्यालय आज भी उतने ही साधारण हैं जैसे 1925 में नागपुर में थे। किसी भव्यता, बैनर या नारेबाजी की ज़रूरत उसे नहीं लगती। संघ शिक्षा वर्गों, शाखाओं और प्रकल्पों के ज़रिये समाज निर्माण में रमा रहता है। वह जानता है कि दिखावे से नहीं, चरित्र से परिवर्तन आता है। संघ के आलोचकों ने अक्सर उसे 'पुरुषप्रधान', 'हिंदू केंद्रित', 'गुप्तवादी' या 'राजनीतिक आकांक्षाओं से प्रेरित' संस्था कहा है किंतु आत्ममुग्धता कभी उसकी आलोचना नहीं रही। आत्ममुग्धता वह होती है जब कोई संस्था अपनी ही छाया से अभिभूत हो जाए। संघ इसके ठीक उलट, अपनी सीमाओं का निरंतर आंकलन करता रहा है। चाहे वह सामाजिक समरसता के क्षेत्र में दलितों के लिए कार्य हो, महिलाओं की भूमिका पर विचार हो या मुस्लिम समाज से संवाद की नई पहल, संघ हमेशा इन विषयों पर आत्मसंवाद करता रहा है। सौ वर्षों की इस यात्रा में संघ को बहुत कुछ प्राप्त हुआ है। लाखों स्वयंसेवक, हजारों संगठन, राजनीतिक शीर्ष, शैक्षणिक नेटवर्क और सांस्कृतिक प्रभाव। फिर भी, संघ अपने आपको 'समाप्त यात्रा' नहीं मानता। उसकी दृष्टि में यह सब 'कार्य विस्तार का माध्यम है, लक्ष्य नहीं।' यह विचार ही उसे आत्ममुग्ध होने से रोकता है। संघ का सबसे बड़ा सामाजिक योगदान यह रहा है कि उसने राष्ट्रीय चेतना को केवल भाषणों में नहीं, जीवन में उतारा। उसने स्वयंसेवक को मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघर या किसी भी पूजा पद्धति से ऊपर एक भारतीय के रूप में गढ़ा। संघ की आत्मा उसके शाखा जीवन में बसती है जहां न कोई टीवी कैमरा होता है, न कोई उत्सव। वहां केवल साधना होती है तन, मन और राष्ट्र की। आज जब वह शताब्दी की दहलीज़ पर खड़ा है, तो आत्ममुग्ध होने का अवसर उसके पास भरपूर है लेकिन वह नहीं है। न तो संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा को कोई भव्य उत्सव बनाया, न ही मीडिया कैम्पेन। वह जानता है कि 'कार्य की पूजा' ही उसका मूल है, न कि प्रचार की आरती। यह उस गहराई का संकेत है, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान और तपस्या की विरासत से जुड़ी है। संघ का यह आत्मसंयम ही उसे दीर्घकालिक बनाता है। वह जानता है कि भारत के पुनर्जागरण की यात्रा केवल राजनीतिक सत्ता या सामाजिक संगठन से नहीं चलेगी, यह एक आत्मिक संघर्ष भी है और यह आत्मिकता, आत्ममुग्धता की दुश्मन होती है। शायद इसीलिए, जब संघ अपने 100वें वर्ष में प्रवेश करता है तो वह कोई घोषणा नहीं करता, बल्कि एक मौन साधक की तरह समाज के साथ चल पड़ता है "बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे।" संघ आत्ममुग्ध नहीं है क्योंकि वह जानता है कि सच्चा राष्ट्रनिर्माण आरंभिक होता है, समाप्त नहीं। वह जानता है कि समाज को हर दिन एक नई शाखा, एक नई चेतना और एक नया संकल्प चाहिए। इसलिए सौ वर्षों बाद भी वह रास्ते में है, मंच पर नहीं। इसी में उसकी मौलिकता है। इसी में उसका तप है। इसी में उसकी भारतीयता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत का एक, हिन्दू राष्ट्रवादी, अर्धसैनिक, स्वयंसेवक संगठन हैं, जो व्यापक रूप से भारत के सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी का पैतृक संगठन माना जाता हैं। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अपेक्षा संघ या आर.एस.एस. के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। बीबीसी के अनुसार संघ विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संस्थान है। प्रारंभिक प्रोत्साहन हिंदू अनुशासन के माध्यम से चरित्र प्रशिक्षण प्रदान करना था और हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए हिंदू समुदाय को एकजुट करना था। संगठन भारतीय संस्कृति और नागरिक समाज के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्शों को बढ़ावा देता है और बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को "मजबूत" करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा का प्रचार करता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यूरोपीय अधिकार-विंग समूहों से प्रारंभिक प्रेरणा मिली। धीरे-धीरे, आरएसएस एक प्रमुख हिंदू राष्ट्रवादी छतरी संगठन में उभरा, कई संबद्ध संगठनों को जन्म दिया जिसने कई विचारधाराओं, दानों और क्लबों को अपनी वैचारिक मान्यताओं को फैलाने के लिए स्थापित किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर सन् १९२५ में विजयादशमी के दिन डॉ॰ केशव हेडगेवार द्वारा की गयी थी। सबसे पहले ५० वर्ष बाद १९७५ में जब आपातकाल की घोषणा हुई तो तत्कालीन जनसंघ पर भी संघ के साथ प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल हटने के बाद जनसंघ का विलय जनता पार्टी में हुआ और केन्द्र में मोरारजी देसाई के प्रधानमन्त्रित्व में मिलीजुली सरकार बनी।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

चोरों की बारात से, बचकर रहना भाय
आखिर छलनी को कहां, सुंदर सूप सुहाय
सुंदर सूप सुभाय, सभी का अपना खेला
गुरु तो गुड़ ही रहे, बन गया शक्कर चेला
कह सुरेश अब काग लेत फिरकी मोरों की
अजब-गजब है राग, देखिए अब चोरों की

I.N.D.I.A. में सबकुछ ठीक नहीं...

> राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि भाजपा और कांग्रेस पूंजीपतियों की समर्थक पार्टियां हैं। इनका देशव्यापी सियासी आधार भी मजबूत है। चूंकि ये दोनों पार्टियां समय मिलते ही अपने गठबंधन सहयोगियों को निगलने की फिराक में रहती हैं, इसलिए क्षेत्रीय दल भी खुलकर इनके साथ जाने से परहेज करते हैं, जबकि राजनीतिक मजबूरीवश इनमें से किसी एक का या परिस्थितियों वश दोनों का साथ देने को ततपर रहते हैं, बशर्ते कि गिव एंड टेक की बात पक्की हो जाए।

कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन से दिल्ली की मूल क्षेत्रीय पार्टी 'आप' (अब राष्ट्रीय पार्टी) यानी आम आदमी पार्टी के द्वारा नाता तोड़ने के सियासी मायने भारतीय राजनीति के लिए बेहद अहम हैं क्योंकि इससे भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत यूपीए (इंडिया गठबंधन) के मुकाबले निस्तेज होते क्षेत्रीय दलों के संगठन थर्ड फ्रंट (टीएफ) यानी तीसरे मोर्चे की सियासत में पुनः जान आ जाएगी। समझा जाता है कि नेशनल प्लान फेल होने के बाद अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने अब एकला चलो का नारा दे दिया है तो उसके पीछे जड़ों की ओर लौटकर लोकल फोकस की रिवाइवल स्ट्रैटेजी भी वजह मानी जा रही है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारत के विभिन्न राज्यों में ऐसे कई क्षेत्रीय दल मौजूद हैं जो कांग्रेस और भाजपा से एक समान दूरी बनाए रखने के पक्षधर रहे हैं हालांकि राजनीतिक मजबूरीवश और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए उन्होंने पहले एनडीए, फिर यूपीए का साथ दिया और अपनी सुविधा के मुताबिक गठबंधन बदलते रहे। वहीं, कुछ ऐसे भी दल हैं जो राष्ट्रवाद के चलते भाजपा के खेमे में और धर्मनिरपेक्षता के कारण कांग्रेस के खेमे में बने रहते हैं। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि भाजपा और कांग्रेस पूंजीपतियों की समर्थक पार्टियां हैं। इनका देशव्यापी सियासी आधार भी मजबूत है। चूंकि ये दोनों पार्टियां समय मिलते ही अपने गठबंधन सहयोगियों को निगलने की फिराक में रहती हैं, इसलिए क्षेत्रीय दल भी खुलकर इनके साथ जाने से परहेज करते हैं, जबकि राजनीतिक मजबूरीवश इनमें से किसी एक का या परिस्थितियों वश दोनों का साथ देने को ततपर रहते हैं, बशर्ते कि गिव एंड टेक की बात पक्की हो जाए। वहीं, इसमें नानुकूर होते ही मेढ़क कूद लगाने से परहेज भी नहीं करते हैं। समझा जाता है कि अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म पहले कांग्रेस विरोध के नाम पर हुआ है, जिन्होंने पहले जनसंघ और फिर भाजपा को मजबूत किया। लेकिन जैसे ही भाजपा ने काँग्रेस विरोधी केंद्रीय मोर्चे की तीन-तीन बार विफलता देखी, उसके बाद उसने आगे बढ़कर कांग्रेस विरोधी केंद्रीय मोर्चे को नेतृत्व देना शुरू किया, जिसमें उसे प्रारंभिक असफलता के बाद भरपूर सफलता मिली और देश-प्रदेश में तीसरे मोर्चे की सियासत की राजनीतिक अर्थी उठने लगी। यही वजह है कि संसद के मॉनसून सत्र से पहले आहूत 'इंडिया' गठबंधन की बैठक से पहले ही आम आदमी पार्टी ने इससे अलग होने का ऐलान कर दिया जिससे तीसरे मोर्चे के पक्षधर नेताओं की बाछें खिल उठीं। बता दें कि 'इंडिया' गठबंधन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए संयुक्त पत्र लिखा था। इसलिए बैठक से ठीक पहले 'इंडिया' गठबंधन से आम आदमी पार्टी का अलग होना विपक्ष की सियासत के लिए एक मजबूत झटका माना जा रहा है। वहीं, इस अप्रत्याशित पहल से इस बात की सियासी उम्मीद भी जगी है कि अन्य राज्यों में भी कांग्रेस से राजनीतिक मोलभाव करने वाले क्षेत्रीय दलों का मनोबल बढ़ेगा और वे भी इंडिया गठबंधन से अपना नाता तोड़ते चले जाएंगे। खासकर यूपी में समाजवादी पार्टी, बिहार में राजद, पश्चिम बंगाल में टीएमसी, महाराष्ट्र में एनसीपी, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस, तमिलनाडु में डीएमके आदि के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूटने के आसार प्रबल हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा था हालांकि इसकी भारी कीमत आप ने दिल्ली की अपराजेय सत्ता गंवा कर चुकाई। दिलचस्प तो यह है कि जब आप ने कांग्रेस से ही दिल्ली और पंजाब की सत्ता छीनी थी तो फिर उसने कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की गलती क्यों की? तो इसका जवाब होगा कि आप नेताओं पर भाजपा के कसते शिकंजे के व्यापक प्रभाव से बचने के लिए आप रणनीतिकारों ने बचकाना राजनीतिक फैसला किया था, जिसमें अब भूल सुधार करके उन्होंने अपनी राजनीतिक परिपक्वता दिखाई है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में दो टूक ऐलान किया है कि "आम आदमी पार्टी अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है।" वहीं, उनकी इस टिप्पणी की टाइमिंग पर भी गौर फरमाया जाने लगा है क्योंकि संजय सिंह की टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब शनिवार यानी 19 जुलाई को संसद के मॉनसून सत्र से पहले 'इंडिया' गठबंधन की बैठक होनी थी । दरअसल, इससे पहले 'इंडिया' गठबंधन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए संयुक्त पत्र लिखा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आम आदमी पार्टी ने तब भी विपक्षी दलों के इस फ़ैसले से किनारा कर लिया था और अब तो स्पष्ट ऐलान भी कर चुकी है। पार्टी ने इसके लिए कांग्रेस को ज़िम्मेदार ठहराया है। जानकारों का स्पष्ट कहना है कि आप ने 'इंडिया' गठबंधन से बाहर निकलने का फ़ैसला लोकसभा चुनाव में असफलता, रणनीतिक मतभेदों और दिल्ली विधानसभा चुनावों में मिली अप्रत्याशित हार से उपजी अन्य महत्वाकांक्षाओं के कारण लिया है जिसमें 2027 में पंजाब में अपनी सरकार बचाने और आगामी गुजरात विधानसभा के दौरान अपनी सियासी स्थिति और मजबूत बनाने का सियासी स्वप्न की शामिल हैं। विस्मय की बात तो यह है कि संजय सिंह के बयान में कांग्रेस के प्रति एकतरफा नाराज़गी साफ़ देखी जा सकती है। उनका कहना है कि, "इंडिया गठबंधन अपनी बैठक करके जो निर्णय करना चाहता है वह ले क्योंकि इंडिया गठबंधन कोई बच्चों का खेल नहीं है। आप बताइए, उन्होंने लोकसभा चुनाव के बाद कोई मीटिंग की है? उस गठबंधन को आगे बढ़ाने की कोई पहल की?" वहीं, गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए संजय सिंह ने कहा है कि "कभी अखिलेश यादव के ख़िलाफ़ कोई टिप्पणी, कभी उद्धव ठाकरे के ख़िलाफ़ टिप्पणी, कभी ममता बनर्जी के ख़िलाफ़ कोई टिप्पणी! हैरतअंगेज है।" उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा है कि "इंडिया गठबंधन जिस रूप में एकजुट होकर चलना चाहिए था, उसका सबसे बड़ा दल कौन है? कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस पार्टी ने सबसे बड़े दल की भूमिका निभाई क्या? सबसे बड़ा सवाल यह है।" हालांकि, कांग्रेस नेता उदित राज ने अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी पर एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के कारण ही 'आप' का जन्म हुआ। इसलिए अब पुनः अरविंद केजरीवाल फिर से बाहर से भाजपा की मदद कर सकते हैं।

-कमलेश पांडेय

भारत-चीन-रूस का त्रिपक्षीय मंच RIC

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस-भारत-चीन (RIC) त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन-भारत सीमा विवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय-सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है। हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे-सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों (G7, NATO, EU) के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस-भारत-चीन साथ आते हैं, तो वे एक ₹मल्टी-पोलर वर्ल्ड₹ यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा। इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र, BRICS, SCO जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया में अमेरिका-चीन टकराव और भारत-चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है। तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस-चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा। वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन-भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मज़बूत कर सकता है। इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे। तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत-चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस-चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है। हम आपको बता दें कि भारत, रूस और चीन के गठजोड़ आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, आरआईसी प्रारूप को पुनर्जीवित करने में ''वास्तव में रुचि'' रखता है। उन्होंने कहा था कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के परिणामस्वरूप तीनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर 20 बैठकें हुईं थीं। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग यदि पुनर्जीवित होता है तो इससे विश्व व्यवस्था में शक्ति संतुलन बदल सकता है। साथ ही बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा को मजबूती मिल सकती है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब तीनों देश अपने पारस्परिक मतभेदों को कुशलतापूर्वक संभाल सकें। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों हैः एक ओर सामरिक विकल्पों का विस्तार है तो दूसरी ओर संतुलन की जटिल कूटनीति है।

_नीरज कुमार दुबे

दीवारों से घिरे लोग

सिनेमा, साहित्य और समाज सभी हमें अलग-अलग पक्षों पर अलग-अलग शिक्षा देते हैं। सिनेमा और साहित्य दोनों ही समाज का अंग हैं। इस दृष्टि से समझे तो समाज सबसे बड़ी शक्ति है, इसमें सभी कुछ दिखाई देता है। व्यक्ति समाज में जीवन यापन करता है और समाज के साथ ही रहता है। जो समाज से कट जाता है, वह हर एक हिस्से से धीरे-धीरे कटता चला जाता है। सिनेमा जगत में एक फिल्म बनी थी दीवार, जिसमें अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके भाई के बीच एक दीवार खड़ी हो जाती है। एक अच्छाई के रास्ते पर चलता है तो दूसरा बुराई के रास्ते पर चलता है। इसी के चलते दोनों भाई अलग-अलग रहने लगते हैं। भाई-भाई के बीच घर का बंटवारा कितनी ही फिल्मों में दिखाया गया है। जब घर के बीच में दीवार होती है और एक ही परिवार दो हिस्सों में बट जाता है, यह बहुत ही दर्दनाक भी होता है। दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि अलग-अलग होकर ही यह देश-दुनिया बनी है। यहाँ ईंट-पत्थर की दीवार की बात नहीं हो रही है, विचारों के दीवार की बात हो रही है। देखा-समझा जाए तो यह दीवार बड़े गजब की चीज है। कुछ लोग तो इन दीवारों में ही बंधे रहना चाहते हैं. कुछ लोग दीवारों को खरीदने-बेचने में ही लगे रहते हैं अर्थात बिल्डिंग, घर, फ्लैट आदि। दूसरी ओर देखें तो किसी ने अपनी पद प्रतिष्ठा की ऊंची-ऊंची दीवारें खींच ली हैं जिन्हें कोई लांघ ही नहीं सकता, ऐसा उन्हें लगता है। वह किसी से मिलना नहीं चाहते हैं. उस चार दीवारी में उनका मनचाहा ही प्रवेश करता है। लोग दीवारों को ही सजाने में लगे रहते हैं, जबकि संस्कारों से सजा हुआ घर ही सुंदर होता है। दीवारों से घिरा व्यक्ति केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। स्वतंत्रता से पूर्व की एक कविता में माखनलाल चतुर्वेदी लिखते हैं कि, ऊंची काली दीवारों के घेरे में अर्थात उस समय वह जेल में बंद हैं और वह देश को स्वतंत्र करना चाहता है। अंग्रेजी सरकार का विरोध करते हैं। ठीक इसके विपरीत आज का व्यक्ति स्वतंत्र होने के बाद भी दीवारों में घिरा रहना चाहता है, उन्हीं में अपने जीवन को खापा रहा है। विचार करें तो सभी दीवारें समय के गति चक्र में अपने आप टूट जाती हैं। जिन्हें व्यक्ति तोड़ना नहीं चाहता, एक समय में व्यक्ति स्वयं टूट कर बिखर जाता है। आयु व्यक्ति को तोड़ देती है, समय उसे स्वयं उत्तर दे देता है। समय बहुत बलवान है, उसकी लाठी में आवाज नहीं होती है। भारतेंदु हरिश्चंद्र अंधेर नगरी नाटक में दीवार के गिरने की घटना को दिखाते हैं जिसके चलते आगे पूरा नाटक चलता है और पूरे नाटक में कितनी बड़ी गलतियां होती हैं, वह सब दिखाया गया है। हम लोगों के बीच दीवारें क्यों खींच रहे हैं? हम इनमें क्यों घिरे बैठे हैं, इसका उत्तर हमें स्वयं से ही जानना होगा। कवि की पंक्तियां याद आती हैं कि, मेरे घर में छह ही लोग चार दीवारें छत और मैं। एकल परिवार से आगे आज व्यक्ति अकेला रह गया है। हमें अपने जीवन को समझना होगा। दीवारें बोलती नहीं है, वह समय के साथ खंड़हर बन जाती हैं। इतिहास के पन्नों में कितनी ही दीवारें दबी हुई है, यह तो पढ़ने-समझने वाले ही जानते हैं।

-डॉ. नीरज भारद्वाज

आज का कार्टून

साभार

भारत अमेरिका से क्यों खरीदेगा मांसाहारी दूध?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अंतिम चरण में पहुँच गया बताया जा रहा है लेकिन ऐन मौके पर एक अनचाही समस्या सामने आ गई है। ये है- मांसाहारी दूध जो सौदे की राह में अड़चन बनकर उभरा है। भारत ने अमेरिकी डेयरी उत्पादों के आयात को यह कह कर खारिज कर दिया है कि उनमें ऐसी गायों का दूध होता है जिन्हें मांसाहारी या पशुओं के अवशेष युक्त आहार खिलाया जाता है। ये भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध है। मांसाहारी दूध का मतलब उन गायों का दूध और डेयरी उत्पाद है जिन्हें माँस, खून या चर्बी जैसे पशु-आधारित चारे खिलाए जाते हैं। 2004 में प्रकाशित हुई सिएटल पोस्ट-इंटेलिजेंसर की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में गायों को ऐसा चारा दिया जा सकता है, जिसमें सूअर, मछली, मुर्गी, घोड़े, यहाँ तक कि बिल्ली और कुत्ते के अंग भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, उन्हें सूअर और घोड़े का खून और मवेशियों के अंगों से बनी चर्बी भी खिलाई जा सकती है। हालाँकि गायें स्वभाव से शाकाहारी होती हैं, फिर भी अमेरिकी नियमों के अनुसार, उन्हें जानवरों से बनी चीजें खिलाने की अनुमति होती है चाहे वे मांस के लिए पाली जा रही हों या दूध के लिए जबकि भारत में ऐसा बिल्कुल नहीं होता। यहाँ गायों को पौधों पर आधारित आहार ही दिया जाता है और जानवरों या मांस से बनी कोई चीज नहीं खिलाई जाती। इसी वजह से भारत ने अमेरिका से डेयरी उत्पादों के आयात पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। वर्ल्ड एटलस की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की लगभग 38 प्रतिशत जनसंख्या शाकाहारी है। यहाँ दूध और घी को पवित्र माना जाता है। ये हिंदू और जैन धर्म में दैनिक पूजा और प्रसाद में इस्तेमाल किए जाते हैं। इन धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल होने वाले दूध से बने उत्पाद शुद्ध (सात्विक) होने चाहिए लेकिन अगर गाय को ऐसा चारा खिलाया गया हो जिसमें जानवरों के अंग, खून या मांस शामिल हों तो उस गाय से प्राप्त दूध और उससे बने उत्पाद धार्मिक रूप से अशुद्ध और अस्वीकार्य माने जाते हैं। भारत का पशुपालन और डेयरी विभाग विदेशों से आने वाले दूध और खाद्य उत्पादों के लिए पशु चिकित्सा प्रमाणपत्र अनिवार्य करता है। इस प्रमाणपत्र की एक जरूरी शर्त है कि- "ऐसे पशुओं को कभी भी मांस, हड्डी, खून, अंगों या सूअर से बने किसी भी पदार्थ वाला चारा नहीं खिलाया गया हो।" यह नियम यह सुनिश्चित करता है कि भारत में केवल शाकाहारी आहार पर पली हुई गायों से प्राप्त दूध उत्पाद ही आयात किए जा सकें। जानकारों की माने तो भारत का अमेरिका से डेयरी उत्पादों का विरोध केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कारणों से नहीं है, बल्कि इसका एक बड़ा कारण देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा करना भी है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। 2023-24 में भारत ने 239 मिलियन मीट्रिक टन दूध का उत्पादन किया, जिससे 7.5 से 9 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 2.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत है। भारत का डेयरी सेक्टर 8 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है। इनमें से ज्यादातर छोटे किसान हैं जिनके पास सिर्फ 2 या 3 गाय/भैंस होती हैं। उनके लिए यही आमदनी का मुख्य जरिया है। अगर भारत ने अमेरिका जैसे देशों से सस्ते, सब्सिडी वाले डेयरी उत्पादों को आने की इजाजत दे दी, तो भारतीय बाजार में सस्ती विदेशी चीजें भर जाएँगी। 2024 में अमेरिका ने 8.22 बिलियन डॉलर का डेयरी निर्यात किया और अगर उसका भारत में आयात हुआ तो इसका भारी असर भी होगा। भारतीय स्टेट बैंक के एक विश्लेषण के अनुसार इससे घरेलू दूध की कीमतों में कम से कम 15 प्रतिशत गिरावट आ सकती है। इससे किसानों को हर साल लगभग 1.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तय समय सीमा 1 अगस्त नजदीक आ रही है। बताया जा रहा है कि अगर तब तक कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ (शुल्क) बढ़ा सकता है। डेयरी क्षेत्र को लेकर जारी विवाद भारत और अमेरिका के बीच 2030 तक व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुँचाने के बड़े लक्ष्य पर भी असर डाल सकता है। हालाँकि बातचीत चल रही है, लेकिन भारतीय पक्ष अब भी अपने रुख पर अडिग है।

-रामस्वरूप रावतसरे

भागलपुर में उफान पर गंगा

सड़क से लेकर कॉलेज-पार्क पानी में डूबे, अलर्ट जारी

भागलपुर। भागलपुर जिले में रविवार को गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। जिसके चलते शहरी क्षेत्र के निचले इलाकों में पानी भर गया है। रात से हो रही बारिश के बाद विश्वविद्यालय के हॉस्टल रोड पर पानी आ गया है। क्योंकि गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण पानी की निकासी नहीं हो रही है। छात्रों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। वहीं बूढ़ानाथ मंदिर के नीचे पार्क में भी गंगा पानी भर गया है। उधर नवगछिया के इस्माइलपुर इलाके में तेजी से पानी बढ़ रहा है। लोग सुरक्षित ठिकाने की ओर जा रहे है। लोगों को आशंका है कि अगले तीन-चार दिनों में पानी और बढ़ जाएगा। जल संसाधन विभाग ने पहले ही गंगा किनारे के लोगों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है।
आपको बता दें सुल्तानगंज में गंगा का रौद्र रूप दिख रहा है। यहां पिछले 24 घंटे में 44 सेमी जलस्तर बढ़ा है।

भागलपुर में गंगा 34 सेमी बढ़ी

स्थिति यह है कि खतरे के निशान 34 .50 मीटर से सिर्फ चार सेमी नीचे 34 .46 मीटर पर बह रही है। सुल्तानगंज में अभी श्रावणी मेला को लेकर करीब दो लाख श्रद्धालु प्रतिदिन उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। जलस्तर में वृद्धि को लेकर कांवरियों की सुरक्षा के लिए बल्ली और जाली लगाई गई है। इधर, भागलपुर में गंगा 34 सेमी बढ़ी है। भागलपुर का जलस्तर 32 .19 मीटर आंका गया है। गंगा का जलस्तर राघोपुर और इस्माईलपुर बिंदटोली में भी लाल निशान के करीब आ गया है।
शनिवार को भी तोफिल गांव से उत्तर महंत बाबा स्थान के पास बहियार में कृषि योग्य भूमि का भीषण कटाव जारी रहा। करीब तीन बीघा खेत गंगा में समा गया। वहीं अंठावन गांव के समीप भी कटाव शुरू हो गया है। मुखिया प्रतिनिधि संजय मंडल, पंचायत समिति सदस्य गंगाधर मंडल ने बताया कि कटाव निरोधी कार्य में लगाया जिओ बैग गंगा में समाने लगा है। ग्रामीणों का आरोप था कि यह तटबंध कटाव में टिक नहीं सकेगा। जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता आदित्य प्रकाश ने बताया कि बाढ़ पूर्व गए कटावनिरोधी कार्य के कुछ जिओ बैग गंगा में धंस गया था। उक्त स्थल पर संवेदक के द्वारा जिओ बैग डालकर मरम्मती का कार्य किया जा रहा है।

बिजली का करंट लगने से किसान की मौत

पटना। वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र के बरड़ीहा गांव में शनिवार शाम किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बरड़ीहा गांव के स्वर्गीय किशुन राय के बेटे मुरारी राय(54) के रूप में हुई है। मृतक के बेटे सूरज कुमार ने बताया कि वह अपने पिता के साथ धान रोपने गए थे। पानी पीने के लिए वह वापस आ रहा था। पिता ने कहा कि वह किसी से मिलकर आएंगे। जब काफी देर तक पिता खेत में वापस नहीं लौटे, तो उन्होंने खोजबीन शुरू की। मोटर के पास उन्हें मृत अवस्था में पाया गया, जहां उन्हें करंट लग गया था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया।

बेटे निशांत के जन्मदिन पर नीतीश को कुशवाहा की सलाह

JDU का नेतृत्व बदलने का समय,अब देर ना करें

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सुप्रीमो और कभी उनके काफी करीबी रहे उपेंद्र कुशवाहा ने एक अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि सच्चाई स्वीकार करते हुए उन्हें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की कमान छोड़ देना चाहिए। कुशवाहा ने यहां तक कहा कि जदयू के नेता सीएम से यह बात नहीं कह पाएंगे इसीलिए मैंने कह दिया। अब देर की तो बड़ा नुकसान हो सकता है। उपेंद्र कुशवाहा की इस सलाह से सियासी खलबली मच सकती है। नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जबकि संजय झा कार्यकारी अध्यक्ष हैं।
एक्स पर पोस्ट कर उपेंद्र कुशवाला ने कहा, 'सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज बड़े भाई आदरणीय नीतीश कुमार जी के सुपुत्र निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जेडीयू की नई उम्मीद निशांत को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर उसे हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रखें। इस अवसर पर आदरणीय नीतीश कुमार जी से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी दोनों का (साथ-साथ) संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है।'कुशवाहा ने आदे कहा, 'सरकार चलाने का उनका लंबा अनुभव है, जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिलता रहे, यह फिलहाल राज्य के हित में अतिआवश्यक है। परंतु पार्टी की जवाबदेही के हस्तांतरण (जो इस वक्त मेरी ही नहीं, स्वयं उनकी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं/नेताओं की राय में अब आ चुका है) के विषय पर समय रहते ठोस फैसला ले लें। यही उनके दल के हित में है और इसमें विलंब दल के लिए अपूर्णीय नुकसान का कारण बन सकता है। शायद ऐसा नुकसान जिसकी भरपाई कभी हो भी नहीं पाए।'

रोहतास में नाइट गार्ड की ईंट से कुचलकर हत्या

रोहतास। रोहतास के करवंदिया थाना क्षेत्र के फाजिलपुर गांव में एक निर्माणाधीन टाउनशिप में तैनात सुरक्षा गार्ड की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान वजीरगंज गांव निवासी संजय सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात को चोरी की नीयत से आए अपराधियों ने सुरक्षा गार्ड की ईंट-पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। रविवार सुबह जब संजय घर नहीं पहुंचे,तो उनके बेटे शशि कुमार ने उनसे फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। कई बार प्रयास करने के बाद भी फोन नहीं लगा। शशि कुमार जब कार्यस्थल पर पहुंचा तो उसने अपने पिता का लहूलुहान शव देखा। उसकी चीख सुनकर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जिसके बाद पुलिस को सूचना घटना की दी गई। हत्या की खबर सुनते ही स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया और विरोध-प्रदर्शन किया। सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के परिवार को राहुल का गिफ्ट

गांव में पक्का घर बनना शुरू

गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जीतनराम मांझी को सांकेतिक रूप से ही सही सीएम की कुर्सी पर बैठाने का काम जरूर किया,लेकिन लालू या नीतीश ने दशरथ मांझी का पिछले 35 वर्षों में उनके कच्चे मकान को पक्का नहीं करवा पाये। अब राहुल गांधी यह काम करवा रहे हैं, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी कुछ महीने पूर्व बिहार आए थे। तब उन्होंने 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की थी। राहुल जब गया जी में 'माउंटेन मैन' के परिवार के लोगों से मिलने गए थे,तब उनके

कच्चे मकान की दयनीय हालत देखी थी।उस समय उन्होंने दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी से वादा किया था हमारी ओर से आपका पक्का घर बनवाया जाएगा। राहुल गांधी ने बिहार से दिल्ली लौटने के बाद अपने वादे को निभाने की जिम्मेदारी उठाई।
उनकी पहल से अब 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के गांव में उनके परिवार वालों के लिए पक्का मकान बन रहा है। यह दशरथ मांझी के परिवार के लिए सबसे बड़ी ख़ुशी के तौर पर है।

मांझी ने कहा था, "कच्चा मकान में क्या दिक्कत है"

दशरथ मांझी के परिवार का कहना है कि कई बड़े नेता और अभिनेता उनके घर आए, लेकिन जो काम राहुल गांधी ने किया वह अब तक किसी ने नहीं किया। बिना किसी घोषणा और दिखावे के राहुल गांधी ने 'पर्वत पुरुष' दशरथ मांझी के परिवार के लिए एक ऐसा कदम उठाया, जिसकी किसी को उम्मीद भी नहीं थी। दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी ने कहा कि राहुल गांधी के पहले भी कई नेताओं की उन लोगों से मुलाकात हुई थी। यहां तक कि उनकी ही जाति से आने वाले जीतन राम मांझी से जब उनकी मुलाकात हुई थी, तब उन्होंने पक्का मकान की जरूरत को बताया था। इस पर जीतन राम मांझी ने कहा था कि कच्चा मकान में क्या दिक्कत है। कच्चा मकान में रहते हुए कई प्रकार की चुनौती झेल रहा था। न तो रहने के लिए पर्याप्त कमरे थे और ना ही खाना बनाने को रसोईघर या शौच आदि के लिए उचित व्यवस्था लेकिन राहुल गांधी ने जब उनके घर की दयनीय स्थिति को देखा तो उन्होंने चार कमरों का पक्का मकान बनवाकर देने का वादा किया।

बिहार में अब दारोगा रात में नहीं जायेंगे घर

पुलिसिंग को लेकर सख्त हुआ मुख्यालय

पटना। बिहार में बढ़ते आपराधिक घटनाओं के बाद पुलिस मुख्यालय पुलिसिंग को लेकर सख्त हो गया है। पुलिस पेट्रोलिंग पर उठ रहे सवाल के बीच बिहार की पुलिसिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक बड़ा और सख्त कदम उठाया गया है। पटना रेंज आईजी जितेंद्र राणा ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं कि अब राज्य के किसी भी थानेदार को ड्यूटी के दौरान अपने निजी घर पर नहीं रहना होगा,बल्कि उन्हें थाने परिसर स्थित सरकारी आवास में ही रहना होगा। यह आदेश न सिर्फ थानेदारों की जवाबदेही तय करेगा, बल्कि रात में पुलिसिंग को सक्रिय और तत्पर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश

अब तक कई थानेदार रात की गश्ती के बाद आराम से अपने घर लौट जाते थे,किसी आपात स्थिति में उनके अधीनस्थ अफसर उन्हें फोन पर सूचना देते रहते थे, जिससे घटनास्थल पर उनकी उपस्थिति में देर हो जाती थी। यह लापरवाही कई बार साक्ष्य मिटने, अपराधी भागने या पीड़ित को तत्काल न्याय न मिलने की वजह बन चुकी थी. रेंज आईजी ने इस रवैये पर अब सख्ती दिखाई है।

कांवर लेकर निकले मां-बाप, गांव में 14 साल की बेटी से हो गया रेप

समस्तीपुर। बिहार में एक नाबालिग लड़की से हैवानियत की वारदात सामने आई है। बताया जाता है कि लड़की के माता-पिता कांवर यात्रा के लिए निकले हुए थे। इसी दौरान गांव में उनकी बेटी के साथ हैवानियत की गई। समस्तीपुर जिले में वारिसनगर थाना क्षेत्र के एक गांव के 14 वर्षीय छात्रा के साथ शुक्रवार की शाम दुष्कर्म की घटना हुई। थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस कांड के आरोपी बलाही गांव निवासी

कुलदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता अपने गांव के बगल के चौक पर सामान लेने के लिए गई थी। इसी बीच सुनसान जगह पाकर उक्त युवक ने उसे पकड़ लिया और पास के गाछी में ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और फरार हो गया। इधर लड़की के शोर मचाने पर लोग पहुंचे और उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। वहां इलाज कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। परिजनों ने बताया कि सूचना मिलने पर छात्रा के माता-पिता जो कांवर लेकर देवघर जा रहे थे। वह वापस आ रहे हैं।

धोबी के घरे विवाह, गधा के माथे माउर

सियासत की सलाह को रिट्वीट कर खेसारीलाल यादव हुए ट्रोल

पटना। फिल्म और संगीत जगत की हस्तियों का राजनीति में आना आम बात है। बिहार, यूपी के कई भोजपुरी स्टार भी सांसद, विधायक से लेकर मंत्री तक बन चुके हैं। बिहार के छपरा में जन्में भोजपुरी एक्टर और सिंगर खेसारी लाल यादव के राजनीति में आने की चर्चा सोशल मीडिया पर होने लगी है। वे राजद सुप्रीमो लालू यादव और उनक बेटे तेजप्रताप यादव से मिल चुके हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर पॉलिटिक्स में आने की एक यूजर की सलाह को रिट्वीट कर खेसारी

लाल यादव ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए हैं। सौरभ राज नाम के एक यूजर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा है कि खेसारी लाल यादव को भी पार्टी-पॉलिटिक्स ज्वाइन कर ही लेना चाहिए इस मौसम में। इनके मित्र मंडली के करीब सभी सिंगर पॉलिटिक्स लाइन में प्रवेश कर ही चुकें हैं। इससे पहले सौरभ ने लिखा था - ई चुनाव में आपके माथे भी माउर चढ़ जाना चाहिए, उमरिया हो गइल बा राउर। भोजपुरी जगत के दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनोज तिवारी, रवि किशन, विनय बिहारी समेत कई कलाकार नेता बनकर विदायक सांसद बन चुके हैं। सौरभ राज के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए खेसारी लाल यादव ने लिखा है-"धोबी के घरे विवाह, और गधा के माथे माउर।" इसे लेकर खेसारी लाल यादव विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं।

■ यूजर उनपर भद्दे भद्दे कमेंट कर रहे हैं। खासकर धोबी जाति का उपयोग करने के कारण उनकी जमकर आलोचना हो रही है। एक यूजर ने भोजपुरी में लिखा है- अब देश-- मउग, मकुना, नचनिया, सम्भलिहन सं बिहार से बिगुल फुंका गईल। अनील रजक नामक के यूजर ने कहा है कि कहावत में किसी जाति को लाना गलत है। सभी जातियों का सम्मान करना सीखो। काजल नामक यूजर ने कहा है कि खेसारी बीजेपी के सपोर्टर हैं लेकिन जाति बाधा बनी हुई है। कृष्णा यादव ने कहा है कि किसी जाति विशेष को अपमानित करने के लिए बनाए गए मुहावरे/कहावत का इस तरह प्रयोग करना बहुत ही निंदनीय है और वो भी तब जब आप सेलिब्रिटी हो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि किस तरह की भाषा का प्रयोग करना चाहिए। सुनील विश्नोई ने लिखा है कि भोजपुरी को बदनाम करके अब राजनीति को बदनाम करना हैं क्या। भोजपुरी का जो बेड़ा गर्क किया है इन पांच छः लोगों ने, पूरे विश्व में बदनाम कर दिया, आज भोजपुरी कहते ही लोगों के दिमाग में वो भद्दे गाने याद आते हैं।

व्यापार

ऑटोमोबाइल का अप्रैल-जून तिमाही में बढ़ा 22 प्रतिशत एक्सपोर्ट

नई दिल्ली। देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान 22 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। इंडस्ट्री बॉडी सियाम (सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स) का कहना है कि पैसेंजर्स व्हीकल के रिकॉर्ड निर्यात, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहन खंड के शानदार परफॉर्मेंस से व्हीकल्स का एक्सपोर्ट बढ़ा है. SIAM का कहना है कि जून तिमाही के दौरान सभी सेगमेंट्स में 14,57,461 यूनिट्स निर्यात किए गए, जबकि पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान समान

अवधि में 11,92,566 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए गए थे. यानी इसमें 22 प्रतिशत का इजाफा हुआ है.
पहली तिमाही के दौरान पैसेंजर व्हीकल्स में करीब 13 की उछाल देखने को मिला है और 2,04,330 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए गए. इनमें सबसे ज्यादा अब तक की शिपमेंट है. पिछले वित्त वर्ष के दौरान इसी अवधि में ये आंकड़ा 1,80,483 यूनिट्स थे. सियाम का कहना है कि वेस्ट एशिया और अमेरिकी बाजार में मजबूत मांग और पड़ोसी देश श्रीलंका और नेपाल जैसे पड़ोसी बाजारों में रिकवरी की वजह से ग्रोथ हो पायी है. इसके साथ ही, ऑस्ट्रेलिया के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से भी गाड़ियों के एक्सपोर्टस में मदद मिली है. पहली तिमाही के दौरान देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने 96,181 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए हैं, जिनमें पिछले साल के मुकाबले 37 प्रतिशत ज्यादा है।

बच्चों के लिए एप लॉन्च करेगी इलॉन मस्क की कंपनी

नई दिल्ली। इलॉन मस्क की कंपनी xAI अब बच्चों के लिए सुरक्षित और यूजर-फ्रेंडली AI एप लाने की तैयारी में हैं। मस्क ने रविवार को ऐलान किया कि जल्द ही नया एप 'बेबी ग्रोक' लॉन्च किया जाएगा, जो बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और उनकी उम्र के मुताबिक कंटेंट देगा। बेबी ग्रोक को पूरी तरह बच्चों के लिए डिजाइन किया जाएगा, जिसमें "एज-एप्रोप्रियेट" क्यूरेटेड कंटेंट मिलेगा और हर तरह का एडल्ट या सेंसेटिव मटेरियल ब्लॉक रहेगा। एप में पैरेंट्स के लिए भी कंट्रोल होंगे, जिससे वे एप के इस्तेमाल और सेटिंग्स पर निगरानी रख सकेंगे।
इससे पहले xAI ने अपने AI

चैटबॉट ग्रोक में एक नया फीचर लॉन्च किया, जिसे "कंपेनियन्स" नाम दिया गया। इसमें दो एनिमेटेड कैरेक्टर्स शामिल हैं- एक फ्लर्टी जापानी एनिमे कैरेक्टर "अनी" और एक गुस्सैल रेड पांडा "बैड रुडी"। ये दोनों यूजर्स के साथ बातचीत कर सकते हैं, लेकिन इनके बर्ताव ने विवाद खड़ा कर दिया है।

बड़ी कमाई का मौका!

अगले सप्ताह आ रहे हैं 8 नए IPO

नई दिल्ली। IPO में दिलचस्पी रखने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता बेहद खास होने वाला है। 20 से 26 जुलाई के बीच कुल 8 कंपनियां अपना IPO लॉन्च करने जा रही हैं। इनमें मेनबोर्ड और SME दोनों तरह के इश्यू शामिल हैं। ये कंपनियां विभिन्न सेक्टर्स से जुड़ी हैं- ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REIT) और स्पेशियलिटी केमिकल्स तक।
अगर आप भी IPO में निवेश की योजना बना रहे हैं, तो यह समय आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है। आइए जानते हैं अगले हफ्ते IPO बाजार में क्या-क्या होने जा रहा है।

इंडिक्यूब स्पेसेस

बेंगलुरु की तकनीक-आधारित को-वर्किंग स्पेस कंपनी 23 जुलाई से 25 जुलाई के बीच अपना IPO लॉन्च करेगी। कंपनी 700 करोड़ रुपए जुटाने की योजना में है, जिसमें 50 करोड़ का OFS भी शामिल है। प्राइस बैंड 225-237 और GMPलगभग 40 है।

जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स

मेनबोर्ड पर लिस्ट होने वाली यह कंपनी भी 23 जुलाई को IPO ला रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की यह कंपनी मार्केट से 460 करोड़ जुटाएगी। प्राइस बैंड 225-237 रखा गया है।

EU के नए तेल प्रतिबंध से भारत की कंपनियों को झटका

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (EU) ने रूस से आने वाले क्रूड ऑयल और उससे बने ईंधन पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत सख्त कार्रवाई की है। इस फैसले से भारत की दो बड़ी कंपनियों—रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी—को बड़ा झटका लग सकता है, जो यूरोप में ईंधन का प्रमुख निर्यात करती हैं।
EU ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को 60 डॉलर प्रति बैरल से घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है। यह नई कीमत सीमा 3 सितंबर 2025 से प्रभावी होगी। साथ ही रूस से जुड़े तेल परिवहन जहाजों और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों पर भी सीधा प्रतिबंध लगाया गया है। नायरा एनर्जी में रूसी कंपनी Rosneft की 49% हिस्सेदारी है। EU के नए प्रतिबंधों के तहत अब यह कंपनी यूरोपीय बाजार में अपने उत्पाद निर्यात नहीं कर सकेगी। इसके अलावा, कंपनी को यूरोपीय बैंकिंग सेवाओं और तकनीकी सहायता तक पहुंच भी मुश्किल हो सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज रूस से सस्ते दाम पर कच्चा तेल खरीदती है, जिससे उसे रिफाइनिंग में फायदा मिलता है। लेकिन अब, यदि वह रूसी तेल खरीदना जारी रखती है, तो यूरोप का लाभदायक डीजल बाजार उसके लिए बंद हो सकता है।

कंपनियों के तिमाही नतीजे समेत इन फैक्टर से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली। इस हफ्ते स्थानीय शेयर बाजार की दिशा भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर रुख, वैश्विक रुझान और इन्फोसिस-बजाज फाइनेंस जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होने वाली है. बाजार के जानकारों का मानना है कि हफ्ते के पहले कारोबार दिन सोमवार 21 जुलाई को तीन बड़ी कंपनियां - रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के तिमाही नतीजों पर बाजार का रुख देखने को मिल सकता है।

तिमाही नतीजों से बदलेगी बाजार की चाल?

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजे शुक्रवार देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के आए और इसने 26,994 करोड़ रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक तिमाही लाभ दर्ज किया है. ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 78.3 प्रतिशत की जबरदस्त उछाल है. ब्रोकिंग फर्म रेलिगेयर लिमिटेड के सीनियर वाइस चीफ रिसर्च अजित मिश्रा का कहना है कि चालू तिमाही नतीजों के सत्र पर इस वक्त सभी की निगाहें लगी हुई हैं. सोमवार को निवेशक तीन दिग्गज कंपनियां- रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजे पर सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया देंगे. इसके बाद डॉ. रेड्डी लैबोरेटरीज, नेस्ले इंडिया, इन्फोसिस और बजाज फाइनेंस समेत अन्य कंपनियों की तरफ से तिमाही नतीजों का ऐलान किया जाएगा.

विदेशी संस्थागत निवेशकों पर भी नजर

इसके साथ ही, अजीत मिश्रा का कहना है कि ग्लोबल स्तर पर ट्रेड डील जैसी घटनाक्रमों पर नजर रहेगी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह के साथ ही मुद्रा की चाल से भी बाजार को दिशा मिलेगी।

ICICI बैंक का मुनाफा 15% बढ़कर 12,768 करोड़

नई दिल्ली। ICICI बैंक ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कुल 51,452 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 32,706 करोड़ रुपए कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए।
इसके बाद बैंक के पास 12,768 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 11,059 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सालाना आधार यह 15.45% बढ़ा है।

क्या नतीजे उम्मीद से अच्छे हैं?

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में ICICI बैंक का मुनाफा मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर रहा है यानी बैंक ने इस बार बेहतर काम किया। एक्सपर्ट्स को उम्मीद थी कि बैंक को पहली तिमाही में 11,770 करोड़ रुपए का मुनाफा होगा।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का दावा

'सपा के लोग कांवड़ यात्रा में कर रहे गड़बड़'

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इन दिनों चल रही कांवड़ यात्रा के बीच सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कांवड़ यात्रा को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'कांवड़ यात्रा अच्छे से चल रही है, जो भोले बाबा के सच्चे भक्त हैं वे सच्ची यात्रा कर रहे हैं। कुछ सपाई (समाजवादी पार्टी के लोग) घुस गए होंगे जो गड़बड़ कर रहे हैं।'

अवैध धर्मांतरण मामले में पकड़े जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी है। डिप्टी सीएम ने कहा, 'जो भी समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी, गरीब विरोधी, महिला विरोधी काम करेगा, उसकी जांच होगी और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।' इसके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर राहुल गांधी के 5 जहाजों का सच क्या है उस पोस्ट पर निशाना साधा है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-'लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता राहुल गांधी को भारत की चिंता कम, पाकिस्तान की फिक्र ज्यादा रहती है। तभी ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है। भारतीय सेना का बार-बार अपमान कांग्रेस इसलिए करती है ताकि पड़ोसी भाईजान पाकिस्तान को खुश किया जा सके।'

वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, 'कांवड़ यात्रियों के बीच में समाजवादी पार्टी के कुछ अराजक तत्व कांवड़ यात्रियों के भेष में घुसकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम कर रहे हैं। हमारी सरकार कानून व्यवस्था को लेकर बहुत सख्त है, जो भी कानून तोड़ेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। हमारी सरकार कानून व्यवस्था के उल्लंघन के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करती है, ऐसे सभी अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखकर कार्रवाई की जा रही है।'

डिप्टी सीएम के बयान पर सपा का पलटवार

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयान कांवड़ यात्रा में उत्पात के लिए सपा लोग जिम्मेदार हैं पर समाजवादी पार्टी की तरफ से बयान सामने आया है। सपा नेता मनोज काका ने कहा, 'भोजपुरी में एक कहावत है, खेत खाय गदहा, मारल जाय जुलहा,' ये दोनों डिप्टी सीएम (केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक) है, वे डिप्टी सीएम कम सीएम के लिए फिक्र ज्यादा हैं। इनके पास कुछ काम बचा नहीं है। सपा नेता ने मिर्जापुर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जहां आपकी सरकार फेल हो जाती है, वहां सपा को जिम्मेदार बता देते हैं। उन्होंने इस बयान को नीचतापूर्ण बताया है।

लखनऊ में विकसित होगा नैमिष नगर

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने सीतापुर रोड पर 2504 एकड़ क्षेत्रफल में नैमिष नगर विकसित करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। एलडीए की टीम ने शनिवार को बीकेटी तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद राजस्व अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। योजना के लिए भूमि जुटाने के सम्बंध में किसानों के बीच जाकर उन्हें जागरूक करने की कार्ययोजना तैयार की गई। एलडीए की तरफ से बैठक की अध्यक्षता संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने की। साथ ही बैठक में एसडीएम बीकेटी सतीश त्रिपाठी, तहसीलदार, कानूनगो व लेखपाल समेत अन्य राजस्व कर्मी उपस्थित रहे।

उफान पर प्रदेश की नदियां, मैदानी क्षेत्रों से पलायन शुरू

महानगर संवाददाता

वाराणसी/प्रयागराज/बलिया

भारी बरसात के कारण प्रदेश की कई नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं तो कई चेतावनी बिंदु की तरफ बढ़ रही हैं। गंगा नदी का बढ़ता जलस्तर वाराणसी से लेकर प्रयागराज तक के लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। एक तरफ जहां वाराणसी में गंगा के साथ वरुणा नदी उफान पर हैं। तो वहीं प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर भी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। जिससे आस-पडोस की बस्तियों में हाहाकार मचा हुआ है।

दोनों नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी का क्रम लगातार जारी है। इससे बाढ़ का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। इसके चलते कछारी इलाके में बसे लोगों की चिंता बढ़ गई है। दोनों नदियों का जलस्तर 83 मीटर के करीब पहुंच गया है। सिंचाई विभाग की शनिवार शाम चार बजे की रिपोर्ट के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर 82.79 और फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 82.84 मीटर तक पहुंच गया है। गंगा यमुना का जलस्तर रविवार को खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। उफनाई नदियां खतरे के निशान के करीब एक मीटर नीचे बह रही हैं। बस्तियों में हाहाकार मचा हुआ है। खतरे का निशान 84.73 है, जबकि गंगा और यमुना 83 मीटर के ऊपर बह रही हैं। दोनों नदियों के जलस्तर का खतरे का निशान 84.73 मीटर है। निचले इलाके की बस्तियों में पानी घुस गया।

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का विवादित बयान

'कांवड़िए सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे-माफिया'

महानगर संवाददाता

लखनऊ

अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांवड़ियों को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया जिसने उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल मचा दी। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांवड़ियों को सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे और माफिया तक कहा है।

अपनी जनता पार्टी के प्रदेश स्तरीय बैठक में स्वामी प्रसाद ने कहा कि ये कांवड़िए नहीं है क्योंकि इनका आराध्य भोला भाला है तो भक्त हिंसक कैसे हुआ। उन्होंने कहा कि कांवड़िए सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे माफिया हैं जो अराजकता

फैला रहे हैं। कांवड़िए के भेष में ये पूरे प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। स्वामी मौर्य ने कहा कि वर्तमान में जो भारतीय संविधान के साथ छेड़छाड़ हो रही उसे लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक में चर्चा हुई है। इसके साथ ही अपनी जनता पार्टी की इकाई स्कूलों के मर्ज का विरोध कर रही है। बंद स्कूलों के विरोध में बाइक रैली निकलेगी जो सभी विकासखंडों में जाएगी।

स्वामी प्रसाद ने कहा कि जिस तरीके से बीजेपी सरकार को इस प्रदेश को अराजकता की आग में झोंक रही है। बीजेपी संरक्षण प्राप्त गुंडे माफिया और अपराधियों को कानून से खिलवाड़ करने की पूरी छूट दे रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि एससी-एसटी और अल्पसंख्यक के किसी भी व्यक्ति से थोड़ी सी गलती हो जाती है तो उस पर दर्जनों मुकदमे हो जाते हैं और घरों पर बुलडोजर चल जाते हैं। लेकिन बीजेपी संरक्षित गुंडे पूरे प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसके साथ ही 2027 के चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि 27 के चुनाव में हमारा नारा होगा बीजेपी हटाओ देश बचाओ।

कांग्रेस की मीटिंग में बड़े नेताओं के सामने मारपीट

चार पूर्व पदाधिकारी घायल

महानगर संवाददाता

गोरखपुर

रविवार को कांग्रेस पार्टी की जोनल समीक्षा बैठक के दौरान अचानक अफरा-तफरी मच गई। मीटिंग में हंगामा खड़ा हो गया। इस दौरान पार्टी से निष्कासित पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी और गोला ब्लॉक अध्यक्ष जय प्रकाश तिवारी ने खुद पर हमला किए जाने का आरोप लगाया। गोरखपुर के देवरिया बाईपास स्थित सत्यम लॉन में यह सब कुछ जब हुआ जब कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत बड़े नेता समीक्षा बैठक के लिए वहां मौजूद थे। सूचना पर गोरखपुर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र की पुलिस

भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

रविवार को गोरखपुर में आयोजित कांग्रेस की जोनल समीक्षा बैठक में उस समय विवाद शुरू हो गया जब बैठक स्थल पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी, जय प्रकाश तिवारी, अवधेश मणि त्रिपाठी, विपिन मिश्र, चुन्नू दुबे, सुबास दास, सुराली प्रसाद, सुखराम यादव, अभिनव गुप्त समेत अन्य सच्चिदानंद तिवारी के साथ राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय को ज्ञापन देने पहुंचे। सच्चिदानंद ने आरोप लगाया कि वह अपने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में भाग लेने पहुंचे थे। पार्टी के महासचिव से मिलने की कोशिश कर रहे थे, तभी जिलाध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ हमला कर दिया। सच्चिदानंद के मुताबिक उनके हाथ और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने खुद पर धारदार हथियार से हमला किए जाने का भी आरोप लगाया।

पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी, श्रीरिश उपाध्याय, विनोद पाण्डेय, जय गोविंद, आलोक शुक्ला, उत्कर्ष पाण्डेय समेत 10-15 अज्ञात लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। सच्चिदानंद ने आरोप लगाया कि 10 जुलाई को पार्टी कार्यालय में भी उनके साथ मारपीट हुई थी। हंगामे के चलते कांग्रेस की समीक्षा बैठक कुछ समय के लिए अव्यवस्थित जरूर हुई, लेकिन वरिष्ठ नेताओं ने मंच से हट कर बंद कमरे में समीक्षा जारी रखी। वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने सच्चिदानंद के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। किसी तरह की मारपीट नहीं हुई है।

बेकाबू बस ने सवारियों से भरे टेंपो को रौंदा

आधा दर्जन घायल

प्रयागराज। पूरामुफ्ती के आगे गुरुद्वारा के समीप रविवार दोपहर एक बस ने सवारियों से भरे टेंपो को रौंद दिया। टेंपो सवार सवारियों में चीख पुकार मच गई। आटो में सवार लोग काफी देर तक फंसे रहे। पुलिस का कहना है कि बस के ब्रेक फेल होने से चालक का काबू नहीं रहा। समाचार लिखे जाने तक तीन सवारियों को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया है। दो लोगों के अभी तक बस के नीचे फंसे होने की संभावना है। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोग आटो में फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुटे रहे। हादसे में चार लोग जख्मी हुए हैं, जिसमें ऑटो ड्राइवर की हालत गंभीर है। यह सभी ऑटो में सवार थे। यह भरवारी कौशाम्बी के रहने वाले हैं। ऑटो कौशाम्बी की ओर से आ रहा था। उधर, कानपुर की तरफ से एक अर्टिगा कार भी आ रही थी। अर्टिगा कार ने बस को ओवरटेक करने का प्रयास किया और इसी दौरान बस से टकरा गई। जिससे कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उधर आर्टिगा को बचाने के चक्कर में रोडवेज बस चालक ने बस को दाहिनी तरफ किया तो बगल से गुजर रहा आटो चपेट में आ गया।

AMU में तिलक लगाने पर हिंदू कर्मचारी के साथ भेदभाव

VC ने कही जांच की बात

महानगर संवाददाता

अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एक बार फिर धार्मिक भेदभाव का मामला सामने आया है। जेएन मेडिकल कॉलेज में कार्यरत कर्मचारी नेता पंडित आशीष शर्मा ने असिस्टेंट फाइनेंस ऑफिसर समीर मुर्सिल खान पर तिलक लगाने को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। आशीष शर्मा ने फाइनेंस ऑफिसर को तत्काल निलंबित करने की मांग की है और चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। पंडित आशीष शर्मा पिछले सात वर्षों से AMU में कार्यरत हैं। इनका आरोप है कि फाइनेंस ऑफिसर समीर मुर्सिल खान द्वारा तिलक लगाने पर लगातार कमेंट किए जा रहे हैं। शर्मा ने बताया कि वे कहते हैं तुम तो नेता हो, काम कौन करेगा? तिलक लगाकर ऑफिस क्यों आते हो? यह मेरे आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने दावा किया कि धार्मिक प्रतीकों को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, साथ ही वेतनवृद्धि और पदोन्नति में भी भेदभाव हो रहा है। शर्मा ने कहा कि उनके विभाग में बाहरी व्यापारियों से मिलने पर पाबंदी लगा दी गई, जबकि अन्य अधिकारियों के लिए ऐसी कोई रोक नहीं है।

शर्मा का कहना है कि वे लंबे समय से AMU में हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को बढ़ावा दे रहे थे, लेकिन अब खुद उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने सांसद सतीश गौतम के पुराने बयानों का समर्थन करते हुए कहा कि सतीश गौतम सही थे, जो AMU में हिंदू-मुस्लिम भेदभाव की बात कहते थे। उन्होंने कहा कि अब मैं खुद इसका सामना कर रहा हूं। यही नहीं शर्मा ने आरोप लगाया कि जब भी AMU पर विवाद होता है, प्रशासन उन्हें आगे करता है, लेकिन अब उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है।

पैतृक संपत्तियों के बंटवारे में औद्योगिक संपत्तियों को शामिल करने का सुझाव

योगी सरकार देने जा रही बड़ी सौगात

महानगर संवाददाता

लखनऊ

यूपी की योगी सरकार प्रदेश में औद्योगिक घरानों को बसाए रखने के लिए उन्हें बड़ी राहत देने जा रही है। पैतृक संपत्तियों के बंटवारे में औद्योगिक संपत्तियों को भी शामिल करने का सुझाव उच्च स्तर से दिया गया है। ऐसी संपत्तियों को परिवारों में ट्रांसफर करने पर 5000 रुपए का स्टांप शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। उच्च स्तर से दिए गए सुझाव के आधार पर कैबिनेट प्रस्ताव में संशोधन किया जा रहा है।

संस्थागत संपत्तियां भी होंगी शामिल

प्रदेश में पैतृक संपत्तियों के बंटवारे

के लिए अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इसे हस्तांतरण करने के लिए सामान्य रजिस्ट्रियों की तरह इसके लिए भी पैसे देने पड़ते हैं।

उद्यमियों को मिलेगी राहत

प्रदेश में काफी संख्या में औद्योगिक संपत्तियां पड़ी हुई हैं। कुछ पर उद्योग बंद भी हो चुके हैं। यह संपत्तियां परिवारों में बंट नहीं पा रही हैं। इनके बंटवारे पर अभी काफी मोटा स्टांप देना पड़ रहा है। इसीलिए इनका बंटवारा न होने की वजह से इन पर आए दिन कब्जे की शिकायतें आ रही हैं। उच्च स्तर पर काफी संख्या में ऐसी शिकायतें आ चुकी हैं। बताया जा रहा है कि इसको देखते हुए ही पैतृक संपत्तियों के साथ औद्योगिक और संस्थागत संपत्तियों को भी शामिल करने का सुझाव दिया गया है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को ट्रेलर ने मारी टक्कर

चार की मौत

महानगर संवाददाता

बलिया

बलिया के नरहीं थाना क्षेत्र के तेतारपुर गांव से रविवार की दोपहर में 25 श्रद्धालु पिकअप वैन पर सवार होकर बाबा धाम जलाभिषेक करने जा रहे थे। बिहार के बेगूसराय में ट्रेलर ने पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में लाची देवी (45) पत्नी मुघुन राजभर और हरेंद्र राजभर (60) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, मुघुन राजभर (48) और घुरूहू राम (45) एंबुलेंस से घर आते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मुघुन राजभर

की पत्नी लाची देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी। ग्राम प्रधान बृज नारायण राजभर सहित 21 घायलों को घर लाने के बाद इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। मृतकों का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पति ने शराब के लिए गहनों को लगाया हाथ तो पत्नी ने ले ली जान

कुशीनगर। शराब पीने के लिए गहने बेचने जा रहे पति को उसकी पत्नी ने मार डाला। पत्नी ने पति के सिर पर डंडे से घातक प्रहार किए। पत्नी के इस हमले में पति की जान चली गई। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जंगल बकुलहा से पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बकुलहा निवासी लालचंद शराब का आदी था। इसको लेकर आए दिन पत्नी किरन से उसका विवाद होता था। शनिवार की शाम लालचंद शराब पीने के लिए पत्नी के गहने बेचने ले जा रहा था। पत्नी ने रोका तो उसने उसकी पिटाई कर दी। फिर किरन उठी और उसने डंडे से लालचंद पर प्रहार कर दिया।

80 लाख की फिरौती को लेकर छात्र का कत्ल

महानगर संवाददाता

आगरा

आगरा के फतेहाबाद कस्बे की विजय नगर कॉलोनी से अपहरण किए आठ साल के छात्र की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वारदात को अंजाम छात्र के घर के पास रहने वाले युवकों ने दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आगरा के फतेहाबाद कस्बे की विजय नगर कॉलोनी से 80 दिन पहले लापता हुए अभय प्रताप (8) का शव शनिवार को राजस्थान के मनिया थाना क्षेत्र में मिला। शव को एक प्लास्टिक के बोरे में भरकर जमीन में दबा दिया गया था। पुलिस के अनुसार, सनसनीखेज वारदात को अंजाम कृष्णा उर्फ भजन लाल पुत्र भगवान सिंह निवासी फतेहाबाद और राहुल पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी विजय नगर कॉलोनी फतेहाबाद ने दिया है। आरोपी राहुल मृतक छात्र अभय के घर के सामने ही रहता है। वहीं कृष्णा का घर भी छात्र के घर से चंद कदमों की दूरी पर है। 80 लाख की फिरौती को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया।

आधी रात युवकों ने होमगार्ड को कार के बोनट पर टांगकर दौड़ाई गाड़ी, फरार

महानगर संवाददाता

बरेली

जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। जहां आधी रात युवकों ने होमगार्ड के एक जवान को कार की बोनट पर टांगकर करीब पांच किलोमीटर तक कार चलाई। हालांकि रफ्तार धीमी पड़ने पर होमगार्ड ने गाड़ी से कूदकर किसी तरह जान बचाई। तहरीर मिलने के बाद अब पुलिस ने कार सवारों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है। वहीं, इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार, यातायात

प्रबंधन में तैनात होमगार्ड के जवान अजीत कुमार ने शनिवार रात करीब 12 बजे एक कार को सुभाष नगर क्षेत्र में वन वे पर जाने से रोकने की कोशिश की तो चालक ने गाड़ी की गति बढ़ा दी और वाहन से बचने की कोशिश में होमगार्ड अजीत कार के बोनट पर चढ़ गए और इसके बाद कार सवारों ने गाड़ी चला दी तथा पांच किमी तक होमगार्ड को बोनट पर ही घुमाया। फिर कोतवाली थाना क्षेत्र के मिशन कंपाउंड में कार की रफ्तार धीमी होने पर होमगार्ड ने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई और चालक उसे धमकी देते हुए कार लेकर फरार हो गया।

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को राहत

अब नहीं मांगे जाएंगे गैरजरूरी कागज

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। कारपोरेशन के अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि अब किसी भी प्रकार की बिजली संबंधी सेवा शिकायत पर उपभोक्ताओं से अनावश्यक दस्तावेज नहीं मांगे जाएंगे। केवल चेन्ज ऑफ टाइटल (नामांतरण) प्रक्रिया को छोड़ अन्य सभी कार्य विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर ही निपटाए जाएंगे।

कारपोरेशन की समीक्षा बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया, जिसमें मुख्य अभियंता, निदेशक एवं प्रबंध निदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के

माध्यम से शामिल हुए। सभी ने इस नीति को उपभोक्ता हित में जरूरी और समयानुकूल बताया। अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बैठक में कहा कि उपभोक्ताओं को अक्सर बिजली कार्यालय में शिकायत लेकर जाने पर पुराने कागजों की मांग की जाती है, जो तत्काल उपलब्ध न होने की स्थिति में उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह व्यवस्था अब समाप्त की जाए। विभाग खुद अपने रिकॉर्ड्स से समाधान निकाले।

अध्यक्ष ने यह भी कहा कि निगम की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि उपभोक्ता की समस्याएं कम से कम प्रयास में हल हों। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को 1912 उपभोक्ता सेवा नंबर पर आने वाली शिकायतों की नियमित मॉनीटरिंग के निर्देश दिए ताकि कोई मामला लंबित न रहे। बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु गलत बिल को ठीक करने के लिये चल रहे मेगा कैम्प 21 एवं 22 जुलाई को भी लगेंगे। कैम्पों की सुविधा शनिवार को खत्म हो रही थी लेकिन कैम्पों में उपभोक्ताओं की भागीदारी को देखते हुये कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल ने इसे सोमवार एवं मंगलवार (21 एवं 22 जुलाई) दो दिन और बढ़ाने का निर्णय लिया। कैम्पों में नये संयोजन, भार वृद्धि, खराब मीटर, बिल संशोधन, विधा परिवर्तन, बिल जमा करने एवं अन्य सम्बन्धित कार्यों की शिकायत भी प्राप्त कर उपभोक्ता की समस्याओं का निराकरण पूर्ववत किया जायेगा। ऊर्जा निगमों के अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि प्रदेश में चल रहे बिल सुधार कैम्पों का लाभ लेकर अपना गलत विद्युत बिल ठीक करा ले और बकाया बिल जमा कर दें।

4 साल की बच्ची से रेप के बाद स्कूल बंद

प्रबंधक फरार

महानगर संवाददाता

लखनऊ

राजधानी लखनऊ के इंदिरानगर में चार साल की मासूम से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपित स्कूली वैन चालक आरिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं, आरोपित प्रबंधक संदीप कुमार स्कूल बंद कर फरार हो गया। बच्ची की मां ने प्रबंधक पर भी साजिश का आरोप लगाया है। आरोप है कि उनकी शिकायत के बाद भी दो दिन तक प्रबंधक और प्रिंसिपल मामला दबाए रहे। पीड़िता की मां का आरोप है कि उन्होंने ड्राइवर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। विरोध पर स्कूल की बदनामी का हवाला देते हुए बेटे के अपहरण तक की धमकी दी थी। इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील तिवारी ने बताया कि प्रबंधक को बयान दर्ज कराने

के लिए मैसेज भेजा गया पर वह अभी तक थाने नहीं आए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। आरोपितों के खिलाफ चालक के खिलाफ दुष्कर्म पॉक्सो और एससी एसटी एक्ट, धमकी का मुकदमा दर्ज है। बच्ची की मां ने प्रबंधक पर भी धमकी समेत अन्य आरोप लगाए हैं।

दोपहर पुलिस ने बच्ची का कोर्ट के समक्ष बयान दर्ज कराया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बच्ची ने बताया कि ड्राइवर अंकल उसे अपने पास आगे बैठाते थे। वह गंदी हरकत करते थे। बच्ची ने एफआईआर की बातों का समर्थन किया। उधर, शनिवार को इंदिरा नगर मुंशी पुलिया के पास स्थित स्कूल भी बंद रहा। स्कूल के आस पास सन्नाटा पसरा रहा। आस पड़ोस के लोग भी बच्ची के साथ हुई गंदी हरकत के विरोध में प्रबंधन और वैन चालक को भला बुरा कह रहे थे। सोमवार को स्कूल से घर छोड़ने के दौरान वैन चालक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। बच्ची के प्राइवेट पार्ट में जख्म हो गया था। घर पहुंचने और दर्द होने पर उसने अपनी मां को घटना की जानकारी दी थी। मां ने स्कूल पहुंचकर इसकी प्रिंसिपल से शिकायत की थी। मां का आरोप है कि इसके बाद भी प्रिंसिपल ने कोई सुनवाई नहीं की और टाल मटोल करने लगी।

100 करोड़ की ठगी का प्रयास, चैट से हुआ खुलासा

इटावा। जिले में फर्जी दस्तावेजों से करंट अकाउंट खुलवाकर उसमें गमिंग के जरिए होने वाली साइबर ठगी का रुपये डलवाने वाले चार अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगों को पुलिस ने बाइस ख्वाजा रोड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के मोबाइल से चीन, हांगकांग और इंडोनेशिया से 100 करोड़ तक की ठगी करने की चैट में बात सामने आई है। एक आरोपी इटावा व तीन आरोपी झांसी, बुलंदशहर, बलिया के हैं। आरोपियों के पास एक इंडोनेशिया का का सिम कार्ड भी मिला है। शनिवार देर रात थाना कोतवाली पुलिस, एसओजी, सर्विलांस टीम को सूचना मिली कि साइबर ठगी करने वाले चार ठग बाइक ख्वाजा रोड पर खड़े हैं।

धर्मस्थल केस में सिद्धारमैया सरकार ने बनाई SIT

सीनियर IPS को सौंपी कमान

महानगर नेटवर्क
बेंगलुरु

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने धर्मस्थल क्षेत्र में पिछले दो दशकों से कथित हत्या, बलात्कार और लापता महिलाओं के मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रणब मोहंती को SIT का प्रमुख बनाया गया है। रविवार को प्रेस के साथ 19 जुलाई का एक सरकारी आदेश (GO) साझा किया गया। पुलिस ने धर्मस्थल में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 211(a) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। राज्य के मंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि धर्मस्थल संबंधी मुद्दों की जांच के लिए सरकार ने एक एसआईटी का गठन किया है। इस मामले में शिकायत भी दर्ज की गई है। काफी हंगामा भी हुआ है। सरकार ने इन सब बातों पर ध्यान दिया है और फिर इस पूरे मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है... अगर कोई इस समय इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की सोच रहा है, तो मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता।

यह मामला एक मानव खोपड़ी मिलने और एक लापता मेडिकल छात्रा के परिवार के बयानों के बाद सामने आया। धर्मस्थल मंदिर में पूर्व सफाई कर्मचारी रहे एक व्यक्ति ने भी आगे आकर दावा किया कि धर्मस्थल क्षेत्र में सैकड़ों शव दफनाए गए थे। बता दें कि दक्षिण कन्नड़ जिले का धर्मस्थल क्षेत्र एक प्रमुख तीर्थस्थल है, जहां मंजूनाथ प्रमुख देवता हैं। SIT गठन के फैसले का स्वागत करते हुए, कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने माना कि एसआईटी के गठन में काफी समय लग गया। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सरकार ने आखिरकार कार्रवाई की है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "राज्य को इस पर फैसला लेना ही था। हालांकि इसमें देरी हुई है, लेकिन एसआईटी का गठन एक स्वागत योग्य कदम है। हम सरकार की इस कदम की सराहना करते हैं।"

उन्होंने खुलासा किया कि उनकी ओर से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक औपचारिक पत्र लिखकर इस मामले पर तत्काल ध्यान देने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री की स्वीकृति और एसआईटी गठन की त्वरित कार्रवाई उत्साहजनक है। अब हम निष्पक्ष और प्रभावी जांच की उम्मीद करते हैं।"

चौधरी ने जोर देकर कहा कि व्यापक आशंकाओं के बावजूद लोगों को व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा, "एसआईटी के सामने एक बड़ा काम है। संदेह करने के बजाय, हमें पुलिस और जांच प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। कर्नाटक पुलिस निष्पक्षता सुनिश्चित करेगी। मुझे विश्वास है कि न्याय होगा।" चौधरी ने सरकार के फ़ैसले पर अपना भरोसा जताया।

अब विमान के पिछले हिस्से के मलबे की जांच शुरू

इलेक्ट्रिक फॉल्ट की सच्चाई आएगी सामने

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे में अमेरिकी एजेंसी द्वारा पायलट सुमित सभरवाल पर दोष मढ़ने के बाद अब भारतीय जांच दल ने सच्चाई सामने लाने को ठान ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब जांच अधिकारियों ने विमान के पिछले हिस्से की जांच शुरू कर दी है। पिछले हिस्से की जांच का मकसद इलेक्ट्रिक फॉल्ट पता लगाने का है।

इससे यह पता लगा सकेगा कि क्या सही में पायलट की गलती थी या इलेक्ट्रिक कनेक्शन कट गया था। वहीं, जांच से परिचित अधिकारियों ने बताया कि विमान के पिछले हिस्से से प्रमुख पार्ट्स बरामद कर लिए गए हैं जिससे इसका आंतरिक विश्लेषण किया जा सकेगा। अधिकारी ने बताया कि उड़ान के दौरान विमान की विद्युत आपूर्ति में संभावित खराबी का पता लगाने के लिए ये पुर्जे महत्वपूर्ण हैं।

बांग्लादेश में हालात अच्छे नहीं

सालभर में ही भर गया यूनुस से मन

शेख हसीना को लोग कर रहे याद

महानगर नेटवर्क
ढाका

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में सरकार को बने हुए कुछ समय बाद एक साल हो जाएगा। शेख हसीना को पिछले साल अगस्त के शुरुआत में बांग्लादेश छोड़कर भारत आना पड़ा था, जिसके बाद यूनुस को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने का मौका मिला। लेकिन उनके कार्यकाल में बांग्लादेश में हिंसा और कट्टरता बढ़ती गई। अब बांग्लादेश के लोग शेख हसीना को फिर से याद करने लगे हैं। बांग्लादेश के रहने वाले एक शख्स ने इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट पर कहा, "बांग्लादेश में स्थिति अच्छी नहीं है। हर दिन हम देश के विभिन्न हिस्सों से हिंसा की रिपोर्ट प्राप्त कर रहे हैं। हम शांति के पक्ष में मजबूती से खड़े हैं। लेकिन शांति अभी तक वापस आई नहीं है। सब कुछ बावजूद, लोगों का एक बड़ा वर्ग अभी भी शेख हसीना की वापसी की मांग करता है।''

भारत में इलाज करवाने के सिलसिले में भारत आईं बांग्लादेश की सपना रानी साहा ने कहा कि बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंसा की खबरें हैं। लेकिन सौभाग्य से, हमारा क्षेत्र काफी हद तक शांतिपूर्ण है। हमारे दोनों राष्ट्रों के लिए शांति महत्वपूर्ण है। इससे पहले, हमने कभी ऐसे मुद्दों का सामना नहीं किया। लेकिन अब मैं इंटरनेशनल चेक पोस्ट (ICP) में कई कठिनाइयों का सामना कर रही हूं। एक डॉक्टर के परिवार से होने के बावजूद, हमें अक्सर बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए भारत का दौरा करना पड़ता था। हम अभी भी शेख हसीना का समर्थन करना चाहते हैं, लेकिन यह सच है कि उन्होंने कुछ गलतियां की हैं और अब वह इसके लिए भुगतान कर रही हैं।"

हालांकि, कई लोग बांग्लादेश के मौजूदा हालात से खुश भी हैं। एक शख्स ने कहा, 'मैं बांग्लादेश से यहां आया हूं।

गाजा के बेत हनून में IDF की आखिरी एयरस्ट्राइक

- 700 साल पुराने ढांचे भी जमींदोज
- अब नहीं बची शहर में कोई भी इमारत

गाज़ा। इज़रायली सेना के ताजा हमले में गाजा का ऐतिहासिक बैत हनून शहर पूरी तरह जमींदोज हो गया है। अब इस शहर में कोई भी इमारत खड़ी नहीं दिखेगी। रविवार को किए गए इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के ताजा हमलों में बेत हनून में 700 साल पुराने ढांचे भी नष्ट हो गए। इसके बाद पूरा शहर एक राख के मैदान में तब्दील हो गया। इजरायली सेना ने रविवार को गाजा के बेत हनून शहर पर आखिरी एयरस्ट्राइक की। इससे पहले आईडीएफ गाजा के लगभग सभी शहरों और इलाकों को पूरी तरह खंडहर बना चुका है। अब गाजा का बेत हनून शहर IDF द्वारा किए गए ताजा हवाई और जमीनी हमलों के बाद पूरी तरह जमींदोज हो गया। अब इस शहर में एक भी इमारत खड़ी नहीं बची है। यह गाज़ा पट्टी का एक ऐतिहासिक शहर था। मगर बैत हनून अब पूरी तरह से नष्ट हो चुका है। इजरायली हमले के बाद गाजा का बेत हनून शहर का अस्तित्व पूरी तरह मिट्टी में मिल चुका है। अब यह शहर राख और खंडहरों में बदल चुका है। इस त्रासदी के बीच ऑस्ट्रेलियन यहूदी संघ (AJA) के पूर्व प्रमुख ने लिखा कि बेत हनून "अब शहर ही नहीं रहा"। सोशल मीडिया पर दिए गए उनके इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई मानवाधिकार संगठनों और मध्य पूर्व विशेषज्ञों ने इसे "असंवेदनशील और अमानवीय" करार दिया है। गाज़ा पट्टी के उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित बेत हनून फिलिस्तीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण नगर माना जाता रहा है। यहां की आबादी पहले हजारों में थी, लेकिन हालिया सैन्य कार्रवाई में यह क्षेत्र लगभग पूरी तरह खाली हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने इस घटना की स्वतंत्र जांच की मांग की है और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। इस पूरे विवाद ने एक बार फिर गाज़ा संघर्ष में हो रहे नागरिक नुकसान और सांस्कृतिक विरासत की तबाही को वैश्विक विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है।

एयरलिफ्ट कर दिल्ली लाई गई बदमाशों द्वारा जलाई गई किशोरी

एम्स में भर्ती, डॉक्टरों ने दिया हेल्थ अपडेट

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

ओडिशा में आग से झुलसी किशोरी को एम्स भुनवेश्वर से एयरलिफ्ट कर राष्ट्रीय राजधानी लाया गया और दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। बालंगा थाना क्षेत्र में तीन बदमाशों ने शनिवार को 15 वर्षीय लड़की के ऊपर पेट्रोल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया था, जिससे वह 70 फीसदी झुलस गई थी।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर दुख जताया। सोशल मीडिया में माझी ने लिखा, पीड़िता को सर्वोत्तम उपचार के लिए दिल्ली के एम्स में एयरलिफ्ट किया गया है। राज्य सरकार इसके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। मैं भगवान जगन्नाथ से लड़की के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त जगमोहन मीणा ने पत्रकारों को बताया कि पीड़िता को एम्स भुवनेश्वर से बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ले जाने के लिए हरित गलियारा बनाया गया और पुलिस बल की एक प्लाटून तैनात की गई थी। हवाई अड्डा पहुंचने के बाद उसे पीड़िता को राष्ट्रीय राजधानी जाने वाली एक एयर एम्बुलेंस से ले जाया गया और फिर एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया।

पीड़िता की हालत स्थिर

एम्स भुवनेश्वर के बर्न सेंटर विभाग के प्रमुख संजय गिरि ने बताया था कि नाबालिग लड़की 70 प्रतिशत तक झुलस चुकी हैं, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया था कि पीड़िता एक्स भुवनेश्वर के आईसीयू में थी और उसे कृत्रिम तरीके से ऑक्सीजन दी जा रही थी तथा उसकी हालत में सुधार हो रहा है।

पीड़ित परिवार ने फांसी की सजी की मांग

मामले में लड़की के परिवार वालों के मुताबिक, सुबह 8:30 बजे वह अपने दोस्तों से मिलने जा रही थी, लेकिन रास्ते में किसी ने उसे अगवा कर लिया और नदी किनारे ले जाकर आग लगा दी। किसी तरह लड़की वहां से भागकर एक घर पहुंची, जहां लोगों ने उसे कपड़े दिए और परिवार को सूचना दी। इसके बाद परिवार ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पीड़िता के चचेरे भाई ने बताया कि हमने पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी है, जांच जारी है। हमें नहीं पता किसने यह किया, लेकिन लड़की ने देखा होगा, वह बेहतर बता पाएगी। हम चाहते हैं कि दोषियों को फांसी की सजा मिले।

ईरान ने इजरायल को ललकारा?

जिस डिफेंस सिस्टम को किया था तबाह, उसे हमने कर लिया दुरुस्त...

दुबई। पिछले महीने 12 दिनों के ईरान-इजरायल संघर्ष के दौरान इजरायली सुरक्षा बलों के हमले में ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। अब ईरान ने इजरायल को ललकारते हुए कहा है कि उसने एक महीने के अंदर अपनी वायु वायु रक्षा प्रणालियों को दुरुस्त कर लिया है। ईरान की डेफा प्रेस समाचार एजेंसी ने रविवार को सेना के नियमित संचालन उप प्रमुख महमूद मौसवी के हवाले से बताया है कि ईरान ने पिछले महीने इजरायल के साथ हुए संघर्ष के दौरान क्षतिग्रस्त हुई वायु रक्षा प्रणालियों को बदल दिया है। जून में हुए संघर्ष के दौरान, इजरायली वायु सेना ने ईरान के हवाई क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाते हुए ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों को भारी नुकसान पहुंचाया था। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरानी सशस्त्र बलों ने भी इजरायली क्षेत्र पर लगातार मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार की थी। ईरान के हमलों में भी इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम को भी नुकसान पहुंचा था। इसी वजह से ईरान ने इजरायल के हाइफा और तेल अवीव में सैन्य अड्डों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमले किए थे।

बहरहाल, मौसवी ने कहा, "हमारी कुछ वायु रक्षा प्रणालियां क्षतिग्रस्त हो गई थीं, यह ऐसी बात नहीं है जिसे हम छिपा सकें, लेकिन हमारे सहयोगियों ने घरेलू संसाधनों का उपयोग करके उन्हें पूर्व-निर्धारित प्रणालियों से बदल दिया है जिन्हें हवाई क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए उपयुक्त स्थानों पर रखा गया था।"

बब्बर खालसा के तीन आतंकी पंजाब से अरेस्ट

पाक खुफिया एजेंसी ISI से मिल रहे थे ऑर्डर

चंडीगढ़। पंजाब में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। काउंटर इंटेलिजेंस पटियाला और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल मोहाली ने खुफिया सूचना के आधार पर ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों आरोपी 1 अप्रैल को पटियाला के बादशाहपुर और 6 अप्रैल 2025 को हरियाणा के अजीमगढ़ में पुलिस चौकी पर हुए ग्रेनेड हमलों में शामिल थे। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि तीनों आतंकियों को विदेशों में बैठे हैंडलरों से वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता मिल रही थी। ग्रीस में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के मनु अगवान और मलेशिया के मनिंदर बिल्ला इन्हें हैंडल कर रहे थे। यह मॉड्यूल पाकिस्तान स्थित आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर काम कर रहा था। आतंकियों से दो हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर और एक .32 बोर की पिस्तौल बरामद की गई हैं। तीनों के खिलाफ एसएसओसी मोहाली में विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

दुश्मनों की खैर नहीं! सेना को मिलेंगे खतरनाक अपाचे हेलीकॉप्टर्स

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

खराब मौसम में भी अचूक होगा निशाना

भारतीय सेना को आखिरकार 15 महीनों की देरी के बाद अपाचे हेलीकॉप्टर्स के पहले बैच की डिलीवर किए जाएंगे। Apache- 64E हमलावर हेलीकॉप्टर्स सेना की क्षमता को बढ़ाने के लिहाज से अहम साबित हो सकते हैं। हाल ही में पाकिस्तान के साथ भारत का सैन्य टकराव हुआ था। ऐसे में अगर अपाचे हेलीकॉप्टर्स अगर सेना के पास होते तो सेना की लड़ाकू क्षमता में ज्यादा सहूलियतें मिल सकती थीं। पहले तीन अपाचे हेलीकॉप्टर्स 22 जुलाई को भारतीय सेना की एविएशन कोर को सौंपे जाने की संभावना है। बता दें कि भारतीय सेना ने 2020 में छह अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों के लिए अमेरिका के साथ 600 मिलियन अमरीकी डालर का सौदा किया था। इनकी डिलीवरी जून 2024 में होनी थी, लेकिन यह डिलीवरी 15 महीने की देरी से हो रही है। अपाचे हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी में देरी की वजह अमेरिका में तकनीकी समस्याओं को बताया गया। इसके चलते ही पहले ये डिलीवरी डेट दिसंबर 2024 तक खिसक गई थी लेकिन फिर भी अब ये डिलीवरी अब होने वाली है। अमेरिका से छह अपाचे हेलीकॉप्टर तीन-तीन के दो बैचों में आने वाले थे। दूसरा बैच इस साल के अंत में आने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि आर्मी एविएशन कोर ने मार्च 2024 में जोधपुर के नागतलाव में अपना पहला अपाचे स्क्वाड्रन तैयार किया। पायलट और ग्राउंड स्टाफ को उड़ान संचालन के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया गया, लेकिन स्क्वाड्रन अपने गठन के बाद से हमलावर हेलीकॉप्टरों के बिना ही रहा है। अपाचे एएच-64ई हेलीकॉप्टर अपनी खतरनाक मारक क्षमता और दुश्मनों को सटीक निशाना बनाने की क्षमता इसे अहम बनाती है, जिसे भारतीय सेना के लिए अहम माना जा रहा है। भारतीय वायु सेना ने 2015 के एक अलग समझौते के तहत 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों को पहले ही शामिल कर लिया है। भारतीय सेना अभी भी अपनी जमीनी हमले की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इन उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की प्रतीक्षा कर रही है।

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर समरौली के पास भूस्खलन

महानगर नेटवर्क
श्रीनगर

कश्मीर जाने वाला रास्ता बंद

जम्मू-कश्मीर में समरौली के पास देवाल ब्रिज के नजदीक रविवार को एक भूस्खलन की घटना हुई, जिससे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की ऊपरी लेन (कश्मीर की ओर जाने वाला मार्ग) अवरुद्ध हो गया। भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है और प्रशासन द्वारा मलबा हटाने का कार्य जारी है। सड़क को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश की जा रही है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे राज्य का एकमात्र प्रमुख संपर्क मार्ग है, जो जम्मू को कश्मीर घाटी से जोड़ता है। ऐसे में इस मार्ग पर भूस्खलन से न केवल यात्री परेशान हैं, बल्कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ सकता है। उधमपुर में भी बारिश से पूरे जिले में सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। धार रोड पर दुधर नाले के पास बुधवार को सुबह भूस्खलन होने से करीब डेढ़ घंटे वाहनों की आवाजाही ठप रही। इससे घटनास्थल के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे वाहनों के चालक व यात्री परेशान होते रहे। सड़क पर पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थरों के साथ मलबा भी गिरा था। इससे सड़क पूरी तरह से बंद हो गई थी। एकतरफा भी वाहनों को नहीं निकाला जा सकता था। सूचना मिलने के बाद विभागीय टीम जेसीबी और कर्मचारियों के साथ पहुंच गई। जेसीबी की मदद से सड़क से बड़े-बड़े पत्थरों को हटाया। साथ ही मलबा साफ किया गया। इसके बाद वाहनों को दोनों तरफ से निकाला जाना शुरू कर दिया गया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा बीच में छोड़कर भारत लौटीं मीनाक्षी लेखी

घोड़े से गिरकर आई थी गंभीर चोट

पिथौरागढ़। तिब्बत में घोड़े से गिरकर घायल हुईं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा बीच में छोड़कर भारतीय भूभाग में स्थित गुंजी शिविर लौट आई हैं जहां से आज सुबह उन्हें हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल पहुंचाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा के दूसरे दल में शामिल लेखी तिब्बत में दार्चिनी में घोड़े से गिरकर चोटिल हो गईं थीं जिसके बाद उन्हें वहीं से अपनी यात्रा बीच में छोड़कर गुंजी लौटना पड़ा। पिथौरागढ़ के जिला सूचना अधिकारी संतोष चंद ने कहा, "दार्चिन में घायल श्रद्धालु (लेखी) को चीन के अधिकारियों ने लिपुलेख तक पहुंचाया जहां से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के कर्मी उन्हें गुंजी शिविर तक ले आए हैं।" दार्चिन वह स्थान हैं जहां से कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की परिक्रमा शुरू होती है। जिला प्रशासन लेखी को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाने के लिए मौसम के साफ होने का इंतजार कर रहा था लेकिन ऐसा न होने की स्थिति में अब उन्हें सोमवार सुबह भेजा जाएगा। धारचूला के उपजिलाधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मौसम ठीक न होने के कारण लेखी रात गुंजी में ही बिताएंगी।

राहुल गांधी के बयान से मचा बवाल

'ऐसे तो नहीं चलेगा...' ■ INDIA गठबंधन की बैठक में ही भड़के वाम दल

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी INDIA गठबंधन के 24 दलों की वर्चुअल बैठक शनिवार को हुई। लेकिन इस बैठक से ठीक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान ने गठबंधन में फूट की आहट पैदा कर दी है। दरअसल, केरल के कोट्टायम में राहुल गांधी ने RSS और CPM दोनों से लड़ने की बात कही थी, जिस पर वामपंथी दलों ने कड़ी नाराज़गी जताई और बैठक में इस मुद्दे को उठाया।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा था, "मैं RSS और CPI(M) दोनों से वैचारिक लड़ाई लड़ता हूं। मेरी सबसे बड़ी शिकायत यह है कि इनमें लोगों के लिए कोई संवेदना नहीं है। आप कितनी भी बातें करें, लेकिन जब तक आप लोगों को महसूस नहीं करते, गले नहीं लगाते, तब तक आप नेता नहीं बन सकते।" उनके इस बयान से केरल में कांग्रेस की पुरानी सहयोगी CPM (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी) नाराज़ हो गई। CPI के वरिष्ठ नेता डी. राजा ने विपक्षी गठबंधन की बैठक के दौरान राहुल गांधी का नाम लिए बिना ही उनके बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान वामपंथी कार्यकर्ताओं में गलत संदेश भेजते हैं और इनसे बचना चाहिए।

CPM की ओर से भी बयान जारी कर कहा गया, "राहुल गांधी ने जो RSS और CPM की तुलना की है, वह न केवल अनुचित बल्कि निंदनीय भी है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि केरल में RSS के खिलाफ सबसे मुखर लड़ाई CPM ही लड़ रही है। कांग्रेस और RSS अक्सर एक जैसी भाषा बोलते हैं, खासकर जब वे कम्युनिस्टों पर हमला करते हैं।"

पृष्ठ एक का शेष

ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार चर्चा को तैयार

कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर पार्टियों ने कहा है कि इन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। हम खुले दिल से चर्चा के लिए तैयार हैं। हम नियमों और परंपराओं के अनुसार काम करते हैं और इनका बहुत महत्व रखते हैं। इसलिए हम हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे, लेकिन नियमों और परंपराओं के अनुसार। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी राय रखी। एनडीए, यूपीए (इंडिया गठबंधन) और उनके बीच के दलों ने अपनी राय रखी है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में ले जाएंगे, क्या चर्चा करनी है और क्या नहीं, इसका फैसला बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में किया जाएगा।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आएगा महाभियोग प्रस्ताव

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा मामले में सभी पक्ष मिलकर प्रक्रिया अपनाएंगे। यह अकेले सरकार का कदम नहीं है। मामले को लेकर हस्ताक्षर की प्रक्रिया चल रही है और यह पहले ही 100 को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न दलों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें बहुत अच्छी और प्रभावी रहीं और उन सभी अच्छे अनुभवों को राष्ट्र के सामने साझा किया जाना चाहिए। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

एक दिन पहले राजनीति से संन्यास का ऐलान

AAP विधायक अनमोल गगन ने वापस लिया अपना इस्तीफा

महानगर नेटवर्क
चंडीगढ़

पंजाब में आम आदमी पार्टी की खरड़ से विधायक अनमोल गगन मान का इस्तीफा पार्टी ने नामंजूर कर दिया है। इसके बाद उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। आम आदमी पार्टी पंजाब के अध्यक्ष अमन अरोड़ा विधायक अनमोल गगन मान से उनके निवास स्थान जीरकपुर में मुलाकात की है। इस संबंध में अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि मैं अनमोल गगन मान से पारिवारिक माहौल में मिला। पार्टी ने विधायक पद से उनका इस्तीफा नामंजूर करने का फैसला किया है। अनमोल गगन मान ने भी इस फैसले को स्वीकार कर लिया है। मैंने उनसे पार्टी और क्षेत्र की प्रगति के लिए मिलकर काम करते रहने का अनुरोध किया। अनमोल आम आदमी पार्टी के परिवार का हिस्सा थीं, हैं और रहेंगी। वहीं, उनके इस्तीफे पर उनके इस्तीफे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि

मुझे अनमोल के इस्तीफे को लेकर सीमित जानकारी मिली है। पार्टी जल्द ही एक मीटिंग बुलाएगी और इस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। विधायक अनमोल गगन मान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा था कि मेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। स्पीकर से अनुरोध है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी। उन्होंने मोहाली की खरड़ विधानसभा सीट से चुनाव जीता और विधायक बनीं। इसके बाद उन्हें पर्यटन व संस्कृति मंत्री बनाया गया, लेकिन 2024 में मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। पिछले कुछ समय से वह राजनीतिक गतिविधियों से दूर थीं। विधायक अनमोल गगन मान के विधानसभा से इस्तीफे के ऐलान के बाद पंजाब की सियासत गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे जनता के पांच साल के जनादेश से विश्वासघात बताया था तो वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने इस मुद्दे पर तीखा हमला बोलते हुए इसे आम आदमी पार्टी का अंत समय बताते हुए कहा था कि पार्टी ईंट दर ईंट गिर रही है। वहीं अगर अनमोल गगन मान का इस्तीफा यदि स्वीकार होता है तो तरनतारन के साथ साथ पार्टी को खरड़ उपचुनाव में भी उतरना पड़ सकता था।

आग की लपटों के बीच आसमान में फंसा विमान

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अटलांटा जा रहे डेल्टा एयरलाइंस के एक विमान के साथ एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। उड़ान भरने के तुरंत बाद ही इस विमान के इंजन में आग लग गई जिसके बाद उसे वापस अपने गंतव्य LAX पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग करते ही एयरपोर्ट के अग्निशमन दल ने इंजन में लगी आग को तुरंत बुझा दिया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है जो एक बड़ी राहत की बात है। उड़ान भरते हुए विमान के इंजन में आग लगने का यह भयानक दृश्य एक वीडियो में कैद हो गया। वहीं विमान की आपातकालीन लैंडिंग को रिकॉर्ड किया गया जिसमें विमान के बाएँ इंजन से आग की लपटें निकलती हुई साफ दिख रही थीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है।

बाहर हो रही है बारिश तो घर में करें ये 3 आसान एक्सरसाइज

रनिंग और जिम ट्रेनिंग से कम नहीं

बरसात के मौसम में बाकी दिनों की तुलना बीमार पड़ने का खतरा ज्यादा रहता है। दरअसल, इस मौसम में आस-पास इंफेक्शन से लेकर फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं तक, लोग कई बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। ऐसी स्थति में जरुरत इस बात की होती है कि आप इम्यूनिटी बढ़ाए रखें ताकि आपको इन समस्याओं से बचाव हो सके। ऐसी में रेगुलर एक्सरसाइज करना आपको कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकता है। साथ ही ये आपके फेफड़ों को हेल्दी रखता है और मौसमी इंफ्केशन से बचाता है। लेकिन, बाहर बारिश होने से इस मौसम में लोग एक्सरसाइज से बचते हैं। तो, आइए जानते हैं कुछ ऐसे वर्कआॅउट के बारे में जिन्हें आप घर में भी कर सकते हैं।

ब्रिदिंग एक्सरसाइज

ब्रिदिंग एक्सरसाइज करना फेफड़ों को मजबूत करने में मददगार है। ये बारिश में एलर्जी राइनाइटिस और अस्थमा को ट्रिगर करने से बचाता है। इसके अलावा ये आपके श्वसन तंत्र को मजबूती देता है और मौसमी इंफेक्शन और फ्लू से बचाता है। तो, घर में योगा मैट लगाएं और फिर आराम से बैठकर ब्रिदिंग एक्सरसाइज करें। इससे आप बेहतर महसूस करेंगे।

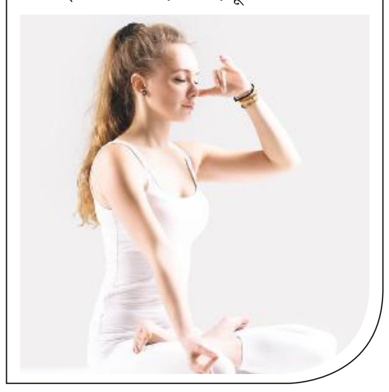

पुशअप्स लगाना

पुशअप्स लगाना,वेट लॉस और मांसपेशियों के लिए एक इंटेंस एक्सरसाइज है। इसमें पेट को सिकोड़ कर और अपनी नाभि को अपनी रीढ़ की ओर खींचकर अपने कोर को कस लेना होता है। सांस लेते हुए धीरे-धीरे अपनी कोहनियों को मोड़ें और अपने आप को वापिस फर्श पर ले आएं, जब तक कि आपकी कोहनियां 90 डिग्री के कोण पर न आ जाएं। अपनी छाती की मांसपेशियों को सिकोड़ते हुए सांस छोड़ें और अपने हाथों से वापस ऊपर की ओर लेते हुए लौट आएं।

स्क्वाट्स और जंपिंग जैक एक्सरसाइज

स्क्वाट्स और जंपिंग जैक एक्सरसाइज, किसी जिम ट्रेनिंग से कम नहीं है। आप इसे आराम से घर पर बैठकर कर सकते हैं। इसके अलावा आप जंपिंग जैक एक्सरसाइज भी कर सकते हैं जो कि फुल बॉडी वर्कआउट है। ये आपकी मांसपेशियों की टोनिंग से लेकर आपके फेफड़ों और रीढ़ की हड्डी तक को स्वस्थ बनाता है। तो बारिश हो और आप बाहर एक्सरसाइज करना नहीं चाहते हैं तो घर पर इन एक्सरसाइज को करके आप हेल्दी रह सकते हैं।

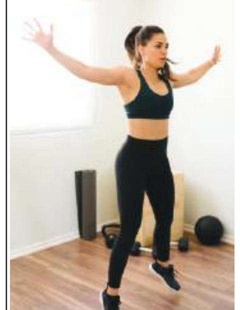

सावन का दूसरा सोमवार और सावन कामिका एकादशी का शुभ संयोग

सावन मास का दूसरा सोमवार और कामिका एकादशी का व्रत 21 जुलाई को पड़ रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत विशेष है। इस दिन भगवान शिव को समर्पित सोमवार के साथ-साथ भगवान विष्णु को प्रिय कामिका एकादशी का संयोग भी बन रहा है। इस दुर्लभ संयोग के साथ कई शुभ योग भी बन रहे हैं, जो इस दिन को और भी महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस दिन व्रत रखकर विधि विधान के साथ भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख-शांति, समृद्धि, यश, लाभ की प्राप्ति होगी और सभी इच्छाएं पूरी होंगी। आइए जानते हैं धार्मिक महत्व, शुभ योग, पूजा विधि

बन रहे हैं शुभ योग

दृक पंचांग के अनुसार, 21 जुलाई को सावन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि सुबह 09 :38 तक रहेगी, इसके बाद द्वादशी तिथि शुरू होगी। नक्षत्र रोहिणी रात 09 :07 तक, उसके बाद मृगशीर्षा रहेगा। सूर्य कर्क राशि में रहेंगे और वृद्धि योग शाम 06 :38 तक रहेगा। वृद्धि योग के साथ ध्रुव योग का दुर्लभ संयोग बनेगा। साथ ही इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। यह संयोग भगवान विष्णु और शिव की कृपा प्राप्त करने का विशेष अवसर है।

सावन सोमवार का महत्व

भगवान शिव की पूजा का यह सर्वोच्च दिन माना गया है। सावन मास, विशेषतः सोमवार, शिवजी को अत्यंत प्रिय है। इसमें व्रत, जलाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा आदि अर्पित करना कल्याणकारी होता है। यह व्रत मनोकामना पूर्ति, वैवाहिक सुख, रोग नाश और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। सावन सोमवार के अलावा सावन की प्रमुख तिथियों का व्रत करने से जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और हर कार्य सिद्ध होते हैं।

जब दोनों व्रत एक ही दिन हों

सावन सोमवार और कामिका एकादशी व्रत का दिन शिव और विष्णु दोनों की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर होता है। ऐसा संयोग अत्यंत दुर्लभ होता है और विशेष पुण्यफलदायक माना गया है। दोनों व्रत करने वाले को संपूर्ण भौतिक एवं आध्यात्मिक लाभ, कर्मों की शुद्धि और मोक्ष मार्ग की प्राप्ति का योग बनता है।जब कामिका एकादशी सोमवार को पड़े, तो वह सभी तीर्थों के स्नान से भी अधिक पुण्य देने वाली होती है।

कामिका एकादशी का महत्व

महाभारत काल में स्वयं भगवान कृष्ण ने युधिष्ठिर को कामिका एकादशी के महत्व को बताया था। यह व्रत देवशयनी एकादशी के बाद पहली एकादशी होती है, जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा से सुख-समृद्धि, पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ब्रह्माजी ने नारदजी को बताया था कि इस व्रत की कथा सुनने मात्र से महायज्ञ का फल मिलता है। इस दिन गंगा में स्नान का भी विशेष विधान है। धार्मिक मान्यता है कि यह व्रत करने से न केवल भगवान विष्णु और पितरों का आशीर्वाद मिलता है, बल्कि बिगड़े कार्य भी बनने लगते हैं। इस दिन भक्ति भाव से किया गया भगवान शिव और भगवान नारायण का पूजन जीवन के कष्ट दूर करता है।

इस विधि से करें भगवान शिव और भगवान विष्णु का पूजन

कामिका एकादशी पर प्रात:काल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। भगवान विष्णु को पंचामृत, जल से स्नान कराने के बाद चंदन, हल्दी लगाएं और फूल, तुलसी पत्र और भोग अर्पित करने के बाद दीप, धूप जलाकर कल्याण के लिए प्रार्थना करें और कथा सुनें। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और एकादशी व्रत कथा सुनें। तुलसी के दर्शन और पूजन से भी समस्त पाप नष्ट होते हैं।

भोले बाबा को प्रिय भांग को माना गया है आयुर्वेदिक औषधि

भगवान भोले नाथ की पूजा में उन्हें भांग और धतूरा जैसी चीजें चढ़ाई जाती हैं। भांग एक नशीली चीज है ये बात तो सभी जानते हैं। भांग खाने से दिमाग काम करना बंद कर देता है और दिमाग का विकास रुक जाता है। यहीं नहीं भांग की वजह से हार्ट अटैक, और ब्लड प्रेशर बढ़ने की संभावना रहती है। आंखे लाल होना, सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्या होने लगती है। भांग की नशीली पत्तियों को पीने या खाने से बहुत सारे नुकसान है। लेकिन इसके साथ ही भांग को आयुर्वेदिक औषधि में गिना जाता है। जिसे अगर आयुर्वेदिक डाक्टर के बताए गए तरीकों के साथ खाया जाए तो कुछ रोगों में भी आराम मिलता है। चलिए जानें भांग की पत्तियों को आयुर्वेदिक डॉक्टर के अनुसार खाने से कौन सी बीमारियों में आराम मिलता है।

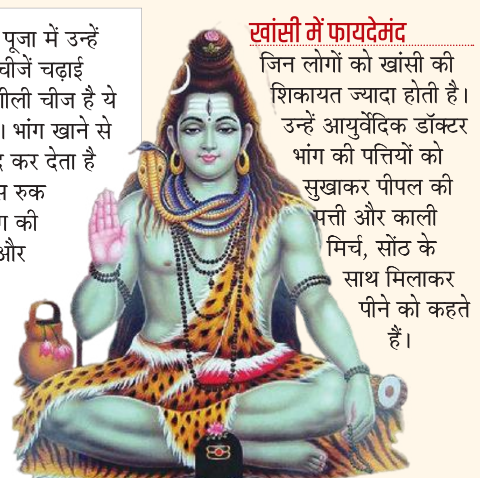

इन बीमारियों में करता है फायदा

खांसी में फायदेमंद

जिन लोगों को खांसी की शिकायत ज्यादा होती है। उन्हें आयुर्वेदिक डॉक्टर भांग की पत्तियों को सुखाकर पीपल की पत्ती और काली मिर्च, सोंठ के साथ मिलाकर पीने को कहते हैं।

डाइजेशन में सुधार

आयुर्वेद के अनुसार भांग के पत्तों से डाइजेशन सही होता है। सुबह खाली पेट भांग की दो से तीन पत्तियों को चबाने से पाचन शक्ति सही होती है।

घाव भरने में मदद

शरीर के किसी हिस्से पर घाव हो गया है और जख्म सही नहीं हो रहा तो भांग की पत्तियों को पीसकर लेप लगाने से घाव जल्दी भरने लगता है।

सिर दर्द में आराम

आयुर्वेद के मुताबिक सिर में दर्द अगर बना रहता है तो भांग की पत्तियों के रस को निकालकर कान में दो से तीन बूंद डालने से सिर के दर्द में आराम मिलता है।

मुंहासें दूर करने में मदद

स्किन पर होने वाली पिंपल, एक्ने और दाग की समस्या को दूर करने में भांग मदद करता है। भांग की पत्तियों को पीसकर लेप को चेहरे के पिंपल वाले हिस्से पर लगाएं। स्किन की प्रॉब्लम जल्दी ही ठीक हो जाएगी।

दिमाग को बचाए

नॉटिंघम यूनिवर्सिटी की रिसर्च के मुताबिक भांग स्ट्रोक के असर को कम करता है। स्ट्रोक की समस्या होने पर भांग को लेने से स्ट्रोक का असर कम होता है।

अगर आप भी हर समय यूज करते हैं सोशल मीडिया

तो जानें इस एडिक्शन के नुकसान

आज विश्व सोशल मीडिया डे दुनियाभर में सेलिब्रेट किया जाता है। इस खास दिन को मनाने के पीछे की वजह यह है कि लोगों को इसके प्रति जागरुक किया जा सके। आज के समय में सोशल मीडिया एक छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई दिन रात इस्तेमाल कर रहा है। सोशल मीडिया का यूज इतना होता है कि लोग खाना खा रहे हों या फिर वॉशरूम यूज कर रहे हों, उनके हाथ से कभी भी मोबाइल दूर नहीं होता। जाने अनजाने में ये एक एडिक्शन बन जाता है जिसका बुरा असर हमारी सेहत पर पड़ता है।

टॉयलेट में मोबाइल इस्तेमाल के नुकसान

घर का टॉयलेट हो या फिर ऑफिस या किसी मॉल का हर जगह हानिकारक बैक्टीरिया होते हैं। ऐसे में अगर आप टॉयलेट में बैठकर मोबाइल का इस्तेमाल चैट करने में सोशल मीडिया यूज करने में या फिर गाने सुनने में करते हैं तो टॉयलेट में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया आपको फोन से चिपक जाएंगे। इन बैक्टीरिया से आपको कब्ज, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (UTI) और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पॉश्चर बिगड़ना

अक्सर ऐसा देखा गया है कि लोग मोबाइल में सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए उसमें इतना बिजी हो जाते हैं कि गलत तरीके से घंटों तक बैठे रहते हैं। ऐसे उन्हें गलत तरीके से बैठने की आदत पड़ जाती है, जिसके कारण अक्सर कमर दर्द की समस्या रहती है।

मोबाइल के इस्तेमाल से गर्दन में दर्द

कई बार लोग सोशल मीडिया का यूज करते हुए उसमें इतने मशगूल हो जाते हैं कि कई कई घंटे तक अपनी गर्दन को झुकाकर बैठे रहते हैं। ऐसा करने के कारण हाथ, कंधे या गर्दन में दर्द हो सकता है। घंटों तक स्मार्टफोन को देखने से कंधों और गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव आने की संभावना रहती है।

मोबाइल से आखें कमजोर होती हैं

अगर आप अभी अपने फोन में खुद का स्क्रीन टाइम चैक करेंगे तो कम से कम 3 से 4 घंटे निकलेगा। ऑफिस में कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद अगर आप ऐसे ही मोबाइल में सोशल मीडिया चलाते रहेंगे तो इसका असर आपकी आंखों पर पड़ेगा। यही कारण है कि आजकल कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मे लगने लगे हैं।

डेंगू के मरीज की डाइट में शामिल करें ये फूड्स

तेजी से बढ़ेगा प्लेटलेट्स

मानसून में डेंगू संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते हैं। इस बीमारी में तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और त्वचा पर लाल चकत्ते आदि समस्याएं होती हैं। डेंगू के मरीज को भूख न लगने की भी समस्या होती है। हालांकि मरीज की डाइट में कुछ चीज़ों को शामिल कर प्लेटलेट्स काउंट को कम होने से रोका जा सकता है। इसलिए इस बीमारी में खानपान का विशेष रूप से ख्याल रखें। तो आइए जानते हैं, डेंगू के मरीजों को अपनी डाइट में किन चीज़ों को शामिल करना चाहिए।

❒ अनार

अनार आवश्यक पोषक तत्वों और खनिजों से भरपूर होता है, जो शरीर को ऊर्जावान रखता है। अगर आप नियमित रूप से अनार का सेवन करते हैं, तो इससे थकान दूर होती है। यह आयरन का समृद्ध स्रोत है। रक्त प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए डाइट में अनार शामिल कर सकते हैं।

❒ लहसुन

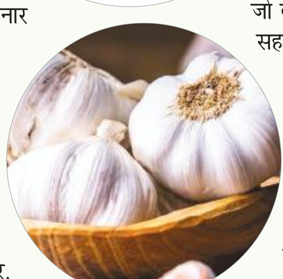

लहसुन में एंटी-वायरल गुण पाए जाते हैं। यह खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इससे इम्युनिटी मजबूत होती है। लहसुन खाने से सूजन, बुखार, गले में खराश आदि समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसमें मौजूद एंटी फंगल गुण डेंगू से उबरने में मदद करते हैं।

❒ दही

दही पाचन के लिए बेहतर माना जाता है। यह इम्यून सिस्टम को ठीक रखता है। यह एक प्रोबायोटिक के रूप में काम करता है, जो आंत की सेहत को बढ़ावा देता है।

❒ ग्रेपफ्रूट

ग्रेपफ्रूट को चकोतरा के नाम से भी जाना जाता है। इसमें विटामिन-सीऔर एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। जो इम्युनिटी बढ़ाते हैं। यह फल शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक है। जिससे आप कई तरह के संक्रमण से बच सकते हैं।

❒ हल्दी

हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो मेटाबोलिज्म को बेहतर बनाते हैं। डेंगू से जल्दी रिकवरी के लिए आप नियमित रूप से दूध में हल्दी मिलाकर जरूर पिएं।

❒ मेथी के दाने

मेथी को दाने डेंगु में काफी कारगर हैं। यह हल्के ट्रैंक्विलाइज़र की तरह काम करती है, जो दर्द को कम करने में सहायक है।

❒ ब्रोकली

ब्रोकली विटामिन के का समृद्ध स्रोत है। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं। यह रक्त प्लेटलेट्स को बढ़ाने में बेहद मददगार है। अगर आप डेंगू से बचना चाहते हैं, तो आप अपनी डाइट में ब्रोकली जरूर शामिल करें।

कैसे बनाई जाती है गरमा गरम जलेबी

यहां प्रस्तुत हैं गरमा गरम जलेबी खाने और खिलाने वाले शौकीन लोगों के लिए जलेबी बनाने की एकदम सरल रेसिपी। इस आसान विधि से आप घर पर ही क्रंची और रसभरी जलेबी बनाकर इसका आनंद उठा सकते हैं। यहां प्रस्तुत हैं इसकी खास सामग्री और पूरी जानकारी...!

जलेबी की सामग्री : 1/2 कप मैदा, 1 चम्मच कॉर्न फ्लोर/कॉर्न स्टार्च या अरारोट पाउडर, 1/4 कप दही, पीला रंग पाने के लिए 1 चुटकी हल्दी पाउडर, 1/4 कप पानी, 1/4 चम्मच बेकिंग पाउडर।

चाशनी की सामग्री : 1/2 कप शकरँ 1/4 कप पानी, 1 चम्मच नींबू का रस, कुछेक केसर के लच्छे, चुटकीभर इलायची पाउडर।

विधि : एक बाउल में मैदा छान लें। फिर उसमें 1 चम्मच अरारोट, 1/4 चम्मच बेकिंग पाउडर, चुटकीभर हल्दी पाउडर और 1/4 कप दही डाल दें। अब आवश्यकतानुसार पानी डालें और गाढ़ा घोल तैयार कर लें। इस घोल को 24 घंटे के लिए कमरे के तापमान पर ढंककर खमीर उठाने के लिए रखे दें। अब 1 पतीले में शकर, पानी और केसर डालकर धीमी आंच पर पकने के लिए रख दें। जब 1 तार की चाशनी बन हो जाए तो उसमें नींबू का रस और इलायची पाउडर डालें। 1 जिपलॉक बेग या कपड़े में छोटासा होल करके घोल उसमें भर लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर घी और थोड़ासा तेल मिलाकर गरम करके जिपलॉक बैग या कपड़े के घोल को दबाते हुए गोल-गोल घुमाते हुए जलेबी बना लें और उन्हें हल्का सुनहरी तथा क्रंची होने तक तल लें।

ब्रेस्टफीडिंग करवाने से मां और बच्चे दोनों रहते हैं सेहतमंद

एक बच्चे के लिए उसकी मां का दूध अमृत के समान माना गया है। मां के दूध में शिशु के विकास और पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले सभी गुण मौजूद होते हैं। यही वजह है कि नवजात के जन्म लेने के 6 महीने बाद तक उसे सिर्फ स्तनपान पर ही निर्भर रखने की सलाह दी जाती है। ब्रेस्ट मिल्क में मौजूद एंटीबायोटिक बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के साथ पेट से जुड़ी गड़बड़ियों की आशंका का खतरा भी कम करते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्टफीडिंग के जरिए मां और बच्चे के बीच एक इमोशनल बॉन्ड भी बनता है। मां और नवजात दोनों के लिए ब्रेस्टफीडिंग के इतने फायदे होने के बावजूद डॉ टी जे एंटनी की मानें तो भारत सहित पूरी दुनिया में स्तनपान की दर लगातार घट रही है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार भारत में स्तनपान की दर में लगातार गिरावट देखी गई है। पिछले 6 महीने में स्तनपान द्वारा पोषण केवल 41.6 प्रतिशत शिशुओं को ही मिल पाया है।

मिलते हैं ये गजब के फायदे

स्तनपान की गिरती दर का कारण

सर्वे में बताया गया है कि स्तनपान की इस गिरती दर का कारण जागरुकता की कमी, इन्फेंट फार्मूला की होती लगातार मार्केटिंग, स्तनपान कराने वाली मांओं के लिए सपोर्ट और बुनियादी ढांचे की कमी, सांस्कृतिक विश्वास, और आधुनिक जीवनशैली का दबाव हो सकते हैं।

स्तनपान को लेकर महिलाओं को अभी जागरुक होने की जरूरत है, ताकि माताएं पूरी जानकारी व भरोसे के साथ इस बारे में सही निर्णय ले सकें।

आइए जानते हैं ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बच्चे को ही नहीं बल्कि मां को भी मिलते हैं क्या-क्या फायदे।

ब्रेस्टफीडिंग के शिशुओं के लिए फायदे

- ☛ ब्रेस्टफीडिंग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि स्तनपान करवाने से शिशुओं को सबसे अच्छा पोषण मिलता है। स्तन में दूध शिशुओं के पोषण की जरूरतों के अनुरूप होता है, इसमें प्रोटीन, फैट, कार्बोहाईड्रेट, और आवश्यक विटामिन एवं मिनरल्स संतुलित मात्रा में मौजूद होते हैं।
- ☛ मां के स्तन से निकला दूध शिशुओं की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करके उन्हें एंटीबॉडी प्रदान करता है, जो भविष्य में उनके शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है।
- ☛ ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बच्चों में एलर्जी, अस्थमा, औरएक्जिमा का जोखिम कम हो जाता है, और उनकी श्वसन प्रणाली मजबूत बनती है।
- ☛ स्तनपान करवाने से बच्चों में संज्ञानात्मक विकास बेहतर होता है, जिससे उनके आईक्यू स्कोर का अच्छा विकास होता है।
- ☛ स्तन का दूध पचने में आसान होता है, इसलिए बच्चों में कब्ज और डायरिया जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर केएल राहुल

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं।

सिर्फ 60 रन दूर

मैनचेस्टर (यूके)। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा। अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें "दुख होता है"। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है। मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (SENA) देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं। दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है।

चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मैनचेस्टर पहुंची

इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा मुकाबला

मैनचेस्टर (यूके)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की 5 मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया रविवार को मैनचेस्टर पहुंची। यह टेस्ट मैच बुधवार 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। जिन खिलाड़ियों के यहां पहुँचने की सूचना मिली, उनमें टीम के कप्तान शुभमन गिल, उप-कप्तान ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल शामिल थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन, दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण नायर, अनकैप्ड खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी जैसे अन्य खिलाड़ी भी मैनचेस्टर पहुंचते ही सुर्खियों में आ गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुछ अन्य खिलाड़ियों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर के साथ विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल शामिल थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आए। 193 रनों का पीछा करते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों और रवींद्र जडेजा के संघर्षपूर्ण प्रयास के बावजूद लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट सिर्फ 22 रन से हारने के बाद भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और चौथे टेस्ट में जीत दर्ज करना चाहेगी।

भारत की टीम :

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

टेस्ट के बाद टी-20 में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी वेस्टइंडीज टीम

किंग्सटन। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की क्लीन स्वीप कर दिया। तीनों ही मैचों में एक समय वेस्टइंडीज की टीम अच्छी स्थिति में दिख रही थी लेकिन अंत में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मार ली। अब दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज शुरू होने वाली है। अगले साल की शुरुआत में ही टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में दोनों ही टीमें तैयारी के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। सीरीज का पहला मैच जमैका के किंग्टन स्थित सबिना पार्क में होगा। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच स्थानीय समय अनुसार 20 जुलाई को शाम 7 बजे से खेला जाएगा। हालांकि भारत में उस समय 21 जुलाई की सुबह के 5 बजकर 30 मिनट पर समय हो रहा होगा। यानी मैच में यह मैच 21 जुलाई को होगा। इस मैच को लाइव देखने के लिए फैनकोड के ऐप और वेबसाइट पर जा सकते हैं। भारत में इस मैच की सिर्फ स्ट्रीमिंग होगी। यह किसी भी चैनल पर टेलीकास्ट नहीं किया जाएगा। टेस्ट और वनडे में भले ही टी20 में वेस्टइंडीज की टीम पहले के मुकाबले काफी कमजोर हो गई है। लेकिन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा नहीं है। दो बार की चैंपियन वेस्टइडडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने 22 मैच खेले हैं। इसमें टीम को 11 जीत और 11 हार मिली है। अंतिम 5 मैचों में वेस्टइंडीज को सिर्फ एक जीत मिली है। आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में वेस्टइंडीज का दौरा करते हुए टी20 सीरीज खेला था और इसमें उसे करारी हार मिली थी।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल ओवेन, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, मिचेल मार्श (कप्तान), कैमरून ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, एडम ज़म्पा, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, मैथ्यू कुहनेमन, बेन ड्वार्शुइस।

वेस्टइंडीज: एविन लुईस, ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरोन हेटमायर, शेरफेन रदरफोर्ड, रोवमैन पॉवेल, रोमारियो शेफर्ड, आंद्रे रसेल, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, जेडिया ब्लेड्स, ज्वेल एंड्रयू, रोस्टन चेज, गुडाकेश मोटी।

विश्व लीजैंड्स चैम्पियनशिप

धवन समेत भारतीय सितारों ने किया बहिष्कार, भारत-पाकिस्तान मैच रद्द

बर्मिंघम। पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकवादी हमले का हवाला देकर शिखर धवन समेत कई भारतीय सितारों के खेलने से इनकार के बाद विश्व लीजैंड्स चैम्पियनशिप (WCL) में भारत और पाकिस्तान के 'वेटरन' खिलाड़ियों के बीच रविवार को यहां होने वाला मैच रद्द कर दिया गया है। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इस चैम्पियनशिप के सह मालिक है और इसका दूसरा सत्र 18 जून को एजबेस्टन में शुरू हुआ था। इसका फाइनल मुकाबला दो अगस्त को खेला जाएगा। विश्व कप विजेता युवराज सिंह इंडिया चैम्पियंस टीम के कप्तान है जिसमें हरभजन सिंह, इरफान पठान, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और वरुण आरोन जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। WCL के आयोजकों ने 'एक्स' पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए मैच रद्द करने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस मुकाबले का उद्देश्य भारत-पाकिस्तान के बीच फिर से कुछ 'सुखद यादें' बनाना था। बयान में कहा गया, 'जब हमें पता चला कि इस वर्ष पाकिस्तान की हॉकी टीम भारत आ रही है और हाल ही में दोनों देशों के बीच वॉलीबॉल जैसे अन्य खेलों में मुकाबले हो रहे हैं तो हमने भी सोचा कि WCL में भारत-पाकिस्तान मैच कराया जाए, जिससे दुनियाभर के प्रशंसकों को कुछ आनंददायक पल मिल सकें। लेकिन लगता है कि इस निर्णय से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसलिए हमने भारत-पाकिस्तान मैच रद्द करने का फैसला किया है। हम उन सभी से माफी मांगते हैं जिनकी भावनाएं इस फैसले से आहत हुई हैं और उम्मीद करते हैं कि लोग यह समझेंगे कि हम बस प्रशंसकों के लिए कुछ खुशी के पल लाना चाहते थे।'

पाकिस्तानी टीम में शाहिद अफरीदी कप्तान हैं जबकि यूनिस खान, सोहेल तनवीर, वहाब रियाज, कामरान अकमल भी टीम का हिस्सा हैं। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज धवन ने एक्स पर बयान जारी करके कहा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। उन्होंने बयान में कहा, 'मैं औपचारिक तौर पर दोहराता हूं और इसकी पुष्टि करता हूं कि शिखर धवन WCL में पाकिस्तानी टीम के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगा। हमने वाट्सअप और फोन पर 11 मई 2025 को अपने फैसले से अवगत करा दिया था।' धवन ने कहा कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच की भू राजनैतिक स्थिति को देखकर यह फैसला लिया है। दोनों देशों के बीच संक्षिप्त सैन्य टकराव पाकिस्तान के संघर्ष विराम के अनुरोध के बाद रूका। धवन ने लिखा, 'मौजूदा भू राजनैतिक स्थिति और भारत तथा पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के कारण धवन और उनकी टीम ने यह फैसला लिया है। हम मामले को समझने और सहयोग करने के लिए लीग का धन्यवाद करते हैं।' राज्यसभा सांसद और महान आफ स्पिनर हरभजन और पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने भी पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने का फैसला लिया है लेकिन कोई बयान जारी नहीं किया।

ICC डेवलपमेंट अवॉर्ड्स के विनर्स की हुई घोषणा

अमेरिका समेत 8 देशों की चमकी किस्मत

नई दिल्ली। नेपाल और भूटान समेत आठ देशों ने आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2024 में शीर्ष पुरस्कार हासिल किए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को अपनी सालाना बोर्ड बैठक में यह जानकारी दी।अमेरिका को आईसीसी एसोसिएट सदस्य वर्ष की पुरुष टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार मिला। अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप 2024 में अमेरिकी टीम सुपर आठ चरण तक पहुंची थीं। अमेरिका ने कनाडा और पाकिस्तान को हराकर सनसनी फैला दी थी। अमेरिका, नेपाल और भूटान के अलावा इंडोनेशिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड , तंजानिया और वानुआतू को भी पुरस्कार मिले। क्रिकेट नामीबिया को देश में जमीनी स्तर पर खेल के विकास के लिए 'एशबर्टन क्वाटा मिनी क्रिकेट कार्यक्रम' के लिए आईसीसी वर्ष की विकास पहल का पुरस्कार मिला। पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट पहल का पुरस्कार संयुक्त रूप से भूटान और वानुआतू को दिया गया। नेपाल क्रिकेट संघ को 'आईसीसी डिजिटल फैन इंगेजमेंट' पुरस्कार मिला। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, ''आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार के वैश्विक विजेताओं की घोषणा करके खुशी हो रही है। उदीयमान देशों में क्रिकेट के प्रचार प्रसार के अपने प्रयासों के कारण सभी विजेता पुरस्कार के हकदार थे।''

इंग्लैंड पर मेहरबान ICC

तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की सौंपी मेजबानी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने शनिवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अगले तीन चरणों की मेजबानी के अधिकार इंग्लैंड को सौंप दिए। वैश्विक संस्था ने रविवार को संपन्न अपने वार्षिक सम्मेलन में यह फैसला किया। दो साल के चक्र पूरे होने के बाद 2027, 2029 और 2031 में होने वाले तीन डब्ल्यूटीसी फाइनल संभवतः जून में आयोजित किए जाएंगे। इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड पहले ही साउथैम्प्टन में 2021 के फाइनल (भारत बनाम न्यूजीलैंड), लंदन के ओवल में 2023 के फाइनल मुकाबले (भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया) और लॉड्र्स में 2025 के फाइनल (दक्षिण अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया) की मेजबानी कर चुका है।

भारत को नहीं मिली मेजबानी

आईसीसी ने 2027 के फाइनल भारत में स्थानांतरित किये जाने की अटकलों को विराम देते हुए ईसीबी के 'सफल मेजबानी रिकार्ड' का हवाला देते हुए इंग्लैंड को फिर से तीन बार के लिए इसकी जिम्मेदारी दी है। हालांकि यह अभी तय नहीं हुआ है कि भविष्य में भी लॉड्र्स को प्राथमिक मेजबान के तौर पर बरकरार रखा जाएगा या नहीं।

श्रीशंकर ने पुर्तगाल में जीता लंबी कूद का खिताब

तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप पर नजरें

नई दिल्ली । भारत के स्टार लांग जंपर मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीत लिया। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है।

घुटने के आपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ का 19 साल पुराना रिकॉर्ड टूटने के करीब

शुभमन गिल सिर्फ 25 रन दूर

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया है। हालांकि तीसरे टेस्ट में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके और दोनों पारियों में सस्ते में पवेलियन लौटे। शुभमन गिल के पास चौथे टेस्ट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका है। मैनचेस्टर में होने वाले मुकाबले में गिल इंग्लैंड में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में किसी एशियाई बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन के रिकार्ड को तोड़ने के करीब हैं। इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में एशियाई बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के नाम है। उन्होंने 2006 में 4 मैचों में 90.14 के औसत से 631 रन बनाए थे। उनका हाईएस्ट स्कोर 202 रहा। इस लिस्ट में भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। शुभमन गिल ने तीन मैचों में 101.16 के औसत से 607 रन बना लिए हैं और वह मोहम्मद यूसुफ का रिकॉर्ड तोडने से सिर्फ 25 रन दूर हैं।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ हैं। उन्होंने 2002 में इंग्लैंड में तीन मैचों में 602 रन बनाए थे। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2018 में पांच मैचों में 593 रन बनाए थे। दिग्गज सुनील गावस्कर ने 1979 में 4 मैचों में 542 रन जड़े थे। पाकिस्तान के सलीम मलिक ने 1992 में पांच मैचों में 488 रन बनाए थे। गिल लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैचों में 485 रन बनाकर उतरे थे। उन्होंने चार पारियों में तीन शतक लगाए और उनमें से एक को करियर की सर्वश्रेष्ठ 269 रनों की पारी में बदल दिया। तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए हालात बाकी सीरीज की तुलना में ज्यादा मुश्किल थे। दूसरी पारी में उन्हें एक सख्त नई गेंद का सामना करना पड़ा। बाकी हर बार, उन्हें एक पुरानी, नरम गेंद के सामने शुरुआत करने का फायदा मिला, जो ज्यादा असर नहीं कर रही थी। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और सीरीज में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी।

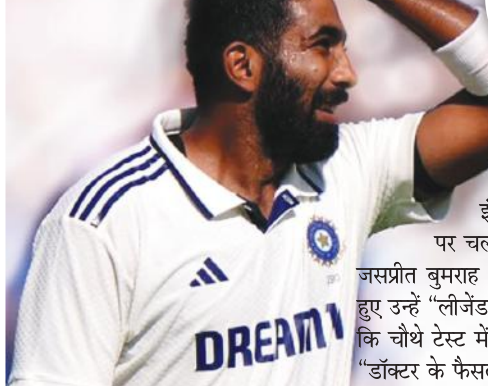

'वह अपने शरीर को जानते हैं'

चौथे टेस्ट में बुमराह के खेलने पर बोले सुरेश रैना

बर्मिंघम। पूर्व भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाज सुरेश रैना ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही श्रृंखला में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें "लीजेंड" बताया। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना "डॉक्टर के फैसले" पर निर्भर करता है क्योंकि चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद उनके कार्यभार का प्रबंधन किया जा रहा है। कार्यभार प्रबंधन के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही श्रृंखला में केवल तीन टेस्ट खेलने वाले बुमराह की उपलब्धता, ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के लिए मैनचेस्टर रवाना होने के दौरान एक बड़ा मुद्दा होगी। श्रृंखला इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 से होने के साथ ऐसी खबरें हैं कि बुमराह चौथे टेस्ट में खेल सकते हैं जिससे भारत को श्रृंखला बराबर करने का मौका मिल सके। बर्मिंघम में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) में हिस्सा लेने के लिए मौजूद रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के बारे में कहा, 'ईमानदारी से कहूँ तो यह डॉक्टर का फैसला है। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है।' उन्होंने आगे कहा, 'तो मुझे लगता है कि बुमराह एक लीजेंड हैं। मुझे लगता है कि वह अपने शरीर को जानते हैं। वह अपने कार्यभार को जानते हैं, खुद को कैसे संभालना है, यह जानते हैं और लॉर्ड्स में उनके प्रदर्शन को देखें, तो उन्होंने लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड (5 विकेट हॉल) में अपनी जगह दर्ज कराई।'

राम नहीं, रावण के नजरिए से बनेगी 'रामायण'

सीता का रोल निभाएंगी आलिया भट्ट?

फिल्म निर्माता नितेश तिवारी ने अपनी फिल्म 'रामायण' का एलान कर दिया है। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होने वाली है। इस पर अभी काम चल रहा है। अभिनेता विष्णु मांचू ने भी हाल ही में खुलासा किया है कि उनके पास भी एक स्क्रिप्ट तैयार है। लेकिन, रामायण का उनका संस्करण रावण के जीवन पर केंद्रित है।

राम की भूमिका के लिए अभिनेता सूर्या

नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में विष्णु मांचू से पूछा गया कि वह कहानी के हिसाब से किसे कास्ट करेंगे। इस पर उन्होंने कहा 'भगवान राम की भूमिका के लिए मेरे दिमाग में सबसे पहले अभिनेता सूर्या का नाम आता है।' सीता की भूमिका के लिए, उन्होंने आलिया भट्ट को चुना।

स्क्रिप्ट तैयार है लेकिन किरदार नहीं हैं

उन्होंने खुलासा किया 'मेरे पास रावण के बारे में एक स्क्रिप्ट पहले से ही है। इसमें उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक की कहानी है। उसी के लिए, मैंने 2009 में सूर्या से राम का किरदार निभाने के लिए संपर्क किया था। हालांकि बजट मेरे हिसाब से ठीक नहीं था, इसलिए बात नहीं बन पाई। फिल्म का निर्देशन राघवेंद्र राव करने वाले थे। मेरे पिता रावण का किरदार निभाने वाले थे। मेरे पास इसकी स्क्रिप्ट और संवाद तैयार हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कभी इसे निभा पाऊंगा या नहीं।'

बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर सकी कन्नप्पा

विष्णु मांचू ने हाल ही में एक बड़े बजट की पौराणिक ड्रामा कन्नप्पा बनाई, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। अभिनेता अक्षय कुमार, प्रभास और मोहनलाल ने क्रमशः भगवान शिव, रुद्र और किरात की भूमिकाएं निभाईं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा नहीं चली। इसने सिर्फ 41.75 करोड़ रुपये कमाए।

नितेश की फिल्म में भगवान के किरदार में दिखे रणबीर

इस बीच, नितेश तिवारी ने हाल ही में रामायण के अपने संस्करण की एक झलक साझा करके अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसमें अभिनेता रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेत्री साईं पल्लवी देवी सीता और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का पहला भाग अगले साल दिवाली पर रिलीज होने वाला है।

बंगले के बाहर पैपराजी की हरकत पर भड़के अमिताभ बच्चन

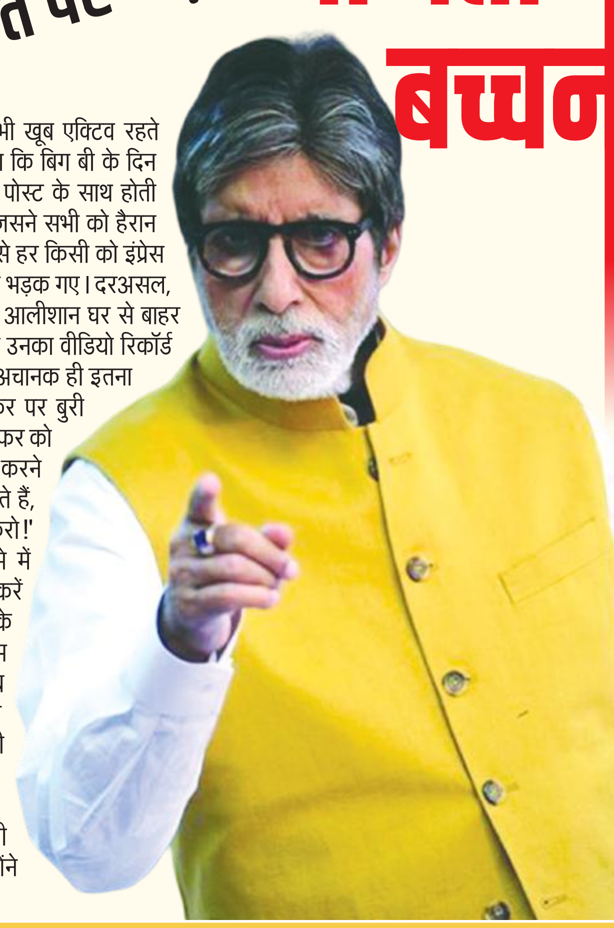

अमिताभ सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहते हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि बिग बी के दिन की शुरुआत ही सोशल मीडिया पर पोस्ट के साथ होती है। लेकिन हाल ही कुछ ऐसा हुआ, जिसने सभी को हैरान कर दिया। हमेशा अपने कूल स्वभाव से हर किसी को इंप्रेस करने वाले बिग बी एक फोटोग्राफर पर भड़क गए। दरअसल, हाल ही में जब अमिताभ बच्चन अपने आलीशान घर से बाहर निकल रहे थे तभी एक फोटोग्राफर ने उनका वीडियो रिकॉर्ड करने लगा। ये देखकर बिग बी को अचानक ही इतना गुस्सा आया कि वो उस फोटोग्राफर पर बुरी तरह से भड़क गए। उन्होंने फोटोग्राफर को फटकार लगाते हुए उसे रिकॉर्ड न करने के लिए कहा। बिग बी उससे कहते हैं, 'ये, वीडियो मत निकालो, बंद करो!' इस दौरान बिग बी काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद कुर्ता पायजामा के साथ शॉल कैरी की थी। बिग बी कम ही पैप्स के सामने आते हैं और जब भी आते हैं वो हमेशा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में रहते हैं। उन्हें हमेशा ही हाथ जोड़कर गर्मजोशी से पैपराजी का अभिवादन करते देखा गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो, बिग बी कल्कि 2898 ईस्वी के दूसरे भाग में नजर आएंगे, जिसमें उन्होंने अश्वत्थामा का पावरफुल रोल निभाया था।

उर्फी ने 9 साल बाद हटावाए लिप फिलर

होठों का हुआ बुरा हाल, देखकर हैरान हुए फैंस

बिग बॉस ओटीटी' की एक्स कंटेस्टेंट रह चुकी उर्फी जावेद हमेशा ही अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कपड़ों के अलावा उर्फी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जानी जाती हैं। लेकिन इस बार उर्फी अपने किसी कपड़े या फैशन सेंस की वजह से नहीं, बल्कि किसी और कारण से सुर्खियों में हैं। उर्फी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उनके होठों की हालत देख फैंस के भी पसीने छूट गए। उनके इस वीडियो पर कमेंट कर यूजर्स नाराजगी तक जाहिर कर रहे हैं। दरअसल, उर्फी जावेद ने 9 साल बाद अपने लिप फिलर्स हटावा दिए।

इस ट्रीटमेंट के दौरान उन्हें काफी दर्द का सामना करना पड़ा। यही नहीं, उर्फी के होंठ हद से ज्यादा सूज गए हैं। रविवार उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि उनके होंठो पर इंजेक्शन लगाया जा रहा है, जिससे उन्हें काफी दर्द भी हो रहा है। इसके बावजूद उर्फी ने अपने इस ट्रीटमेंट प्रोसेस को पूरा किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए उर्फी ने लिखा, 'नहीं, यह कोई फिल्टर नहीं है, मैंने अपने फिलर्स को हटवाने का फैसला किया, क्योंकि वे हमेशा गलत जगह पर लगे थे। मैं उन्हें फिर से लगवाऊंगी, लेकिन नेचुरल तरीके से। मैं फिलर्स को बिल्कुल भी मना नहीं कर रही हूं। इसे हटवाना बेहद दर्दनाक होता है। इसके अलावा, यह बहुत जरूरी है कि आप फिलर्स के लिए किसी अच्छे डॉक्टर के पास जाएं, ये सारे फैंसी क्लीनिक वाले डॉक्टर कुछ नहीं जानते।

रिलीज के बाद OTT पर आएगी रजनीकांत की फिल्म कुली

मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक रजनीकांत की फिल्म कुली की रिलीज का सभी को बेसब्री से इंतजार है। डायरेक्टर लोकेश कनगराज की फिल्म कुली 14 अगस्त को सिनेमाघरों में धमाका करने रिलीज हो रही है। रजनीकांत की कुली का क्लैश बॉक्स ऑफिस पर ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 से देखने मिलेगा। इसमें साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर भी हैं। इसी बीच फिल्म कुली के ओटीटी पर स्ट्रीम होने की जानकारी भी सामने आई है, जिसे सुनने के बाद फैन्स का उत्साह दोगुना हो गया है। आइए, जानते है कुली कब और किस ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

ताजा रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं की मानें तो रजनीकांत की फिल्म कुली 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को आईमैक्स रिलीज के लिए कुछ स्क्रीन भी मिलने की उम्मीद है। फिल्म रिलीज के करीब 8 हफ्ते बाद इसे ओटीटी पर स्ट्रीम किया जएगा। खबरों की मानें तो कुली को डिजिटल प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देखा जा सकेगा। अमेजन प्राइम वीडियो ने फिल्म के राइट्स 110 करोड़ में खरीदे हैं। बता दें कि फिल्म में श्रुति हासन प्रीति का किरदार निभा रही है। उन्होंने फिल्म के बारे में कहा- लोकेश कनगराज की सभी फिल्मों में

एक बात समान है। उनमें एक्शन, हाई ऑक्टेन स्टफ होता है। रजनीकांत की फिल्म कुली का निर्माण कलानिधि मारन की सन पिक्चर्स ने किया है। इस फिल्म में रजनीकांत के साथ नागार्जुन, श्रुति हासन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, रेबा मोनिका जॉन, जूनियर एमजीआर और मोनिशा ब्लेसी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म आमिर खान कैमियो करते नजर आएंगे। मूवी में उनके कैरेक्टर का नाम दहा है। मेकर्स फिल्म का प्रमोशन नहीं कर रहे हैं। वहीं, मूवी के ट्रेलर को लेकर बात करें ये 2 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। बता दें कि फिल्म का बजट 400 करोड़ है।

अगस्त से शुरू हो रही है फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान अपनी पिछली फिल्म 'सिकंदर' से ऑडियंस को निराश करने के बाद अब दमदार वापसी की तैयारी में लग गए हैं। एक्टर ने हाल में ही अपनी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का ऐलान किया था। अब फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में लग गए हैं। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी ताजा जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगस्त से शुरू होने जा रही है। पिछले कुछ महीनों से सलमान इसी फिल्म के लिए अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे थे। अब वो एक्शन अवतार में आने के लिए तैयार हैं। अपूर्व लखिया के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान', 2020 में भारत-चीन के बीच गलवान घाटी में हुए टकराव पर आधारित होगी। यह एक वॉर ड्रामा फिल्म होगी और इसकी शूटिंग अगस्त की शुरुआत से शुरू हो रही है। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, शूटिंग का पहला हिस्सा मुंबई में होगा, जिसके बाद टीम लद्दाख रवाना होगी। मुंबई के मेहबूब स्टूडियो में फिल्म का एक बड़ा सेट तैयार किया जा रहा है, जो जुलाई के आखिर तक बनकर तैयार हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, "मेहबूब स्टूडियो का शेड्यूल काफी अहम है क्योंकि फिल्म के शुरुआती सीन और सलमान के किरदार की पहचान यही से शुरू होगी। सेट का टेक्सचर, आर्ट और प्रोडक्शन डिजाइन बिलकुल असली गलवान जैसा दिखाने की कोशिश की जा रही है।" शुरू का हिस्सा मुंबई में शूट होगा और फिर कई एक्शन सीन के लिए सलमान खान अपनी टीम के साथ लद्दाख के लिए रवाना होंगे। सलमान मई से ही अपने रोल की तैयारी कर रहे हैं।

प्रियंका ने बिकिनी में दिए कई पोज

बॉलीवुड और हॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी कई अपडेट सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ अच्छे पल बिताए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसकी झलकियां दिखाई हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि परिवार के तीनों लोग काफी खुश हैं। प्रियंका चोपड़ा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें सबसे पहली तस्वीर में देखा जा सकता है कि वह बीच पर एक कुर्सी पर आराम से बैठीं हैं। दूसरी तस्वीर में वह पीछे से पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह अपने पति निक को किस कर रही हैं। एक और तस्वीर में प्रियंका, निक और मालती तीनों नजर आ रहे हैं। कई तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा ने बिकिनी में पोज दिए हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने अपना जन्मदिन मनाया है। ऐसे में उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है 'जिंदगी में जीत रही हूं। जन्मदिन पर आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।' प्रियंका की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'जब आप पोज दे रही थीं, तब निक बच्चे का ख्याल रख रहे थे। यही वह ऊर्जा है जिसकी मुझे इस साल जरूरत है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'पूरा परिवार बहुत अच्छा है। आप लोग आदर्श हैं।' एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा 'सबसे प्यारा परिवार। बहुत खुशी है कि आपका जन्मदिन अच्छा रहा और आप उन लोगों के साथ हैं जो आपको सबसे ज्यादा प्यार करते हैं!'

'कैंसर हुआ तो लगा तीसरी मंजिल से कूद जाऊं'

विक्की कौशल के पिता ने सुनाया दर्द भरा किस्सा

विक्की कौशल के पिता और एक्शन डायरेक्टर, शाम कौशल को उस समय गहरा सदमा लगा जब डॉक्टरों ने उन्हें कैंसर के बारे में बताया और कहा कि उनके बचने की संभावना बहुत कम है। यह खबर इतनी निराशाजनक थी कि उन्होंने आत्महत्या करने के बारे में भी सोचा लिया था। फिल्मों में अपने धमाकेदार एक्शन शूट के लिए मशहूर शाम कौशल असल जिंदगी में वॉरियर भी हैं, जिन्होंने हाल ही में अपनी कैंसर जर्नी के बारे में खुलकर बात की और उस वक्त उनका हाल कैसा था। ये सब कुछ बताया है। अमन औजला के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, शाम कौशल ने बताया कि जब उन्हें कैंसर की खबर मिली तो उनके दिमाग में आया कि वो अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूद जाए। उन्होंने 2003 में अपनी एक सर्जरी को याद किया, जिसके बाद उन्हें पता चला कि उन्हें कैंसर है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के कमरे में मौजूद लोग बेहद चिंतित लग रहे थे और डॉक्टर ने उन्हें बताया था कि वह बच नहीं पाएंगे। विक्की कौशल के पिता ने अपनी कैंसर जर्नी के बारे में बात करते हुए कहा, 'उन्होंने मुझे शाम को ये खबर दी थी और रात में, मेरे मन में अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूदने का एक अजीब सा विचार आया, जहां मेरा कमरा था। मैंने यह फैसला कमजोरी की वजह से नहीं लिया, बल्कि सोचा जब मुझे मरना ही है, तो अभी क्यों नहीं? लेकिन सर्जरी के बाद के दर्द के कारण मैं हिल भी नहीं पा रहा था।' उन्होंने आगे खुलासा किया कि वह अपने अस्पताल के कमरे में भगवान से प्रार्थना करते थे कि उन्हें वहां से जाएं।

उन्होंने आगे कहा, 'बातचीत के बाद, मैं मौत के डर से उबर गया। अगली सुबह, मैं नई उम्मीद के साथ जगा कि बस कुछ सर्जरी हो जाएंगी और मैं ठीक हो जाऊंगा। इस घटना के बाद, जिंदगी के प्रति मेरा नजरिया बदल गया। इसने मेरी इच्छाशक्ति को मजबूत कर दिया। अगले एक साल तक कई टेस्ट और सर्जरी हुईं।

राहुल ने याद की प्रत्युषा संग अपनी आखिरी फोन कॉल

साल 2016 में प्रत्युषा बनर्जी की मौत की खबर आई। बालिका वधू एक्ट्रेस ने सुसाइड किया था। एक्ट्रेस की सुसाइड का आरोप उनके एक्स बॉयफ्रेंड राहुल राज पर लगा था। प्रत्युषा ने सुसाइड से पहले राहुल राज को फोन किया था। प्रत्युषा ने राहुल से कहा था कि उनके माता-पिता का ख्याल रखें। उन्होंने बताया कि प्रत्युषा ने उनसे कहा था कि वो काफी लो महसूस कर रही हैं। राहुल ने दावा किया उस कॉल के बाद वो प्रत्युषा के लिए मटन पैक करा कर वहां पहुंचे थे। राहुल ने बताया कि जब वो उन्हें अस्पताल लेकर जा रहे थे तो उन्होंने ये सोचा नहीं था कि प्रत्युषा की मौत हो जाएगी। राहुल ने कहा कि प्रत्युषा का जिंदा रहना उनके लिए इस दुनिया में सबसे ज्यादा जरूरी था। बॉलीवुड बबल के साथ खास बातचीत में राहुल राज ने प्रत्युषा के आखिरी पलों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो उस दिन घर पर नहीं थे। वो एक होली इवेंट के लिए पैसे लेने जा रहे थे तभी प्रत्युषा का उन्हें कॉल आया था। राहुल ने कहा कि प्रत्युषा ने उनसे कहा था कि वो उनके माता-पिता का ख्याल रखें। राहुल ने बताया कि जब वो रस्सी से हैंग कर रही थीं तो वो उन ताला बनाने वालों के साथ-साथ पहले व्यक्ति थे जिन्होंने उन्हें (प्रत्युषा) देखा था। राहुल ने कहा, श्वो (ताला बनाने वाले) रस्सी को काटने को तैयार नहीं थे। वो डर गए थे देखकर। मैंने कहा काटो, पागल हो क्या। इसके बाद उन्होंने रस्सी काटी।

पराग त्यागी ने शेफाली के मस्ती भरे पलों को किया शेयर

बोलें- 'वो हर किरदार में बेस्ट थीं'

'कांटा लगा' फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन से उनके पति और अभिनेता पराग त्यागी काफी टूट चुके हैं। आए दिन सोशल मीडिया पर वो अपनी दिवंगत पत्नी को याद करते हुए भावुक पोस्ट करते रहते हैं। अब पराग त्यागी ने एक और वीडियो शेयर करते हुए उन्हें याद किया है।

एक्टर पराग त्यागी ने रविवार के दिन अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडयो पोस्ट साझा किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि दिवंगत शेफाली जरीवाला अपनी बहन के बच्चों के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। इसके साथ ही वो मोबाइल में अलग-अलग फिल्टर लगाकर बच्चों के साथ फोटो लेती नजर आ रही हैं। पराग त्यागी ने इस वीडियो को शेयर करते हुए मासी मां जैसी होती है सॉन्ग भी लगाया है। इस पोस्ट को देख कहा जा सकता है कि एक्ट्रेस अपने जीवन को काफी एंजाय करती थीं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए पराग त्यागी ने कैप्शन भी दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'परी, इस दुनिया की सबसे अच्छी मासी थीं। आर्या, कियान अपनी चुलबुली मासी के साथ मस्ती कर रहे हैं। वह हमेशा अपने बच्चों से बहुत प्यार करती थीं, परी जिंदगी के हर किरदार में बेस्ट रहीं और हमेशा सभी को बहुत प्यार और खुशियां दीं। परी से प्यार करने वाले सभी प्यारे दोस्तों के साथ उनके खूबसूरत प्यार भरे पलों को संजो रहा हूं।' 'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला का 42 वर्ष की उम्र में 27 जून को निधन हो गया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि उनकी मौत कैसी हुई, इस मामले की जांच अभी मुंबई पुलिस कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही असली वजह पता चलेगी। कथित तौर पर एक्ट्रेस की मौत कार्डियक अरेस्ट से बताई जा रही है। अभिनेत्री के निधन की खबर से मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई थी।